@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 1 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 176 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

● एम्स की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

'गर्भपात के नियमों में अब बदलाव की जरूरत'

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कड़ा रुख दिखाया। 15 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता के 30 हफ्ते की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति पर सुनवाई हुई। इस फैसले को चुनौती देने वाली एम्स की क्यूरेटिव पिटीशन पर अदालत ने आपत्ति जताई। अदालत ने केंद्र सरकार से यह भी कहा कि कानून में संशोधन कर दुष्कर्म पीड़िताओं को 20 हफ्ते से अधिक समय के बाद भी गर्भपात की अनुमति देने पर विचार किया जाए।

कानून को समय के साथ बदलना चाहिए

कोर्ट ने साफ कहा कि जब गर्भधारण दुष्कर्म के कारण हुआ हो, तो समय सीमा नहीं होनी चाहिए और कानून को समय के साथ बदलना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि यह बाल दुष्कर्म का मामला है और अगर गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई तो पीड़िता को जीवनभर मानसिक आघात झेलना पड़ेगा।

कोर्ट ने क्या दिए निर्देश?

अदालत ने कहा कि अगर मां को स्थायी शारीरिक नुकसान नहीं होता है तो गर्भपात किया जाना चाहिए। साथ ही एम्स को निर्देश दिया गया कि वह पीड़िता के माता-पिता को इस मुद्दे पर उचित परामर्श दे, क्योंकि अंतिम निर्णय पीड़िता और उसके परिवार का होना चाहिए। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि देश में पहले से ही कई बच्चे गोद लेने के लिए हैं, कई बच्चे सड़कों पर बेसहारा हैं और इस पर माफिया भी सक्रिय हैं। यह 15 साल की बच्ची का अनचाहा गर्भ है। उसे पढ़ाई करनी चाहिए, लेकिन हम उसे मां बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सोचिए उसने कितना दर्द और अपमान सहा है।

एम्स ने क्या दलील दी?

वहीं, AIIMS की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि इस अवस्था में गर्भपात संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 30 हफ्ते में भ्रूण एक जीवित शिशु के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें गंभीर विकृतियां हो सकती हैं। साथ ही नाबालिग मां को जीवनभर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं और भविष्य में वह मां नहीं बन पाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चे को जन्म के बाद गोद दिया जा सकता है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि गर्भपात का निर्णय पीड़िता और उसके माता-पिता की इच्छा पर निर्भर करेगा और एम्स की भूमिका उन्हें सूचित निर्णय लेने में मदद करने की होनी चाहिए।

'जब तक गोमांस जब्त न हो, वाहन जब्त करना अवैध और मनमाना'

यूपी सरकार पर दो लाख का जुर्माना; कोर्ट का फैसला

एजेंसी

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम के तहत वाहन सीज करने के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि जब तक वैज्ञानिक रूप से यह साबित न हो जाए कि बरामद मांस वास्तव में गोमांस है, तब तक वाहन को जब्त करना अवैध और मनमाना है। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने वाहन सीज करने के आदेश को रद्द कर दिया। याची को आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए सरकार पर दो लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की पीठ ने दिया है। बागपत जिले में 18 अक्तूबर 2024 को पुलिस ने याची के वाहन को इस संदेह में पकड़ा था कि उसमें प्रतिबंधित मांस ले जाया जा रहा है। डीएम ने 16 जून 2025 को वाहन को जब्त करने का आदेश दिया। याची मोहम्मद चांद ने जब्ती आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि पशु चिकित्सक की रिपोर्ट में मांस के गोमांस होने की कोई निश्चित पुष्टि नहीं की गई थी, बल्कि उसे केवल संदिग्ध बताया गया था। कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही शुरू करने के लिए अधिकृत प्रयोगशाला की रिपोर्ट अनिवार्य है। इस मामले में प्रयोगशाला की कोई पुख्ता रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी, इसलिए जब्ती की पूरी प्रक्रिया अवैध है।

● कोर्ट ने माना कि याचिकाकर्ता का वाहन उसकी आजीविका का एकमात्र स्रोत था। पिछले 18 महीनों से वाहन के अवैध रूप से बंद रहने के कारण उसे आर्थिक क्षति हुई है। कोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेट और मंडलायुक्त के आदेशों को रद्द कर दिया। सात दिनों के भीतर याचिकाकर्ता को दो लाख रुपये का हर्जाना देने का आदेश दिया। न्यायालय ने सरकार को यह छूट भी दी है कि वह हर्जाने की राशि संबंधित उत्तरदायी अधिकारियों से वसूल सकती है।

भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद 2026

कक्षा 10वीं-12वीं के नतीजे घोषित

● यूपी के ओजस्वित पासरीया को इंटर में मिले 100 फीसदी अंक

एजेंसी

इलाहाबाद। भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद (CISCE) सुबह 11 बजे ICSE (कक्षा 10वीं) और ISC (कक्षा 12वीं) के परिणाम 2026 जारी कर दिए हैं। इस परिणाम का इंतजार देशभर के लाखों छात्र कर रहे हैं, जिन्होंने फरवरी से अप्रैल के बीच आयोजित परीक्षाओं में भाग लिया था। छात्र अपना रिजल्ट और ऑनलाइन मार्कशीट आधिकारिक वेबसाइट cisce.org पर देख सकते हैं। चिंटल्स स्कूल के छात्रों ने बोर्ड परीक्षा परिणामों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मेधा का परिचय दिया है। कक्षा 12वीं की छात्रा यशी सचान ने 99.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल और शहर का नाम रोशन किया, वहीं कक्षा 10वीं के छात्र आदि अरोड़ा ने 99.4 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

आईसीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 17 फरवरी से 30 मार्च तक और आईएससी कक्षा 12वीं की परीक्षाएं 12 फरवरी से 3 अप्रैल तक आयोजित की गई थीं।

इन विवरणों को ध्यान से करें चेक

रिजल्ट देखने के बाद छात्र अपनी मार्कशीट में दी गई सभी जानकारी को ध्यान से चेक करें, जैसे अपना नाम, यूनिक आईडी नंबर, जन्म तिथि, स्कूल का नाम, हर विषय के अंक, ग्रेड, पास या फेल की स्थिति और कुल प्रतिशत। अगर कोई टिप्पणी लिखी हो तो उसे भी जरूर पढ़ें, ताकि अगर कोई गलती हो तो समय पर उसे ठीक कराया जा सके। आईसीएसई कक्षा 10 की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को प्रत्येक विषय में कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने आवश्यक होंगे, जबकि आईएससी कक्षा 12 के छात्रों के लिए यह सीमा 40 प्रतिशत होगी। जो छात्र एक या दो विषयों में पासिंग मार्क्स हासिल नहीं कर पाते, उन्हें सुधार परीक्षा (इम्प्रूवमेंट एग्जाम) देने का अवसर मिलेगा।

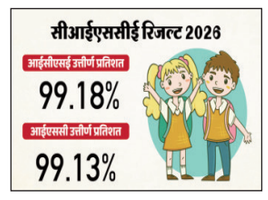

हज यात्रा का हवाई किराया बढ़ने पर ओवैसी ने जताई नाराजगी

कहा-यह उचित नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली । एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने हज यात्रा के हवाई किराए के बढ़ने पर नाराजगी जताई है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि हज कमेटी हज यात्रियों से 'हवाई किराए में अंतर' के नाम पर अतिरिक्त 10 हजार रुपए की मांग कर रही है। यह तब हो रहा है, जब कुछ महीने पहले ही मुंबई से रवाना होने वाले हर यात्री से 90,844 रुपए वसूले जा चुके हैं। यह आम यात्रियों के लिए मौजूदा दरों से लगभग दोगुना है। उन्होंने लिखा कि क्या हज यात्री हज कमेटी के जरिए जाने की सजा भुगत रहे हैं? यह सरासर शोषण है और कुछ नहीं। ज्यादातर हज यात्री अमीर नहीं होते; वे हज पर जाने के लिए सालों तक पैसे बचाते हैं।

ओवैसी ने आगे लिखा कि उनके लिए यह कोई विलासिता नहीं है। इस सर्कुलर को तुरंत वापस लिया जाना

चाहिए, और हज यात्रियों से वसूले गए पैसे उन्हें वापस किए जाने चाहिए। उन्होंने लिखा कि सर किरेन रिजिजू इस सर्कुलर को वापस ले लीजिए; यह उचित नहीं है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जम्मू से श्रीनगर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

● इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी उपस्थिति थे।

एजेंसी

जम्मू । केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जम्मू से श्रीनगर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी उपस्थिति थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के जम्मू तवी स्टेशन पर पहुंचने पर अधिकारियों और समर्थकों ने स्वागत किया। इसके बाद, रेल मंत्री ने जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा को हरी झंडी दिखाई। यह रेल, जो पहले श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, अब जम्मू तवी तक चलेगी, जिससे देश की सबसे आधुनिक रेल सीधे जम्मू-कश्मीर के सबसे बड़े शहर और रेलवे केंद्र तक पहुंचेगी। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था, तब रेल में 8 डिब्बे थे। डिब्बों की संख्या बढ़ाकर 20 करने का निर्णय इसी मांग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिससे रेल की बैठने की क्षमता एक बार में दोगुनी से भी अधिक हो जाएगी और विशेष रूप से तीर्थयात्रा और पर्यटन के व्यस्त मौसम के दौरान आरक्षण और प्रतीक्षा सूची पर दबाव बहुत कम हो जाएगा। इस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। ' उन्होंने आगे लिखा, '20 कोचों का जोड़ा जाना आधुनिक, तेज रफ्तार रेल यात्रा की बढ़ती मांग को दर्शाता है। साथ ही, यह जम्मू-कश्मीर में यात्रियों की क्षमता, सुविधा और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी और मजबूत करता है। '

● जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जम्मू रेलवे स्टेशन पर 20 कोच वाली नई और बड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई गई। यह इस क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को एक बड़ी मजबूती देने वाला कदम है।

● विधानसभा में सीएम योगी बोले-

सपाइयों के आचरण पर गिरगिट भी शरमा जाए

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर 'दोहरा रवैया' अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संसद में विरोध और सदन में समर्थन का दिखावा कर विपक्ष जनता को गुमराह कर रहा है, जिस पर 'सपाइयों को देख गिरगिट भी शरमा जाए।' विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 16 और 17 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष का रवैया महिला विरोधी था और यह सदन भी उसके व्यवहार का गवाह है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर सीधा निशाना साधते हुए कहा पांडेयजी, इस उम्र में तो सच्चाई स्वीकार कीजिए। योगी ने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि जब 2017 में प्रदेश में 'डबल इंजन सरकार' आई, तब 1.5 साल के भीतर 2 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, जिस पर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि अब वही दल महिला आरक्षण के पक्ष में खड़े होने का दावा कर रहे हैं जबकि संसद में उसका विरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने सपा विधायक पूजा पाल का जिक्र करते हुए कहा कि आप अपनी साथी के आंसू तक नहीं पोंछ पाए,' और आरोप लगाया कि सपा का महिलाओं के प्रति रवैया संवेदनशील नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि सपाइयों के आचरण पर 'गिरगिट भी शरमा जाए। '

भीषण गर्मी से राहत: कश्मीर-केरल और पंजाब-बंगाल तक बारिश

● हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में हिमपात, उत्तराखंड में अलर्ट

● देश के अलग-अलग हिस्सों में आंधी-तूफान और वर्षा जनित घटनाओं में 20 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

एजेंसी

लखनऊ । पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम के मिजाज में आया बदलाव जारी है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वी हिमालयी पूर्वोत्तर के राज्यों में हल्की से भारी बारिश हुई है और चोटियों पर हिमपात दर्ज किया गया है। पंजाब और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों से लेकर केरल तक गरज और चमक के साथ फुहारे पड़ी हैं और तेज हवाएं भी चली हैं। इससे भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, सुबह 8:30 बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में अधिकांश जगहों पर गरज और चमक के साथ हल्की से तेज बारिश हुई और 50-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी लगभग 21 सेमी तक वर्षा दर्ज की गई। त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में भी भारी बारिश हुई। मिजोरम के पांच जिलों में स्कूलों में छुट्टी करनी पड़ी।

नागपुर में आरएसएस मुख्यालय और स्मृति मंदिर पर 'रेडिएशन' अटैक की धमकी

एजेंसी

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय और डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर में 'रेडिएशन' की धमकी से हड़कंप मच गया। पुलिस कमिश्नर को भेजी गई एक गुमनाम चिट्ठी में दावा था कि आरएसएस मुख्यालय और स्मृति मंदिर में रेडियोएक्टिव पदार्थ फैला दिया गया है। यह चिट्ठी कथित तौर पर

'डीएसएस' नाम के एक संगठन ने भेजी है। इस चिट्ठी के मिलने के बाद एक बड़े पैमाने पर जांच शुरू हो गई है, जिसमें एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) और एनडीआरएफ भी शामिल हैं। अंग्रेजी में लिखी यह गुमनाम चिट्ठी 27 अप्रैल को डाक के जरिए पुलिस कमिश्नर रविंद्रकुमार सिंघल के दफ्तर पहुंची। इसमें आरएसएस के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था और एक चेतावनी दी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चिट्ठी में कहा गया था कि सीजियम-137 नाम का एक बेहद खतरनाक रेडियोएक्टिव पाउडर कई अहम जगहों पर कथित तौर पर रख दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सीजियम-137 (137सीएस) धातु सीजियम का एक रेडियोएक्टिव आइसोटोप है। यह प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता। यह न्यूक्लियर रिएक्टरों और हथियारों में यूरेनियम के न्यूक्लियर विखंडन से बनने वाला एक उप-उत्पाद है। इसकी हाफ-लाइफ (अर्ध-आयु) 30.05 साल होती है, जिसका मतलब है कि इसकी रेडियोएक्टिविटी को आधा होने में तीन दशक लग जाते हैं। इससे बीटा कण और शक्तिशाली गामा किरणें निकलती हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चिट्ठी में दावा किया गया है कि यह रेडियोएक्टिव पदार्थ आरएसएस मुख्यालय, रेशिमबाग स्थित स्मृति मंदिर, गणेशपेठ स्थित भाजपा दफ्तर, ऑरेंज और एक्वा दोनों लाइनों की मेट्रो ट्रेनों की सीटों पर, और बसों में रखा गया है। दावा किया गया कि उन्हें यह रेडियोएक्टिव पदार्थ एक कैंसर अस्पताल से मिला था। चिट्ठी में आगे अधिकारियों को चुनौती देते हुए कहा गया है, 'नागपुर शहर अब पूरी तरह से रेडिएशन के खतरे में है। जब तारापुर एटॉमिक पावर स्टेशन के विशेषज्ञ यहां आकर जांच करेंगे, तब आपको इस बात की सच्चाई का पता चलेगा। '

● चिट्ठी में हाल ही में हुई एक घटना का भी जिक्र किया गया, जिसमें दोसर भवन मेट्रो स्टेशन के पीछे एक खाली प्लॉट में डेटोनेटर और जिलेटिन की छड़ें मिली थीं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 'डीएसएस' ने उन विस्फोटकों की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था, 'यह तो बस एक चेतावनी थी। असली खेल तो अब शुरू हुआ है।'

हेलिकॉप्टर से पहली बार एक साथ 2 मिसाइल लॉन्च

जरूरत पड़ने पर हवा में टारगेट बदला जा सकता है; DRDO-नेवी का सफल परीक्षण

एजेंसी

नागपुर । DRDO और नौसेना ने बंगाल की खाड़ी में हेलिकॉप्टर से शॉर्ट रेंज नेवल एंटी-शिप मिसाइल को सफल लॉन्च किया। इस दौरान एक हेलिकॉप्टर से कुछ ही सेकेंड के अंतर पर दो मिसाइलें दागी गईं। दोनों ने समुद्री जहाज के निचले हिस्से पर सटीक निशाना लगाया।

इसके जरिए भारत ने साल्वो लॉन्च क्षमता को परखा। यानी एक लॉन्चर से कम समय में ज्यादा मिसाइलें दागना। यह तकनीक दुश्मन के रडार सिस्टम को चकमा दे सकती है। ओडिशा के चांदीपुर की टेस्ट रेंज में लगे रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम और टेलीमेट्री के जरिए मिसाइल की पूरी उड़ान और निशाने को ट्रैक किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस मिसाइल के बनने से सेना की ताकत काफी बढ़ेगी। जहाज को ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाला वार मिसाइल ने समुद्री जहाज के उस हिस्से को निशाना बनाया, जहां हमला होने पर ज्यादा नुकसान होता है। मिसाइल में शुरुआत के लिए बूस्टर और आगे उड़ान बनाए रखने के लिए अलग सिस्टम लगा है। साथ ही टारगेट पहचानने, रास्ता तय करने और ऊंचाई बनाए रखने के लिए कई तकनीकें जोड़ी गई हैं। मिसाइल में ऐसा सिस्टम है, जिससे उड़ते वक्त भी उसे नई जानकारी दी जा सकती है। जरूरत पड़ने पर दिशा बदली जा सकती है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 14.63 करोड़ रुपये के खेल स्टेडियम का शिलान्यास किया: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

संगरूर; 30 अप्रैल: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज गांव सतौज में 14.63 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक खेल स्टेडियम का शिलान्यास किया। यह पहल खेल, स्वास्थ्य और अनुशासन के माध्यम से राज्य के युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और सामाजिक हस्तक्षेप के तहत 4.38 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला यह विश्व स्तरीय स्टेडियम पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करेगा और बैडमिंटन, हैंडबॉल, जूडो, नेटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, कबड्डी और कराटे सहित अनेक खेलों की मेजबानी करेगा। इस अवसर को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह स्टेडियम 14.63 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है और 4.38 एकड़ क्षेत्र में फैला यह परिसर विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। उन्होंने बताया कि इसमें 200 मीटर का एथलेटिक ट्रैक, दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए पवेलियन तथा बहुउद्देश्यीय इंडोर स्पोर्ट्स हॉल का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्टेडियम में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएं न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेंगी बल्कि उन्हें पेशेवर स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर भी देंगी। इससे यह क्षेत्र एक प्रमुख खेल केंद्र के रूप में विकसित होगा और युवाओं को अपने कौशल को निखारने का मंच मिलेगा। संतुलित विकास के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब शिक्षा के लिए अच्छे स्कूल और खेलों के लिए उपयुक्त मैदान उपलब्ध होते हैं, तो बच्चे वैश्विक स्तर पर अपने गांव, राज्य और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खेल और शिक्षा का संतुलन ही समग्र विकास की कुंजी है। मुख्यमंत्री ने यह भी दोहराया कि पंजाब सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और शिक्षा तथा खेलों के क्षेत्र में विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

शेष पृष्ठ 3 पर

डीजे का शोर नहीं सह पाईं मुर्गियां,140 की जान गई, पोल्ट्री फार्म संचालक ने डीजे कराई एफआईआर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के जश्न में बज रहे तेज डीजे की आवाज बेजुबान पक्षियों के लिए काल बन गई। बल्दीराय थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में एक पोल्ट्री फार्म के पास से गुजर रही बारात के डीजे की कानफोडू आवाज के कारण कथित तौर पर 140 मुर्गियों की दहशत से मौत हो गई। इस अनोखी घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना 25 अप्रैल की रात की है। गांव के निवासी बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी, जिसकी बारात कुड़वार के पूरे राम भद्र पुरवा से आई थी। बारात जब पूरे गाजे-बाजे और डीजे के साथ गांव की गलियों से गुजर रही थी, तभी रास्ते में साबिर अली का पोल्ट्री फार्म पड़ा। साबिर का आरोप है कि रात करीब 9:30 बजे जब डीजे उनके फार्म के सामने पहुंचा, तो उसकी ध्वनि सीमा इतनी अधिक थी कि मुर्गियों के दबड़े में अचानक अफरा-तफरी मच गई। तेज धमक और शोर के कारण मुर्गियां दहशत में आ गईं और देखते ही देखते 140 मुर्गियों ने दम तोड़ दिया। पीड़ित साबिर अली ने बताया कि उन्होंने डीजे ऑपरेटर से आवाज कम करने का अनुरोध भी किया था, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। मुर्गियों की मौत के बाद हुए आर्थिक नुकसान से आहत साबिर ने बल्दीराय थाने में न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता और पशु क्रूरता के पहलुओं को देखते हुए परसीपुर निवासी डीजे संचालक कवि यादव के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक एमडी ताहुर खान यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या डीजे निर्धारित डेसिबल मानकों का उल्लंघन कर रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज ध्वनि तरंगें और भारी बेस छोटे पक्षियों के दिल की धड़कन को अनियंत्रित कर देते हैं, जिससे उन्हें कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) पड़ने का खतरा रहता है। इस घटना ने एक बार फिर शादियों और अन्य समारोहों में ध्वनि प्रदूषण के नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, गांव में यह मामला चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

बीजेपी नेता अग्रवाल ने की पायलट पर अपमानजनक टिप्पणी, कांग्रेस ने फूंका पुतला

बहरोड़ (एजेंसी)। राजस्थान में बीजेपी प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट के खिलाफ की गई अपमानजनक और अनर्गल टिप्पणी ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। इस बयान के विरोध में बहरोड़ के कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और बीजेपी प्रभारी का पुतला दहन कर कड़ा विरोध जताया। पीसीसी महासचिव डॉ. आरसी यादव के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस ने बीजेपी को सीधी चेतावनी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. यादव ने साफ कहा कि बीजेपी का यह कृत्य बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और राधा मोहन अग्रवाल को अपने शब्द वापस लेते हुए सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि माफी नहीं मांगी गई, तो आगामी चुनावों में राजस्थान की जनता बीजेपी को ऐसा सबक सिखाएगी कि उन्हें कहीं मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। पायलट को बाहरी बताने के तर्क पर डॉ. यादव ने तीखा हमला करते हुए बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल खड़े किए। उन्होंने सवाल उठाया कि सचिन पायलट को बाहरी बताने वाली बीजेपी बताए कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी बनारस में पैदा हुए थे? डॉ. यादव ने कहा कि बनारस से प्रधानमंत्री का क्या रिश्ता है, फिर भी वे वहां से सांसद हैं। उन्होंने बीजेपी को नसीहत दी कि वे अपने गिरेबान में झांककर देखें।

उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड में मुठभेड़, तीन दुर्दांत बदमाश ढेर, पुलिस चला रही रही ऑपरेशन प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार आधी रात से लेकर गुरुवार सुबह तक उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड की पुलिस अपराधियों के लिए काल बनकर टूटी। अलग-अलग राज्यों में हुई जबरदस्त मुठभेड़ों में तीन इनामी और दुर्दांत अपराधियों को ढेर कर दिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। मुठभेड़ का सिलसिला उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से शुरू हुआ। यहां पुलिस ने जिम में हुए ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी और 50 हजार के इनामी बदमाश जीतू सैनी को मार गिराया। खुर्जा नगर क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ के दौरान जीतू सैनी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें स्वाट टीम प्रभारी और एक हेड कांस्टेबल घायल हो गए। हालांकि, बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से खुर्जा कोतवाल और एक अन्य पुलिसकर्मी की जान बच गई। पुलिस के मुताबिक, जीतू ने पिछले दिनों एक जिम में घुसकर तीन लोगों की हत्या की थी। इस मामले में अब तक 11 आरोपी नामजद हैं, जिनमें से पांच पहले ही पकड़े जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार में भी गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजी। सीवान जिले में भाजपा नेता व पूर्व एमएलसी मनोज सिंह के भांजे हर्ष सिंह की हत्या के मुख्य आरोपी छोटू कुमार यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर दबोच लिया। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे हुई इस कार्रवाई में आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि बुधवार शाम गाड़ी सटने के मामूली विवाद में हर्ष सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पुलिस ने साहस का परिचय दिया। प्रेमनगर इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर से दो लाख रुपये और मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाशों को पुलिस ने घेरा, तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश मारा गया, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो फरार हो गए। इस मुठभेड़ में प्रेमनगर इंस्पेक्टर नरेश राठौर के हाथ में दो गोलियां लगी हैं। फिलहाल पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में सघन कॉम्बिंग अभियान चला रही है। तीनों राज्यों में हुई इन कार्रवाइयों ने साफ कर दिया है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में डाल रखा

भदौही पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विरोधियों पर बोला हमला

भदौही (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपने पहले भदोही दौरे के दौरान विपक्ष की महिला विरोधी राजनीति पर जमकर हमला किया। अपने रोड शो के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन ने सीधे तौर पर सपा, कांग्रेस और टीएमसी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि जो राजनैतिक पार्टियां दशकों तक महिला आरक्षण बिल को संसद में लटकाते और फाड़ते रहे, आज उन्हें नारी शक्ति का वंदन करने का कोई हक नहीं है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य कार्यक्रम के बाद सीधे भदौही पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष नबीन ने महिलाओं के सम्मान को आस्था से जोड़ा। भीड़ में उन्होंने कहा कि मैं उस आदि शक्ति माँ विंध्यवासिनी के चरणों में शीश नवाने जा रहा हूं, जिनसे यह पूरी सृष्टि संचालित होती है। माता विंध्यवासिनी गवाह हैं कि नारी है तब ही यह संसार है। जो लोग महिलाओं का अपमान करते हैं, वे दरअसल इस संसार के अस्तित्व को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में डाल रखा था। सदन में बिल की प्रतियां फाड़ने वाले लोग आज किस मुंह से महिलाओं की बात करते हैं? लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कर दिखा दिया कि भाजपा कथनी में नहीं, करनी में विश्वास रखती है। बात दें कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन का यह जनपद में पहला दौरा था, जिसे कार्यकर्ताओं ने यादगार बना दिया। औराई चौराहे पर स्वागत का आलम यह था कि सैकड़ों लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को गुलाब के फूलों की बारिश से नहला दिया, जिससे पूरा मार्ग फूलों की चादर से ढक गया। कार्यकर्ताओं के भारी हुजूम और गगनभेदी नारेबाजी के चलते अध्यक्ष का काफिला बमुश्किल आगे बढ़ा।

ऑस्ट्रेलिया से डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया से नियमों के उल्लंघन के आरोप में डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँच गया है, जिसमें से 11 व्यक्ति पंजाब के विभिन्न जिलों से संबंधित हैं। इन सभी यात्रियों के दिल्ली पहुँचते ही सुरक्षा एजेंसियों और इमिग्रेशन अधिकारियों ने करीब पाँच घंटे तक गहन पूछताछ की, ताकि डिपोर्ट किए जाने के वास्तविक कारणों और उनकी गतिविधियों का पूरा ब्यौरा जुटा सके। पंजाब सरकार ने मामले को गंभीरता से लेकर अपने प्रतिनिधियों और विशेष वाहनों का दल दिल्ली भेजा है, ताकि इन लोगों को सुरक्षित उनके गृह जिलों तक पहुँचाया जा सके। इसके लिए एक टेंपो ट्रैवलर और अन्य गाड़ियों का प्रबंध हवाई अड्डे पर ही किया गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डिपोर्ट किए लोग जालंधर, होशियारपुर, खन्ना, मोगा, नवांशहर, गढ़शंकर, तरनतारन, फिरोजपुर और रूपनगर जैसे इलाकों के निवासी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि इन नागरिकों ने ऑस्ट्रेलिया में प्रवास के दौरान वहां के स्थानीय नियमों का उल्लंघन किया था, जिसके परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने उन्हें वापस भारत भेजने का कठोर निर्णय लिया। वापस लौटे व्यक्तियों में जसवंत सिंह, अंग्रेज सिंह, सतिंदरजीत सिंह शेरगिल, गुरप्रीत सिंह संधू, जगजीत सिंह, जसप्रत सिंह, निर्मल सिंह, श्रुति शर्मा, रणजी सिंह, हरप्रीत सिंह और गगनदीप सिंह शामिल हैं, जिनकी उम्र 25 से 41 वर्ष के बीच है। यह घटनाक्रम पिछले साल अमेरिका द्वारा 104 अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किए जाने की याद दिलाता है, जिन्हें अमेरिकी वायुसेना के विमान से अमृतसर लाया गया था। अवैध इमिग्रेशन और विदेशी कानूनों की अनदेखी के कारण पंजाब के युवाओं का इस तरह डिपोर्ट होना एक चिंताजनक विषय बन गया है। फिलहाल, दिल्ली में औपचारिक कागजी कार्रवाई और वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन सभी को पंजाब पुलिस और सरकारी टीम की निगरानी में उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया है। राज्य सरकार अब इन मामलों के मूल कारणों की जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोका जा सके।

केजरीवाल के बाद अब पाठक ने किया जस्टिस शर्मा के सामने पेश होने से इनकार

-पत्र में लिखा- वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की जताई चिंताओं से सहमत

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद पार्टी नेता दुर्गेश पाठक ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में आबकारी 'घोटाला' मामले की सुनवाई में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। पाठक ने जस्टिस शर्मा को एक पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की ओर से जताई गई चिंताओं से सहमत हैं। केजरीवाल ने जस्टिस शर्मा पर हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए घोषणा की है कि वह आबकारी मामले की सुनवाई में व्यक्तिगत स्तर पर या किसी वकील के जरिए हिस्सा नहीं लेंगे। पाठक, सिसोदिया और केजरीवाल सीबीआई की ओर से दायर उस पुनर्विचार याचिका में पक्षकार हैं, जिसमें आबकारी नीति मामले में उन्हें आरोपमुक्त किए जाने के फैसले को चुनौती गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाठक ने पत्र में कहा कि यह पत्र उस पुनर्विचार याचिका के सिलसिले में है, जो वर्तमान में इस कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। पाठक ने लिखा कि उन्होंने केजरीवाल के 27 अप्रैल के पत्र को पढ़ने के बाद यह फैसला लिया, जिसमें सुनवाई में निष्पक्षता और पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताई गई थी। इसी के मद्देनजर उन्होंने भी वर्तमान सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से या किसी वकील के जरिए हिस्सा न लेने का संकल्प लिया है। इस मामले में मेरी ओर से पेश वकालतनामा, यदि कोई हो तो, उसे विधिवत रूप से वापस लिया हुआ माना जाए।

पाठक ने कहा कि उनके पत्र कोर्ट के प्रति अनादर के संकेत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने संविधान और न्यायपालिका में अपनी आस्था दोहराई। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर भारत के संविधान और इस देश की न्यायपालिका की संस्थागत अखंडता में अपनी अटूट आस्था रखता हूं। उन्होंने अनुरोध किया कि पत्र को रिकॉर्ड में लिया जाए और कोर्ट की ओर से उचित एवं न्यायसंगत समझे जाने वाले तरीके से सुनवाई की जाए।

इस बीच दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने सवाल उठाया कि केजरीवाल के चिंता जताने के बाद जस्टिस शर्मा ने खुद को आबकारी मामले की सुनवाई से अलग क्यों नहीं कर लिया। आतिशी ने दावा किया कि जस्टिस शर्मा ने हाल में अन्य मामलों में ऐसा किया था। उन्होंने पूछा कि मौजूदा मामले में ऐसा क्या अलग है कि सुनवाई से अलग होने पर विचार नहीं किया गया।

महिला आरक्षण का विरोध कर कांग्रेस और सपा ने महिला-विरोधी अपनी मानसिकता को उजागर किया

-ईवीएम में पार्टी सिंबल के सामने की बटन को टेप से ब्लॉक करने का है आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला कर उन्हें महिला-विरोधी बताया। मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि संसद में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन बिल का विरोध करके विपक्षी दलों ने अपनी असल मानसिकता देश के सामने ला दी है। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र की शुरुआत से पहले सीएम योगी ने विपक्षी इंडी गठबंधन पर देश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप भी लगाया।

विशेष सत्र शुरू होने से पहले यूपी विधानमंडल के बाहर एक प्रेस ब्रीफिंग में सीएम योगी ने कहा कि इंडिया गठबंधन महिला आरक्षण बिल का विरोध करके भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहता था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान महिलाएं पूरी तरह से असुरक्षित थीं। उन्होंने कहा कि यह विशेष सत्र विपक्ष द्वारा संसद में महिला आरक्षण बिल का समर्थन न करने के कदम पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

सीएम योगी ने कहा, हर व्यक्ति सपा के खिलाफ लगे नारों से वाकिफ है... समाजवादी पार्टी और कांग्रेस महिला-विरोधी हैं, यह बात हर कोई जानता है। उन्होंने कहा, उनके पास महिला आरक्षण बिल का समर्थन करके अपनी छवि सुधारने का अच्छा मौका था, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने महिला आरक्षण का विरोध सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अपनी सरकार द्वारा की गई पहलों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सशक्त बनाने की उनकी पहलों के लिए पीएम मोदी को भी धन्यवाद दे रहे है। उनके नेतृत्व में, बीजेपी और एनडीए ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

बात दें कि गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है, जिसका मुख्य विषय महिला आरक्षण है। वहीं समाजवादी पार्टी ने सत्र को लेकर बीजेपी की आलोचना कर कहा है कि भगवा पार्टी संसद में पारित न हो सके संवैधानिक संशोधन बिल को लेकर सदन में एक असंवैधानिक निंदा प्रस्ताव पेश करना चाहती है। पार्टी ने कहा कि बीजेपी लोगों को, और विशेष रूप से महिलाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। हम उस प्रस्ताव की कड़ी निंदा करते हैं जिसे वे लाना चाहते हैं।

शिमला में भारी ओलावृष्टि, 3 इंच मोटी परत बिछी : अगले 6 दिन बारिश के आसार

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और इसके आसपास के क्षेत्रों में 30 अप्रैल को हुई भीषण ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है, जिससे कुफरी और ठियोग जैसे इलाकों में जमीन पर ओलों की तीन इंच मोटी सफेद चादर बिछ गई है। गुरुवार को दोपहर के समय अचानक हुए मौसमी बदलाव के कारण राजधानी में दिन में ही अंधेरा छा गया और सड़कों पर भारी फिसलन होने से यातायात बाधित हुआ। इस प्राकृतिक आपदा का सबसे दर्दनाक पहलू कृषि क्षेत्र पर पड़ा है, जहाँ सेब के बागानों के साथ-साथ मटर और फूलगोभी की नकदी फसलें पूरी तरह तबाह हुई हैं, जिससे बागवानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखकर शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों के लिए तत्काल तूफान और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है, जबकि चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जैसे क्षेत्रों को भी येलो अलर्ट पर रखा गया है। आगामी छह दिनों तक राज्य में मौसम के इसी तरह खराब रहने के आसार हैं, जिसमें 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवाएं और रुक-रुक कर होने वाली बारिश शामिल है। विशेष रूप से 3 और 4 मई को पूरे प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

केजरीवाल के शीशमहल-2 की तस्वीरें आईं सामने, भाजपा के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल हाल ही में अपने नए सरकारी आवास में शिफ्ट हुए हैं। उनके इस नए पते को लेकर राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल के इस नए बंगले को शीशमहल-2 करार देते हुए इसकी साज-सज्जा पर भारी खर्च के आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने केजरीवाल के साथ उनके आवास के भीतर की एक नई तस्वीर साझा कर इन दावों पर पलटवार किया है।

सोमनाथ भारती द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई इस तस्वीर में केजरीवाल एक बेहद सामान्य कमरे में बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों नेता एक सोफे के पास खड़े हैं और सामने एक छोटी स्टूल पर डायरी व पेन रखा हुआ है। भारती ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि वह अपने नेता की इस बात के प्रशंसक हैं कि वे हर विचार को तुरंत नोट करते हैं और उस पर काम शुरू कर देते हैं। उन्होंने एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि केजरीवाल को आवंटित होने वाला हर नया घर प्रधानमंत्री आवास के और करीब होता जा रहा है, जो भविष्य के राजनीतिक संकेतों की ओर इशारा करता है। आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों का कड़ा खंडन किया है। पार्टी की मुख्य प्रवक्ता ने भाजपा द्वारा दिखाई गई तस्वीरों को इंटरनेट से डाउनलोड की गई फर्जी तस्वीरें बताया है। आप ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा झूठ और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह कर रही है। सोमनाथ भारती द्वारा साझा की गई नई तस्वीर को पार्टी ने यह दिखाने के प्रयास के तौर पर पेश किया है कि केजरीवाल का जीवन और आवास साधारण है। फिलहाल, इस नए आवास को लेकर दिल्ली की राजनीति में जुबानी जंग तेज हो गई है। केजरीवाल अब 95, लोधी एस्टेट स्थित टाइप-7 सरकारी बंगले में रह रहे हैं, जो उन्हें एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते केंद्र सरकार द्वारा आवंटित किया गया है। भाजपा ने इस बंगले की विलासिता को लेकर हमला बोला है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि इस घर में सुविधाओं के लिए निजी धन खर्च किया गया है और इसकी साज-सज्जा किसी आम आदमी की नहीं बल्कि उच्चवर्गीय व्यक्ति की पसंद है। उन्होंने कुछ फर्नीचर की तस्वीरें साझा कर इसे शीशमहल के पुराने विवाद से जोड़ने की कोशिश की।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में लागू होगा सख्त ड्रेस कोड

जींस-पैंट पहनकर महिलाओं के प्रवेश पर लग सकती है रोक

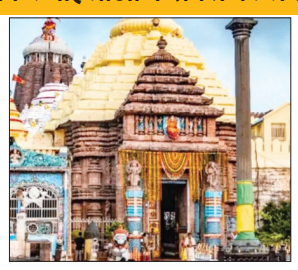

पुरी (एजेंसी)। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिरों की तर्ज पर अब ओडिशा के विश्वप्रसिद्ध 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं के लिए औपचारिक पोशाक नियम (ड्रेस कोड) लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। ओडिशा राज्य विधि आयोग ने राज्य सरकार को सिफारिश भेजी है कि मंदिर की पवित्रता और हिंदू सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए एक विशिष्ट ड्रेस कोड को कानूनी रूप दिया जाए। इस सिफारिश में विशेष रूप से महिलाओं के जींस, पैंट या शर्ट पहनकर मंदिर में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया गया है।

न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता वाली विधि समिति ने सुझाव दिया है कि श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम में संशोधन कर पोशाक संहिता की स्पष्ट परिभाषा जोड़ी जानी चाहिए। आयोग के अनुसार, मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं का पहनावा हिंदू संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। प्रस्तावित नियमों के तहत, पुरुष तीर्थयात्रियों के लिए धोती-कुर्ता, पैंट-कमीज, चूड़ीदार-पजामा या कंधे पर गमछा रखना निर्धारित किया गया है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए साड़ी-ब्लाउज या सलवार-कमीज अनिवार्य करने का सुझाव है। 10 वर्ष से कम आयु की लड़कियां फ्रॉक या गाउन पहन सकेंगी, लेकिन महिलाओं के लिए पश्चिमी परिधानों जैसे जींस और शर्ट पर पूरी तरह रोक की सिफारिश की गई है।

हालांकि, मंदिर प्रशासन ने 1 जनवरी 2024 से ही हाफ पैंट, फटी जींस और बिना आस्तीन के कपड़ों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी, लेकिन कानूनी प्रावधानों की कमी के कारण इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। शोधकर्ताओं का मानना है कि अधिनियम में संशोधन होने से मंदिर की मर्यादा और आध्यात्मिक वातावरण को बल मिलेगा। पूर्व मंदिर प्रशासक प्रदीप दास के अनुसार, शालीन वस्त्र केवल दिखावा नहीं, बल्कि भक्त के भीतर विनम्रता और शांति का भाव जागृत करते हैं, जिससे वे आध्यात्मिक रूप से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। दूसरी ओर, कुछ विद्वानों का मत है कि इस नियम को बदलते सामाजिक परिवेश और विदेशी पर्यटकों की जरूरतों को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी को रोकना नहीं, बल्कि मंदिर की गरिमा बनाए रखना है। वर्तमान में राज्य का विधि विभाग इन सिफारिशों पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो पुरी आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह एक बड़ा बदलाव होगा।

विजय क्या केजरीवाल जैसी सफलता हासिल करेंगे या प्रशांत की तरह होगा हश्र?

तमिलनाडु विधानसभा के एग्जिट पोल के नतीजों ने छेड़ दी राजनैतिक बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं। इन अनुमानों ने तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) को लेकर सबसे दिलचस्प सवाल खड़ा हो गया है कि क्या विजय थलपति दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जैसी बड़ी सफलता हासिल करने वाले हैं या फिर उनका हश्र प्रशांत किशोर के बिहार प्रयोग जैसा होगा। इसका जवाब, कम से कम आज के लिए इस बात पर निर्भर करता है कि कोई किस एग्जिट पोल पर भरोसा कर रहा है। ज्यादातर अनुमान टीवीके को 10-24 सीटें मिलने का लगा रहे हैं, जो कि एक शानदार शुरुआत है।

ज्यादातर एक्जिट पोलों के मुताबिक विजय की पार्टी मुख्य दावेदार होने के बजाय खेल बिगाड़ने की भूमिका में हो सकती है। कुछ पोलों ने टीवीके के लिए 10-12 सीटों का अनुमान लगाया है, जबकि पीपुल्स प्लस इसे 18-24 सीटों के साथ ज्यादा मजबूत स्थिति में बता रहा है। एग्जिट पोल्स के नतीजे बता रहे हैं कि शहरी और युवा वोटरों के बीच विजय की पार्टी की अच्छी पकड़ है। इस स्थिति में विजय की पार्टी मौजूदा सरकार के खिलाफ पड़ने वाले वोटों को बांट सकती है, जिससे परोक्ष रूप से डीएमके को फायदा हो सकता है, लेकिन एक ऐसा अनुमान भी सामने आया जो सबसे अलग है। एक्सिस माय इंडिया ने टीवीके की सीटों में जबरदस्त उछाल का अनुमान लगाया है, जिसके मुताबिक विजय की पार्टी को 98-120 सीटें मिल सकती हैं। अगर 4 मई को ये आंकड़े सच साबित होते हैं, तो विजय रातों-रात तमिलनाडु की राजनीति के केंद्र में आ जाएंगे। ऐसा होने पर विजय, केजरीवाल की लीग में शामिल हो जाएंगे। एक ऐसा नया चेहरा जो न सिर्फ अपनी जगह बनाता है, बल्कि राज्य की राजनीति का केंद्र बन जाता है और विजय के पास अपनी सुपरस्टार थलाइवर वाली छवि भी है। एक ऐसी चीज जो तमिलनाडु में सालों से काम करती आई है, जैसा कि एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता के उभार के समय देखा गया था।

हालांकि 2013 के दिल्ली चुनाव के विपरीत जहां केजरीवाल सिर्फ भ्रष्टाचार-विरोधी लहर के सहारे आगे बढ़े थे तमिलनाडु का चुनावी मुकाबला काफी पेचीदा है, यह द्रविड़ राजनीति, मजबूत पार्टी तंत्र और दशकों पुरानी मतदाताओं की वफादारी में गहराई से जुड़ा हुआ है। टीवीके का अच्छा प्रदर्शन भी सत्ता नहीं दिला सकता, जब तक कि वह अपनी लोकप्रियता को बूथ-स्तर तक न पहुंचा दे। एक ऐसा क्षेत्र जहां डीएमके और अन्नाद्रमुक जैसे स्थापित खिलाड़ियों को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

अगर टीवीके का प्रदर्शन अनुमानों के निचले दायरे में ही रहता है, तो भी वह सत्ता के लिए तत्काल चुनौती पेश किए बिना, वोटों के हिस्से और भविष्य के गठबंधनों को बदलने में कामयाब हो सकता है। तो क्या विजय अगले ऐसे बाहरी नेता हैं जो अपनी लहर को जनादेश में बदल सकते हैं, जैसा कि कभी केजरीवाल ने किया था? या फिर वह भी किशोर की शुरुआती राजनीतिक कोशिशों की तरह कोई खास असर छोड़ने में नाकाम रहेंगे? इस सवाल का जवाब तो 4 मई को ही साफ हो पाएगा।

किसानों को सिंचाई के लिए कोई कमी नहीं आएगी, नहरों में दो भाखड़ा नहरों के बराबर पानी छोड़ा जा चुका है: मुख्यमंत्री

कौमी पत्रिका

संगरूर, 30 अप्रैल: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज टिकाऊ खेती और लंबे समय तक पानी के संरक्षण के लिए व्यापक रूपरेखा का खुलासा करते हुए पंजाब के किसानों को भूजल पर निर्भरता घटाकर नहरी पानी की सिंचाई की ओर मुड़ने का आह्वान किया। अपने पैतृक गांव सतौज के दौरे के दौरान ग्रामीणों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस बात पर जोर दिया कि पंजाब का भविष्य उसके जल संसाधनों से अटूट रूप से जुड़ा हुआ है और इन्हें सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है, जो हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब का अस्तित्व स्वाभाविक रूप से इसके पानी से जुड़ा हुआ है और इसे सुरक्षित रखना केवल नीतिगत प्राथमिकता ही नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले धान सीजन के लिए 1 मई से ही नहरी पानी दिया जाएगा, जो पारंपरिक सिंचाई समय-सारिणी से एक महत्वपूर्ण बदलाव है। उन्होंने आगे कहा, यह पंजाब के इतिहास में पहली बार है कि धान की बुवाई के सीजन से पहले किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए 1 मई से नहरी पानी छोड़ा जा रहा है। इस पहल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई की सुविधा के लिए नहरों और खालों में 21,000 क्यूसेक पानी पहले ही छोड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि पानी की एक-एक बूंद को सुरक्षित रखा जाए और उसका समुचित उपयोग किया जाए। पंजाब के पानी पर अधिकार की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब ने न तो अन्य राज्यों के साथ पानी पर कोई समझौता किया है और न ही पाकिस्तान की ओर पानी जाने दिया है, ताकि पूरा पानी हमारे किसानों के हित में इस्तेमाल हो सके। उन्होंने दशकों से लगातार अत्यधिक भूजल दोहन के कारण चिंताजनक स्तर तक पानी घटने की चुनौती का जिक्र किया और इसमें तुरंत बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने किसानों से ट्यूबवेलों पर निर्भरता कम करने की अपील करते हुए कहा, भूजल एक कीमती और सीमित संसाधन है, जिसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना चाहिए। अब अपनी सोच में सामूहिक बदलाव लाने का समय आ गया है। नहरी पानी केवल विकल्प नहीं, बल्कि पंजाब की कृषि का भविष्य है।

सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मार्च 2026 से अब तक राज्य भर में सिंचाई परियोजनाओं पर 6,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिसके तहत पानी के समुचित वितरण को सुनिश्चित करने और नुकसान को कम करने के लिए लगभग 14,000 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई गई हैं और खालों को बहाल किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि धान के मौजूदा सीजन से पहले 4,000 किलोमीटर और खालों तथा 3,000 किलोमीटर पाइपलाइन को चालू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, 21,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे इन प्रणालियों का परीक्षण करने, रुकावटों की पहचान करने और कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी। इस बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर विकसित किया गया है और यह पंजाब के सिंचाई नेटवर्क को आधुनिक बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस ढांचे की व्यापकता को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, दो भाखड़ा नहरों के बराबर पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और भूजल पर निर्भरता काफी घटेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल के तहत समर्पित योजनाओं के माध्यम से भूजल स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी, जिससे दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने कहा, यह केवल वर्तमान फसल चक्र के बारे में नहीं है, बल्कि यह पंजाब की कृषि के भविष्य को सुरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र बनाए रखने के बारे में है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह मेरा गांव और मेरे अपने लोग हैं। मैं यहां सभी को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं और इससे यह दौरा और भी खास बन जाता है। उन्होंने ग्रामीणों से सीधी अपील करते हुए कहा, ट्यूबवेलों के माध्यम से अधिक भूजल का दोहन न करें। आज बचाई गई हर बूंद हमारे भविष्य की रक्षा करेगी। अन्य उपायों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नहरी नेटवर्क के साथ-साथ हर 20 मीटर की दूरी पर रिचार्ज पॉइंट स्थापित किए गए हैं, ताकि भूजल भंडारों की प्राकृतिक रूप से पुन:पूर्ति हो सके। विधायी संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि जगत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 का पारित होना एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा, इस कानून के तहत बेअदबी के लिए सख्त सजा सुनिश्चित की गई है, जिससे यह स्पष्ट संदेश जाता है कि पवित्र ग्रंथों की बेअदबी करने के किसी भी प्रयास को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, ऐसी घिनौनी हरकतें न केवल धर्म के खिलाफ अपराध हैं बल्कि मानवता के खिलाफ भी अपराध हैं, जिनका उद्देश्य अक्सर शांति और सद्भाव को भंग करना होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की शिक्षाएं समाज को हमेशा नेकी और एकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा, इस कानून के लागू होने से दोषी पाए जाने वालों को उदाहरणात्मक सजा मिलेगी। यह एक मजबूत निवारक उपाय के रूप में काम करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसी घिनौनी घटनाएं दोबारा न हों। एक और बड़े सुधार की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब सरकार ने खेतों में से गुजर रही हाई-टेंशन बिजली की तारों को भूमिगत करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि यह परियोजना इस समय कार्यान्वयन के चरण में है और जल्द ही एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, यह मानव जीवन के जोखिम को समाप्त करेगा, फसलों के नुकसान को रोकेगा और खेतीबाड़ी कार्यों में इन तारों के कारण उत्पन्न होने वाली बाधाओं को दूर करेगा। यह परियोजना किसानों के जीवन में सार्थक बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा कि यह पायलट प्रोजेक्ट उनके पैतृक गांव से शुरू होगा, जिसमें 2,000 एकड़ क्षेत्र में फैले लगभग 413 ट्यूबवेल और 1,100 बिजली के खंभे शामिल होंगे। व्यापक दृष्टिकोण को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य किसानों को और सशक्त बनाना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना और समृद्ध पंजाब का निर्माण करना है।

दिल्ली के पंजाबी बाग में आग से सैकड़ों झुग्गियां चपेट में, लक्ष्मी नगर में 14 लोग बचाए गए

नई दिल्ली। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके के पास एक झुग्गी बस्ती में शुक्रवार देर रात भीषण आग लग गई। इस आग ने देखते ही देखते झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। वहीं, लक्ष्मी नगर पुलिस थाना क्षेत्र के रमेश पार्क में भी तीन इमारतों में आग लगने की घटना सामने आई। पंजाबी बाग के शकूरबस्ती स्थित रेन बसेरा झुग्गियों में रात करीब 11 बजे आग लगी थी। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों को लेकर भागना पड़ा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 16 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस

अब आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी है। साथ ही, आग से हुए नुकसान का भी आकलन किया जा रहा है। रमेश पार्क की घटना में भी दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। शुक्रवार देर रात लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया था। झुग्गी बस्ती में स्थित सैकड़ों घर इसकी चपेट में आ गए थे। आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। 16 दमकल गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया और सुरक्षा सुनिश्चित की। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आग के कारणों की जांच जारी है। नुकसान का आकलन करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में शनिवार तड़के एक इलेक्ट्रिक ट्रांसफार्मर में भीषण आग लग गई। यह आग कई आवासीय इमारतों में फैल गई, जिसके बाद कम से कम चौदह लोगों को सुरक्षित बचाया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, आग की सूचना रमेश पार्क में नानक मोटर के पास रात करीब 12:30 बजे मिली थी। सूचना मिलते ही शुरुआती अग्निशमन इकाइयां तुरंत मौके पर भेजी गईं। हालांकि, आग जल्द ही और तेज हो गई और विकराल रूप ले लिया। आग पर काबू पाने के लिए कुल सात वाटर टेंडर के साथ अन्य अग्निशमन वाहन भी तैनात किए गए। अधिकारी ने बताया कि आग ट्रांसफार्मर से तीन पड़ोसी आवासीय इमारतों तक फैल गई थी। इस भीषण आग से कुल चौदह फ्लैट प्रभावित हुए। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। अग्निशमन कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग में फंसे लोगों को बाहर निकाला। कुल चौदह लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। यह बचाव कार्य शनिवार तड़के चला। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।

साइबर ठग ने खाते में पैसे डालने के नाम पर 25 हजार रुपये ठग

साहिबाबाद। साइबर ठग ने बृजविहार निवासी भूपेश शर्मा से एक ऑनलाइन एप पर सामान खरीदने के बहाने उनके खाते में पैसे ट्रांसफर किए। फिर झांसे में लेकर 25 हजार रुपये ठग लिए। ठगी होने पर व्यक्ति ने लिंक रोड थाना पुलिस से मामले की शिकायत की है। भूपेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कुछ घरेलू सामान बेचना चाहते थे। उन्होंने एक ऑनलाइन एप पर उसका विज्ञापन डाला। इसके बाद उनको एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने उनका सामान खरीदने के लिए कहा। कॉलर ने भूपेश शर्मा के खाते में पहले पांच रुपये भेजे। बाकी पैसे उनके खाते में ट्रांसफर नहीं होने की बात कही। भूपेश ने अपनी बेटी का नंबर भेजा और उसमें पैसे डालने के लिए कहा। कॉलर ने बेटी को डराया और कहा कि उसके खाते में बहुत पैसे हैं, वह सब निकाल लेगा। कॉलर ने झांसे में लिया और बेटी को धमकाना शुरू किया। बेटी के खाते के पैसे बचाने के लिए पीड़ित ने आरोपी को 25 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपी का नंबर बंद हो गया। एसीपी साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

हिमांशु की डायरी में मिला नोएडा हिंसा का ब्लू प्रिंट, कॉलेज के छात्रों का करता था ब्रेनवॉश

नोएडा। श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन को लेकर लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस व एसटीएफ की जांच में पता चला है कि मामले में दिल्ली से गिरफ्तार हिमांशु ठाकुर के घर से डायरी मिली है। इसमें नोएडा हिंसा का ब्लू प्रिंट है। इसके अलावा कई राज्यों में होने वाले आंदोलनों का भी जिक्र है। एसटीएफ अधिकारियों का कहना है, इस डायरी से कई अहम जानकारी मिली है। एसटीएफ ने तमिलनाडु से मास्टरमाइंड आदित्य आनंद को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ के बाद 19 अप्रैल को सहयोगी हिमांशु को गिरफ्तार किया गया था। हिमांशु मूलरूप से उधमसिंह नगर का है और मजदूर बिगुल दस्ता के लिए काम करता है। हिमांशु के शालीमार गार्डेन स्थित घर से डायरी मिली है। इसमें नोएडा हिंसा का ब्लू प्रिंट था। एसटीएफ की जांच में पता चला है कि हिमांशु व इसके साथी दिल्ली विवि से लेकर अन्य कॉलेज व विश्वविद्यालयों में छात्रों का ब्रेनवॉश करते थे। छात्रों के पीछे ये लोग और इनका संगठन लग जाता था और उन्हें आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करता था। इस तरह से इन लोगों ने कई छात्रों को नोएडा व अन्य शहरों में हुए श्रमिक आंदोलनों में जोड़ा। नोएडा में भी कई छात्रों को लेकर ये लोग आए थे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 14.63 करोड़ रुपये के खेल स्टेडियम का शिलान्यास किया: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट राज्य में खेल संस्कृति को मजबूत करेंगे और युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने से नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ लड़ाई को मजबूती मिलेगी और युवाओं की ऊर्जा का रचनात्मक उपयोग सुनिश्चित होगा। ऐसे स्टेडियम युवाओं को नशे से दूर रहने, अनुशासित जीवन अपनाने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगे। अंत में उन्होंने कहा कि यह स्टेडियम केवल एक खेल परिसर नहीं होगा, बल्कि यह युवाओं के सपनों को साकार करने, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और पंजाब को खेलों के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **'देश प्रथम पार्टी'** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है जिसका कार्यालय- दुकान नंबर-19, सेक्टर 12, आर. के. पुरम, नई दिल्ली- 110022 पर स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है। पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं
अध्यक्ष:- राजेश कालिया,
पता- दुकान नंबर- 19, सेक्टर 12,
आर. के. पुरम नई दिल्ली -110022.
महासचिव- हर्ष देवगन, पता- प्लॉट नंबर -70, द्वितीय तल, पॉकेट 21, सेक्टर 24, रोहिणी, नई दिल्ली- 110085.
कोषाध्यक्ष:- सुभाष नागपाल, पता K-1 नवभारत अपार्टमेंट, ए-4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली -110063. यदि किसी को *देश प्रथम पार्टी* (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति और इसके कारण सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड़, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

NAME CHANGE

I AMITA D/O BHAGWAN DAS GUPTA R/O A-8 , 2 ND FLOOR STREET NO 26, NEAR AHINSA DHAM BHAGWAN MAHAVIR MEDICAL CENTER, MADHU VIHAR , I. P. EXTENSION, P.O. LAXMI NAGAR DELHI- 110092 have changed my name to AMITA RANI BANSAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I ARNAV AGRAWAL S/O MANOJ KUMAR R/O 58 -A , STREET NO 2,1ST FLOOR (BABA BALAK NATH MANDIR) KRISHNA NAGAR, SAFDARJUNG ENCLAVE, DELHI- 110029 have changed my name to ARNAV AGARWAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MOHAMMAD MAZAHR S/O MOHAMMAD ATHAR R/O B-509, STREET NO 13/6 SUBHASH VIHAR NORTH GHONDA DELHI-110053 have changed my name to MOHD MAZHAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I GOURI SHANKAR S/O KUNJI LAL R/O PLOT NO -77 -D KH NO -106 /1 SWARN PARK MUNDKA DELHI -110041 have changed my name to GAURI SHANKAR Permanently for all Future purpose

(बेदखल)

मैं, सरफ़राज़ आलम यह ऐलान करता हूँ कि मैंने अपनी बेटी शीबा को उसके गलत बर्ताव की वजह से अपनी सभी चल/अचल/पैट्रिक प्रॉपर्टी/एसेट्स से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके पैसे या लेन-देन और पुलिस केस और गैर-कानूनी/कानूनी क्रिमिनल एक्टिविटी और प्रॉपर्टी के मकसद से किए गए किसी भी काम के लिए मैं ज़िम्मेदार नहीं हूँगा। उसे 2/क्ष दरगाह कुतुब मदार, आईपी एस्टेट, सबसे पास विकास मीनार, आईटीओ, नई दिल्ली-110002 में मौजूद मेरी जगह पर आने से रोक दिया गया है।

NAME CHANGE

I, Om Prakash Sejwal s/o Yasbir Singh R/o F-104, Bank Street, Lado Sarai, South Delhi-110030 have changed my name to Om Parkash for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Prakash Chandra S/O, Bhaskaranand Joshi R/o Plot No-48, Ugf/f, Pratap Nagar, Hari Nagar, Delhi 110064 have changed my name to Prakash Chandra Joshi for all purposes.

NAME CHANGE

I, Anupama W/o Om Parkash R/o F-104, Bank Street, Lado Sarai, South Delhi-110030 have changed my name to Anupama Sejwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Siddiqui Areeb Asgar S/o Asgar Siddiqui R/o 6354, 3rd Floor, Ishwari Prasad, Bara Hindu Rao, Delhi-110006, have changed my name to Areeb Siddiqui for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sidra W/o Asgar Siddiqui R/o 6354, 3rd Floor, Ishwari Prasad, Bara Hindu Rao, Delhi-110006, have changed my name to Sidra Musharraf Siddiqui for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Krishan Kumar Soni S/o Ajay Kumar Soni R/o 3/351, Dakshinpuri Extn, Dr Ambedkar Nagar, Delhi-110062 have changed my name to Krishna Kumar Soni for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Naresh S/o Mohan Lal R/o 16/299-D, Dakshinpuri Extension, Dr Ambedkar Nagar, Delhi-110062 have changed my name to Naresh Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ANIL MATHUR S/o RAM NIVAS MATHUR R/o G-169, MAIN ROAD, 3RD PUSTA JAGJEET NAGAR, GARHI MENDU, DELHI-110053. have changed my name to ANIL.

NAME CHANGE

I Punam Devi W/o Pardeep Yadav, R/o C - 49, Block B, badli village, Libas Pur, North West Delhi, Delhi 110042 have changed my name to Poonam Yadav for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Satish Kumar S/O Sultan Singh R/O h NO-113, Village Chakkarpur Gurgaon 122002 I, Have Changed My Name To Satish Yadav

NAME CHANGE

I hitherto known as MOHD ABAAN S/O MOHD TANJIL R/O E-S77/405, Nehru Camp Patparganj, IP Extension, East Delhi, Delhi-110092 have changed my name and shall hereafter be known as MD NOORE ALAM.

NAME CHANGE

I hitherto known as FABIYANA TINGA W/O KAMIL MING R/O N-68/421, Majnu Ka Tilla Aruna Nagar, Civil Lines, North Delhi, Delhi-110054 have changed my name and shall hereafter be known as FABIYANA TIGGA.

NAME CHANGE

I, PANKAJ JAIN S/O SURESH CHAND JAIN residing at H NO-106, G.F, NEAR DELHI MEDICAL ASSOCIATION HALL, DARYA GANJ, DELHI -110002 have changed my name to PANKAJ KUMAR JAIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SONI wife of No.-14680523X, Rank-NK, Name-SHANTANU KUMAR MISHRA residing at VPO-PINJAROIN, AHPURA, BHOJPURA, BIHAR-802164, have changed my name from SONI to SONY MISHRA for all future purposes vide Affidavit dated 30/04/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

No.-14680523X, Rank-NK, Name-SHANTANU KUMAR MISHRA residing at VPO-PINJAROIN, AHPURA, BHOJPURA, BIHAR-802164, in my service records, my father's (SHAMBHU NATH MISHRA), date of is wrongly mentioned as 01/07/1960, instead of correct date of birth as 01/01/1955, vide affidavit dated 30/04/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, ISHWAR PRASAD father of No-15679415X Rank-HAV Name-INDRADEV PRASAD R/o VILL-MASTALIPUR, MAST ALIPUR, GAYA, BIHAR-823003, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1960 vide affidavit dated 30/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MOHAMMAD HANIF S/O MOHAMMAD UMAR R/O C-82/1, 4TH FLOOR, GALI NO-3, GHAROLI EXTENSION, MULLA COLONY, VASUNDHRA ENCLAVE, DELHI-110096. have changed my name and shall hereafter be known as MOHD HANIF. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Nalini Sharma D/o Shri Anil Sharma aged about 29 years, presently residing at H. No. B-102, Top Floor, Durga Vihar, Deoli, New Delhi-110062 have changed my name after marriage from Nalini Sharma to Nalini Pant for all future Purpose.

NAME CHANGE

I Hardeep Singh S/o Harvinder Pal Singh Lamba, Flat no A37, Delhi Citizen CGHS Plot no 24 Sector-13, Rohini Delhi, 110085 have changed my name to Hardeep Singh Lamba for all future purposes.

NAME CHANGE

I Harvinder Singh Lamba S/o S. Maluk Singh, R/o Flat No A37, Delhi Citizen CGHS Plot no 24, Sector-13 Rohini, Delhi, 110085 have changed my name to Harvinder Pal Singh Lamba for all future purposes.

NAME CHANGE

I Vaishali Sandeep Kadecha W/O: Sandeep Kadecha, R/o B-41, Gujrat Apartment, Pitampura, Pitampura, PO:Saraswati Vihar, DIST North West Delhi., Delhi, 110034 have changed my name to Vaishali Kadecha for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

My clients Mrs. Meenakshi Kohli Arora W/o Sh. Mr. Chirag Arora and Mr. Chirag Arora S/o Late Sh. A.K. Arora R/o C-441, Vikas Puri, New Delhi also at Flat No. 23, Antriksh Apartment, H-3 Block, Vikas Puri, New Delhi have severed his/her relations and debarred brother-in-Law/brother Rishit Arora and his wife Amrita Arora and his/her sister-in-law/sister Deepali Arora from all their movable/immovable property because of their bad behavior and not under control of my clients. If anybody deals with them which is at his own risk & responsibility and my clients are not responsible for their acts.

AMIT GABA ADVOCATE

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स ध्रुव पब्लिक स्कूल, अपने प्रबंधक श्री रामकुमार पुत्र श्री उदयवीर सिंह के माध्यम से, गैर-कृषि भूमि के स्वामी हैं, जिसका क्षेत्रफल कुल 1.9890 हेक्टेयर में से 1/6 हिस्सा अर्थात् 0.3315 हेक्टेयर है, जो खाता संख्या 13, खेत संख्या 514 में स्थित है, ग्राम तलड़ा, परगना दनकौर, तहसील एवं जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है। उक्त भूमि का स्वामित्व पंजीकृत दस्तावेज के माध्यम से स्थापित है, जिसका पंजीकरण संख्या 18465, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 24209, पृष्ठ संख्या 273 से 300, दिनांक 27.06.2017, उप-पंजीयक कार्यालय सदर, ग्रेटर नोएडा में दर्ज है। इसके अतिरिक्त, मैसर्स ध्रुव पब्लिक स्कूल, अपने प्रबंधक श्री रामकुमार पुत्र श्री उदयवीर सिंह के माध्यम से, के माध्यम से, उपरोक्त संपत्ति को nity Small Finance Bank Ltd., जिसका कार्यालय 1201, 12वीं मंज़िल, अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 में स्थित है, के पक्ष में ऋण/क्रेडिट सुविधा की सुरक्षा के रूप में बंधक रखा गया है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति या दावा हो, तो वह इस सूचना की तिथि से 07 (सात) दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में पंजीकृत डाक द्वारा तथा ई-मेल के माध्यम से नीचे दिए गए पते पर हस्ताक्षरकर्ता को प्रेषित कर सकता/सकती है। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में, उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का दावा निरस्त एवं अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Rukmani Gupta, Deepak Bansal, Puran Gupta in respect of Upper ground floor back side RHS Portion without roof rights of Built-up Property bearing no. B-36-A, area measuring 50 sq. yds., i.e. 41.81 sq. mtrs., Out of Total area measuring 200 sq. yds., Out of Khasra no. 47 & 39, Situated in the revenue estate of Village Bindapur, Delhi State Delhi, Colony known as Subhash Park, Uttam Nagar, New Delhi-110059 claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which SMFG India Home Finance Company Limited will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

I Mahi D/O Ajayvir singh Sikandra rao road , Chiyayal. Chirayal mau Hathras. Uttar pradesh. 204215. Undertake that I mahi change my name Rudransh And Gender as male. I mahi HENCEFORTH BE KNOWN AS Rudransh S/O Ajayvir singh. THE ABOVE STETMENT MADE BY ME IS TRUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIFE. IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARD AT ANY STAGE, I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE SOME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATION WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THERE FROM.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Shri Ajay Yadav to inform to the public at large that Smt. Usha Yadav is purchasing the Residential Plot No. 21-B, measuring 25 sq. yards i.e. 20.90 sq. mtrs, Khasra No. 161, situated at Keshav Nagar Colony, village Behta Hajipur, Pargana and Tehsil Loni, District Ghaziabad, U.P from Smt. Umesh who owned the said property vide Sale Deed dated 26.06.2025 (Document No.11949) executed by Shri Sunil and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Loni. That, Original Regd. GPA (Doc No. 1551), ATS and WILL dated 01.11.2010 executed by Jaan Mohammad in favour of Shri Phool Singh in respect of the said property are not available/lost. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री सलेक पुत्र श्री हरिया, निवासी तिलपता करनवास, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201306, एक आवासीय प्लाट संख्या बी-9, क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खसरा संख्या 587, स्थित वृंदा वाटिका, ग्राम तिलपता करनवास, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती कंचन पत्नी अनिल कुमार को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE

I PRIYA ANAND W/0 Punya Gupta R/0 B-22/A 2nd Floor Kailash Colony Greater kailash New Delhi 110048 Changed my name to PRIYA ANAND GUPTA

NAME CHANGE

I VARSHA D/O NARESH KUMAR R/O B-49 GALI NO-4 SOUTH DELHI GANESH NAGAR SHAKAR PUR BARAMAD EAST DELHI 110092 HAVE CHANGED MY NAME TO VARSHA KANOJIA

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती पूजा / श्री आदित्य, श्री सुरेश कुमार मल्होत्रा से संपत्ति संख्या B-58-59 (पुराना प्लॉट संख्या 60), क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर, जो कि खसरा संख्या 30/5 से संबंधित है तथा राजस्व एस्टेट ग्राम पंसाली, आबादी जिसे ब्लॉक-बी, दीप विहार, दिल्ली-110042 के नाम से जाना जाता है, में स्थित निर्मित संपत्ति के तीसरी मंजिल पर स्थित फ्रंट लेफ्ट भाग (छत के अधिकार सहित) को खरीदने का इरादा रखते हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री ओम प्रकाश, श्री जलि सिंह एवं श्री सथिर थे, जिन्होंने दिनांक 23.10.1989 को निष्पादित नोटरीकृत लक्ष्म एग्रीमेंट टू सेल (ञ्रस) एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्री सोम पाल सिंह को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्री सोम पाल सिंह ने दिनांक 13.01.1990 को निष्पादित नोटरीकृत GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री राम अनुज तिवारी एवं श्री रामापति तिवारी को हस्तांतरित की। इसके बाद, उन्होंने दिनांक 21.08.2009 को निष्पादित नोटरीकृत GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री सुरेश कुमार मल्होत्रा को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, डीडीए द्वारा दिनांक 28.03.2026 को पीएम-उदय योजना के अंतर्गत श्री सुरेश कुमार मल्होत्रा के पक्ष में कन्वेयंस डीड निष्पादित की गई। अत: श्री सुरेश कुमार मल्होत्रा उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, प्रभार अथवा दावों से मुक्त है। कृपया यह भी अवगत रहें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राकेश देवी पत्नी** राजबीर चौधरी **निवासी:** गांव-गढ़ी माजरा राज नगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **CC No. 2182/19, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन भजनपुरा, उत्तरी-पूर्व जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश देवी** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश देवी** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 2182/19, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन भजनपुरा, उत्तरी-पूर्व जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **राकेश देवी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.05.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01,
कमरा नं0-73, पांचवा तल, उत्तर-पूर्वी जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/5659/NE/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ग्रुप डी के रिक्त पदों की जानकारी नहीं देने पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के मानव संसाधन विभाग ने राज्य के सभी बोर्ड, निगम, एजेंसियों और वैधानिक निकायों को ग्रुप-डी के रिक्त पदों की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने इस संबंध में एक रिमाइंडर जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा तक सूचना न देने पर यह मान लिया जाएगा कि संबंधित विभाग में कोई रिक्त पद नहीं है।सरकार की ओर से जारी पत्र के अनुसार, इससे पहले 3 अप्रैल 2026 को सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए थे कि वे अपने अधीन आने वाले बोर्ड, निगम और संस्थाओं में ग्रुप-डी के खाली पदों (चौकीदार और स्वीपर को छोड़कर) की संख्या निर्धारित प्रारूप में मानव संसाधन विभाग को भेजें। इसके लिए पहले 10 अप्रैल 2026 की समय सीमा तय की गई थी। समीक्षा के दौरान यह पाया गया है कि केवल कुछ ही बोर्ड, निगम और एजेंसियों ने आवश्यक जानकारी सरकार को भेजी है, जबकि कई विभागों ने अब तक विवरण प्रस्तुत नहीं किया है। नए निर्देशों के तहत सभी संबंधित विभागों को 4 मई 2026 को दोपहर 3:00 बजे तक अनिवार्य रूप से रिक्त पदों की जानकारी ई-मेल के माध्यम से भेजनी होगी।

हाईकोर्ट के आदेश पर एसीबी ने शुरु की अवैध कॉलोनियों की जांच

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों के बाद हरियाणा एंटी क्रप्शन ब्यूरो ने अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्रवाई तेज कर दी है। पिछले 10 वर्षों में प्रदेश में बसी 2600 से अधिक अवैध कॉलोनियों की जांच एसीबी को सौंपी गई है। हाईकोर्ट ने अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बुलडोजर कार्रवाई की अनुमति दी है और नगर निगम अधिकारियों की संभावित मिलीभगत की भी जांच के निर्देश दिए हैं। शुरुआती जांच में सैकड़ों अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में आई है। अवैध कॉलोनियों का मामला लगभग सभी जिलों से जुड़ा होने के कारण एसीबी ने रेंज स्तर पर अलग-अलग जांच टीमें गठित की हैं। इन टीमों की अगुवाई एसपी स्तर के अधिकारी कर रहे हैं, जो नगर योजनाकार विभाग, नगर निगम और परिषदों से जरूरी डेटा एकत्र कर रहे हैं। जांच के तहत पिछले 10 वर्षों में बसी कॉलोनियों की पूरी जानकारी जुटाने के साथ-साथ उस समय तैनात अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। सभी जिलों में एसीबी की टीमें सक्रिय हो चुकी हैं और जिला प्रशासन से जल्द जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है। एसीबी के महानिदेशक ए.एस.चावला के अनुसार हाईकोर्ट के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में जांच तेजी से चल रही है और सभी पहलुओं पर काम किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि जांच रिपोर्ट जल्द ही हाईकोर्ट को सौंप दी जाएगी।

हरियाणा के पूर्व मंत्री ने बलात्कार की धारा जोडऩे की अपील का किया विरोध

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिह ने यूटी चंडीगढ़ के वकील द्वारा दायर उस आवेदन का विरोध किया है जिसमें उनके मामले में धारा 376 (बलात्कार का प्रयास) को शामिल करने के लिए आरोपों में संशोधन की मांग की गई थी, और मामले को ट्रायल के लिए सेशंस कोर्ट में भेजने की मांग की गई थी, क्योंकि यह अपराध विशेष रूप से सेशन कोर्ट द्वारा ही विचारणीय है। हरियाणा की एक महिला जूनियर कोच ने तत्कालीन खेल मंत्री एवं ओलंपियन संदीप सिंह पर यौन उत्पीडऩ का आरोप लगाया था। जिसके बाद पुलिस ने 31 दिसंबर, 2022 को महिला कोच की शिकायत पर पूर्व मंत्री के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 354-ए, 354-बी, 342, 506 और 509 के तहत मामला दर्ज किया था। चंडीगढ़ पुलिस को दिए अपने बयान में, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि मंत्री ने 1 जुलाई, 2022 को अपने सरकारी आवास पर उसके साथ छेड़छाड़ की, जब उसने विरोध किया तो उसे धक्का दिया, और उसके वहां से भाग निकलने से पहले उसकी टी-शर्ट फाड़ दी। यूटी के पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने पिछली सुनवाई के दौरान चंडीगढ़ की एक अदालत में यह अर्जी दाखिल की थी। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, जिसमें सीआरपीसी की धारा 164 के तहत पीड़िता का बयान और अदालत के समक्ष उसकी मुख्य गवाही शामिल है, में आरोपी के खिलाफ स्पष्ट, सुसंगत और गंभीर आरोप शामिल हैं।

बिजली फीडरों की तुरंत बहाली सुनिश्चित करें : विक्रम सिंह

हिसार। हरियाणा सरकार के विशेष ऊर्जा सचिव व उत्तर एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह के निर्देशानुसार निगम द्वारा बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी सुपरिंटेंडिंग इंजीनियरों (एसई) को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावित बिजली फीडरों की तुरंत बहाली सुनिश्चित करें।प्रबंध निदेशक ने जारी निर्देशों में कहा है कि जहां कहीं भी किसी कारणवश फीडर बंद हैं या आपूर्ति बाधित है, वहां संबंधित अधिकारी बिना किसी देरी के मरम्मत कार्य पूरा करवाएं और बिजली आपूर्ति को बहाल करें। साथ ही, सभी एसई को निर्देशित किया गया है कि वे फील्ड स्टाफ की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें और कार्य की लगातार निगरानी रखें, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्पष्ट किया है कि फीडरों की बहाली में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

नायब सिंह सैनी की पहल से नारायणगढ़ में औद्योगिक विकास को मिली रफ्तार, 450 एकड़ भूमि पर बनी सहमति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार ने नारायणगढ़ में इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस पहल से न केवल क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी, बल्कि प्रदेश को औद्योगिक दृष्टि से और अधिक सशक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से यहां नारायणगढ़ क्षेत्र के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और बैठक में हिस्सा लिया।

आईएमटी के लिए किसानों से भूमि की दरों में संबंध में विस्तार से चर्चा की गई और किसानों ने सरकार द्वारा तय की गई दरों पर सहमति जताई। इससे आईएमटी के लिए नारायणगढ़ में लगभग 450 एकड़ भूमि उपलब्ध होगी। आईएमटी स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ होने पर किसानों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उनका मुंह मीठा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने किसानों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम क्षेत्र के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने

कहा कि अंबाला में पहले से ही आईएमटी विकसित करने का कार्य तेज गति से चल रहा है। अब नारायणगढ़ में भी आईएमटी विकसित होने से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। गुरुग्राम की तर्ज पर अंबाला क्षेत्र को भी आधुनिक और विकसित औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आईएमटी से उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्होंने बतौर वित्त मंत्री बजट में घोषणा की थी कि प्रदेश में 10 इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित किए जाएंगे, जिनमें से मानेसर, बावल, रोहतक, फरीदाबाद, सोहना और खरखौदा में पहले ही आईएमटी विकसित किए जा रहे हैं। मिक्सी उद्योग एवं चिकित्सा उपकरण निर्माण के लिए प्रसिद्ध अंबाला अब 2 नए आईएमटी के माध्यम से अपनी औद्योगिक पहचान को और सुदृढ़ करेगा। नारायणगढ़ में आईएमटी की स्थापना के साथ ही मुख्यमंत्री ने अपने 2025-26 के बजट अभिभाषण में की गई घोषणाओं को एक वर्ष के भीतर धरातल पर उतारकर यह सिद्ध कर दिया है कि उनकी नीतियां केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में भी उतनी ही प्रभावी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हुए हरियाणा सरकार भी विकसित हरियाणा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार स्पष्ट विज़न है हर क्षेत्र का संतुलित विकास सुनिश्चित करना।

रात्रि ड्यूटी करने वाली महिलाओं को मांग पर घर छोड़ेगी पुलिस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस एवं जेल विभाग द्वारा बनाए गए शार्ट टर्म एक्शन प्लान रोड मैप का रिव्यू करते हुए पुलिस को साइबर क्राइम की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई तेज के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रात्रि के समय कार्य करने वाली महिलाओं को घर तक छोड़ने के कार्य के लिए योजना बनाई जाए। इसके लिए महिलाएं पोर्टल के माध्यम से पुलिस को अवगत करवाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डायल 112 सुविधा को पुख्ता किया जाएगा और नए वाहन उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डिजिटल अपराध पर अंकुश लगाने के लिए क्राइम सेल में बैंक कर्मी बैठे,जब भी उनके पास अपराध की कॉल आती है तो संबंधित बैंक के खाता को तुरंत बंद कर दिया जाए जिससे अपराध पर अंकुश लगेगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपराधिक गतिविधियों पर काबू पाने के लिए पुलिस को नवीनतम तकनीक से युक्त होना चाहिए। इसके लिए पुलिसकर्मियों को

कैपेसिटी बिल्डिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि हर क्षेत्र में निपुण होकर दक्षता से कार्य को निपटा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि फतेहाबाद में नई जेल का निर्माण करवाया जा रहा है जिसका 40 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इसके बाद पंचकूला में भी जेल परिसर बनाया जाएगा। चरखी दादरी में भी नई जेल का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जेलों में वोकेशनल प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि अपराधी बाहर निकलने के बाद आसानी से अपना व्यवसाय आरम्भ कर सकें।

सरकार आमजन को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध : महिपाल ढांडा

एजेंसी

जींद। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को न्याय व सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कुल 13 एजेंडे रखे गए। जिनमें से पांच मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। जबकि शेष मामलों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी जनता की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। उन्होंने कहा कि जिला कष्ट निवारण समिति आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का एक प्रभावी मंच है। इस व्यवस्था से लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते और उनकी समस्याओं का शीघ्र निपटारा संभव हो पाता है। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने दोहराया कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक नागरिक को न्याय मिले और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो। इसके लिए प्रशासनिक तंत्र को और अधिक जवाबदेह बनाया जा रहा है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने नरवाना स्थित पुराने कोर्ट रोड पर बरसाती पानी की निकासी के लिए जल्द नाला बनाए जाने के मामले पर संज्ञान लेते हुए लोक निमार्ण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसाती सीजन से पहले इस नाले को पूरा करवाया जाए।

अंबाला के नारायणगढ़ में स्थापित होगा आईएमटी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अंबाला जिले के अंतर्गत आते नारायणगढ़ में इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से यहां नारायणगढ़ क्षेत्र के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और बैठक में हिस्सा लिया। आईएमटी के लिए किसानों से भूमि की दरों में संबंध में विस्तार से चर्चा की गई और किसानों ने सरकार द्वारा तय की गई दरों पर सहमति जताई। इससे आईएमटी के लिए नारायणगढ़ में लगभग 450 एकड़ भूमि उपलब्ध होगी। आईएमटी स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ होने पर किसानों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उनका मुंह मीठा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंबाला में पहले से ही आईएमटी विकसित करने का कार्य तेज गति से चल रहा है। अब नारायणगढ़ में भी आईएमटी विकसित होने से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को

बढ़ावा मिलेगा। गुरुग्राम की तर्ज पर अंबाला क्षेत्र को भी आधुनिक और विकसित औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आईएमटी से उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि उन्होंने बतौर वित्त मंत्री बजट में घोषणा की थी कि प्रदेश में 10 इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) स्थापित किए जाएंगे, जिनमें से मानेसर, बावल, रोहतक, फरीदाबाद, सोहना और खरखौदा में पहले ही आईएमटी विकसित किए जा रहे हैं। मिक्सी उद्योग एवं चिकित्सा उपकरण निर्माण के लिए प्रसिद्ध अंबाला अब 2 नए आईएमटी के माध्यम से अपनी औद्योगिक पहचान को और सुदृढ़ करेगा। नारायणगढ़ में आईएमटी की स्थापना के साथ ही मुख्यमंत्री ने अपने 2025-26 के बजट अभिभाषण में की गई घोषणाओं को एक वर्ष के भीतर धरातल पर उतारकर यह सिद्ध कर दिया है कि उनकी नीतियां केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में भी उतनी ही प्रभावी हैं।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल,हरियाणा से आए किसानों में पूर्व चेयरमैन पवन गुर्जर, रणबीर सिंह सरपंच, राकेश, मुकेश कुमार, फकीर चंद, धनीराम, विक्की, गफ्फर नसीम, कृष्ण अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

संकल्प पत्र में किया गया हर वादा पूरा करना हमारा दायित्व : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भाजपा के प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, रेवाड़ी, सांपला और उकलाना में होने वाले नगर निकाय, नगरपरिषद, नगरपालिका चुनाव 2026 के लिए पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। संकल्प पत्र में 21 प्रमुख वादे किए गए हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने एक-एक वादे को 100 प्रतिशत पूरा करने का भरोसा दिया है। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस व अन्य दलों से आए वरिष्ठ नेताओं, पूर्व विधायक और पूर्व मंत्रियों और सरपंचों को उनके 200 से अधिक समर्थकों के साथ पार्टी का पटका पहनाकर भाजपा में शामिल किया। नगर निकाय चुनाव के संकल्प पत्र विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा के लिए संकल्प पत्र सिर्फ घोषणा नहीं, बल्कि जनता के प्रति जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में जनभावना होती है, संकल्प पत्र हमारे लिए भगवान का रूप है और इसमें किए गए एक-एक वादे को पूरा करना हमारी सरकार का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह

संकल्प पत्र उस विश्वास का प्रतीक है जो हरियाणा की जनता ने बार-बार भाजपा पर जताया है। भाजपा का संकल्प पत्र प्रदेश के संतुलित विकास का रोडमैप है। संकल्प पत्र के हर वादे को पूरा करना हमारी सरकार का दायित्व है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनाव में किए गए 217 संकल्पों में से हमारी सरकार ने 63 वादो को पूरा किया है, जबकि बचे हुए संकल्पों पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि पांच वर्षों में हमारी सरकार सभी वादे पूरे करेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नगर निकाय संकल्प पत्र पर बोलते हुए कहा कि शहरों को हरित बनाने, स्वच्छता अभियान को मजबूत करने, सीवरेज प्रणाली के नवीनीकरण, आधुनिक पार्कों के विकास, ट्रैफिक और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, आवारा पशुओं की समस्या के समाधान, स्ट्रीट वेंडर्स के सशक्तिकरण, जल संरक्षण, मल्टी लेवल पार्किंग, सीसीटीवी से सुरक्षा और नागरिक सेवाओं के डिजिटलीकरण जैसे अहम बिंदुओं पर ट्रिपल इंजन की सरकार गति से कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ट्रिपल इंजन' सरकार सभी वादों को धरातल पर उतारेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें हर वादे को पूरा कर रही है। 2014 के बाद जनता का विश्वास भाजपा पर लगातार बढ़ा है, क्योंकि भाजपा की सरकारें अपने वादों को पूरा करती है। महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत महिलाओं को 2100 रुपये आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए बजट में बड़ा प्रावधान किया गया है। पहले बजट में 5 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया था जिसे अब बढ़ाकर 6500 करोड़ किया गया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि अब प्रदेश में 1 लाख 80 हजार इंकम तक के परिवारों की महिलाओं को भी लाडो लक्ष्मी योजना से जोड़ा जाएगा।

हरियाणा में मानसून से पहले आपदा प्रबंधन की तैयारियां

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए राज्यभर में संभावित बाढ़, हीटवेव और सूखे जैसी आपदाओं से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने सभी मंडलायुक्तों और उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में कंट्रोल रूम सक्रिय करें तथा जिला एवं राज्य स्तर पर समन्वित प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत बनाएं। हरियाणा सरकार 14 मई, 2026 को 13 बाढ़ संभावित जिलों में बाढ़ आपदा की स्थिति पर राज्य स्तरीय मॉक अभ्यास आयोजित करेगी। प्रथम चरण 6 मई, 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'ओरिएंटेशन और समन्वय सम्मेलन' होगा, जिसमें राज्य और जिला स्तर के अधिकारी व हितधारक शामिल होंगे। द्वितीय चरण 12 मई को 'टेबल टॉप एक्सरसाइज' होगी, जहां विभिन्न प्रतिक्रिया परिदृश्यों पर चर्चा की जाएगी और रणनीतियों का परीक्षण किया जाएगा। तृतीय चरण सबसे महत्वपूर्ण चरण, यानी 'शारीरिक मॉक ड्रिल' 14 मई को होगी, जिसमें जमीन पर सभी संबंधित एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी होगी। उन्होंने बताया कि पंचकूला स्थित राज्य स्तरीय आपतकालीन परिचालन केंद्र पहले से ही कार्यरत है।

सभी जिलों को मई माह के मध्य तक विशेष बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा रियल-टाइम समन्वय और रिपोर्टिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा, जैसे संचार प्रणाली, इंटरनेट कनेक्टिविटी और पर्याप्त जनशक्ति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि सूखे की स्थिति से निपटने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग को नोडल एजेंसी नामित किया गया है।

यूक्रेन युद्ध की भेंट चढ़ा फतेहाबाद का एक और लाल: अंकित के बाद अब विजय पूनिया का पार्थिव शरीर पहुंचा भारत

एजेंसी

फतेहाबाद। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के गांव कुम्हारिया में मातम पसरा हुआ है। बेहतर भविष्य की तलाश में रूस गए गांव के दूसरे युवक विजय पूनिया (25) की भी यूक्रेन युद्ध में मौत हो गई है। लगभग 25 दिन पहले इसी गांव के अंकित जांगड़ा का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा था और अब विजय की डेडबॉडी दिल्ली पहुंची है, जिसे लेने के लिए परिजन वहां गए हैं। जानकारी के अनुसार, विजय और अंकित दोनों ही एजेंटों की ठगी का शिकार हुए थे। विजय जुलाई 2025 में बिजनेस वीजा पर रूस गया था, जहां उसे अच्छी सैलरी का लालच देकर जबरन रूसी सेना में भर्ती कर लिया गया। इसके बाद उसे यूक्रेन के सबसे खतरनाक युद्ध क्षेत्र डोनेत्स्क में अग्रिम मोर्चे पर धकेल दिया गया। विजय के पिता का पहले ही निधन हो चुका था और वह परिवार का इकलौता सहारा बनने की उम्मीद में विदेश गया था। अंकित और विजय ने सितंबर 2025 में अपने परिवारों को आखिरी वॉइस मैसेज भेजा था, जिसमें उन्होंने कहा था– 'हमें सुबह युद्ध में लेकर जा रहे हैं, बचा सकते हो तो बचा लो।' इसके बाद से ही दोनों का

संपर्क टूट गया था। परिवारों ने उन्हें वापस लाने के लिए सीएम नायब सैनी से लेकर विदेश मंत्रालय और कई सांसदों (कुमारी सैलजा, दीपेंद्र हुड्डा, हनुमान बेनीवाल) तक गुहार लगाई थी, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें जीवित वापस नहीं लाया जा सका।

विजय के परिवार ने भारी कर्ज लेकर उसे विदेश भेजा था ताकि वह घर की आर्थिक स्थिति सुधार सके। परिवार में अब केवल उसकी बूढ़ी मां और एक छोटा भाई बचा है। गांव के दो होनहार युवकों की इस तरह मौत ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना विदेश भेजने वाले उन फर्जी एजेंटों के नेटवर्क पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है जो मासूम युवाओं को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं।

हरियाणा के पूर्व मंत्री व पूर्व सूचना आयुक्त समेत कई भाजपा में शामिल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में स्थानीय निकाय चुनाव से पहले घोषणा पत्र जारी करते समय भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश के कई राजनीतिक दलों को झटका दिया है। पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की मौजूदगी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री राजकुमार वाल्मीकि, तिगांव विधानसभा से तीन बार चुनाव लड़ चुके गिरीराज शर्मा, हिसार से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सूचना आयुक्त जयसिंह बिश्नोई, भिवानी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जगदीश मंडोलीवाल, रोहतक से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय परमार, गुरुग्राम से बसपा के वरिष्ठ नेता रहे श्याम लाल और पंचकूला हरियाणा बैरागी सभा के अध्यक्ष शिव पंवार ने भाजपा की सदयता ली है। जिला कैथल से निर्दलीय चुनाव लड़ चुकी अनिता ढुल बड़सिकरी, नगरपालिका कलायत से पूर्व चेयरमैन राजू कौशिक, पार्षद संजय सिंगला, सरपंच संदीप गांव सौंगल, सरपंच तरसेम गांव सिसला, पूर्व जजपा नेता सुरेंद्र सिहाग, वीरेंद्र राणा, पूर्व सरपंच ब्राह्मणीवाला राजकुमार शर्मा, अनिल शोरेवाला, धर्मबीर गर्ग, पूर्व प्रतिनिधि चेयरमैन नगरपरिषद कैथल जगदीश कौलिया, तिगांव विधानसभा से गिर्राज शर्मा, सोनू जैन, बृजमोहन शर्मा, तरूण गौड, रितेश, ने भाजपा में विश्वास जताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूरे देश में लहर, पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत तय : अनिल विज

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर चल रही है और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। इसके अलावा, उन्होंने पश्चिम बंगाल हो रहे घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये घटनाएं हताशा में रही है। विज पानीपत में मीडिया कर्मियों द्वारा पश्चिम बंगाल में आज हो रहे मतदान के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले भी देश में जहां-जहां चुनाव हुए जैसे कि हरियाणा, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र में चुनाव हुए हैं वहां पर भाजपा जीती है और अब भी बंगाल में भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो भी घटनाएं हो रही है वह हताशा में हो रही है। उन्होंने कहा कि पहली बार कोलकाता के लोग निर्भय होकर मतदान कर रहे हैं और इससे पहले निर्भीक होकर मतदान करते थे और यही कारण है कि अब बहुत ज्यादा मतदान हो रहा है। पुलिस और अधिकारियों के साथ हो रही घटनाओं के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वहां का जो

क्रिमिनल कल्चर है वह बहुत पुराना है और कई सरकारों के समय का है लेकिन हमारे नेताओं ने कई मंचों से कहा है कि 4 मई के बाद पश्चिम बंगाल में रात के 2:00 बजे भी कोई भी महिला सुरक्षित आ - जा सकेगी।

राघव चड्ढा के भाजपा ज्वाइन करने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनके आने का लाभ होगा और राघव चड्ढा अकेले नहीं आए हैं, उनके साथ सात राज्यसभा सांसद भी इकट्ठे होकर आए हैं और आम आदमी पार्टी की गठरी फोड़ कर आए हैं।

उन्होंने आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी जो कुछ भी आज तक बोलती रही या दिखाती रही, और अन्ना हजारे के आंदोलन से मिले समर्थन को चुरा कर यह आम आदमी पार्टी बनी थी और भ्रष्टाचार हटाने के मुद्दे पर बनी थी लेकिन अब उनके सांसद ही कह रहे हैं कि अपने मुद्दे से आप पार्टी वाले हट चुके हैं तथा यह पार्टी अपने मुद्दे से दूर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इन सभी सांसदों की सदस्यता को राज्यसभा के अध्यक्ष ने मान्यता दे दी है।

अंगदान के लिए हरियाणा में बढ़ रही जागरुकता: स्वास्थ्य मंत्री आरती राव

एजेंसी

गुरुग्राम। जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाने के लिए किया जाने वाला अंग दान बहुत बड़ा दान है। अंग दान के लिए हरियाणवीं अपने कदम आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने प्रदेश में अंगदान की मुहिम को गति देने का काम किया है। इससे हरियाणा में अंगदान की एक नई क्रांति जागृत हुई है। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का कहना है कि मौत अटल है, लेकिन हम तय कर सकते हैं कि हमारी मौत भी किसी के जीवन का कारण बने। आरती राव के प्रोत्साहन का असर हुआ है कि पीजीआईएमएस रोहतक में एक महीने में रिकॉर्ड तीन अंगदान हुए हैं। उन्होंने न सिर्फ नीतियां बदलीं, बल्कि खुद इस मुहिम को जन-आंदोलन बनाया। मंत्री आरती राव ने अंगदान को फाइलों से निकालकर इसे जनता के बीच चर्चा का विषय बनाकर इस नेक काम को गति दी। उन्होंने कहा है कि स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन हरियाणा के माध्यम से एनजीओ और अपने-अपने स्तर पर कैंप लगाए जाएंगे। पंचायत स्तर पर चौपालों में आमजन को अंगदान के प्रति जागरुक किया जाएगा। युवा टोलियां गांव-गांव जाकर बताएंगी कि एक ब्रेन डेड व्यक्ति आठ लोगों को नई जिंदगी दे सकता है। बुजुर्ग अपने अनुभव से समझाएंगे कि जो शरीर चिता में जल जाना है, अगर उससे किसी का जीवन बच जाए तो इससे बड़ा धर्म कोई नहीं। समाजसेवी अनिल रायपुर कहते हैं कि मंत्री आरती राव ने जो बीड़ा उठाया है, हम उस नेक काम के हवन में आहुति देंगे। हरियाणा का बच्चा-बच्चा अब अंगदान का महत्व जानेगा। हम उनकी मुहिम को रुकने नहीं देंगे। ब्लॉक समिति चेयरमैन छत्रपाल ने कहा कि हम स्वास्थ्य मंत्री बहन आरती राव का हृदय से धन्यवाद व्यक्त करते हैं। उन्होंने वह काम कर दिखाया जो सालों से अधूरा था। पूर्व सरपंच सूबे सिंह एवं बुजुर्ग आशाराम चौकन के अनुसार पीजीआई के ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर सिर्फ लाइव ट्रांसप्लांट करवाने में व्यस्त थ। जागरुकता नहीं थी। लोग डरते थे। स्वास्थ्य मंत्री ने इसकी बीड़ा उठाया। सरपंच सूबे सिंह ने कहा कि प्रदेश के युवाओं ने संकल्प लिया है कि वे माननीय स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का हर कदम पर पूरा सहयोग करेंगे।

बेन कैपिटल ने एमक्योर फार्मा में 289 करोड़ में बेची एक फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

वैश्विक निवेश कंपनी बेन कैपिटल ने एमक्योर फार्मास्युटिकल्स में लगभग एक प्रतिशत हिस्सेदारी 289 करोड़ रुपये से अधिक में बेच दी है। यह जानकारी एनएसई के ब्लॉक डील आंकड़ों से मिली। अमेरिका स्थित बेन कैपिटल ने अपनी संबद्ध इकाई बीसी इन्वेस्टमेंट्स आईवी लिमिटेड के माध्यम से पुणे स्थित एमक्योर के 18 लाख शेयर बेचे। ये शेयर औसतन 1,608.20 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए जिससे कुल सौदे का मूल्य 289.47 करोड़ रुपये रहा। इस लेनदेन के बाद स बीच, नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल ने समान संख्या में शेयर उसी कीमत पर खरीदे। यह दुनिया का सबसे बड़ा संप्रभु संपत्ति कोष (सॉवरेन वेल्थ फंड) है।

भारत का आईफोन निर्यात 2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

पीएलआई योजना के अंतिम वर्ष में ऐतिहासिक उपलब्धि, डीजल वाहनों और हीरों को भी पछाड़ा

नई दिल्ली ।

भारत में स्मार्टफोन विनिर्माण क्षेत्र ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारत से आईफोन का निर्यात रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए केंद्र सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतिम वर्ष में सामने आया है, जो मेक इन इंडिया पहल की शानदार सफलता को दर्शाता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल-फरवरी) के 11 महीनों के निर्यात आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल स्मार्टफोन निर्यात लगभग 2.6 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें अकेले आईफोन का योगदान 75 फीसदी से अधिक (लगभग 2 लाख करोड़ रुपये) रहा। यह उपलब्धि देश के पारंपरिक प्रमुख निर्यात श्रेणियों को भी पीछे छोड़ गई है। इसी अवधि में, डीजल वाहन 14.53 अरब डॉलर (लगभग 1.21 लाख करोड़ रुपये) के निर्यात के साथ दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी रही, जबकि हीरा 11.23 अरब डॉलर (लगभग 93 हज़ार करोड़ रुपये) और दवाएं 9.98 अरब डॉलर (लगभग 83 हज़ार करोड़ रुपये) के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। यह आंकड़ा ऐपल को भारत की विनिर्माण महत्त्वाकांक्षा का एक प्रमुख उदाहरण और सरकारी पहल की उत्कृष्ट सफलता की कहानी बनाता है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की शुरुआत के बाद से भारत से ऐपल के आईफोन का निर्यात लगभग शून्य से बढ़कर मात्र पांच वर्षों के भीतर 2 लाख करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में 9,351.6 करोड़ रुपये से बढ़कर यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2022-23 में 44,269.5 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 में 85,013.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पीएलआई योजना की गति बढ़ने के साथ ही, ऐपल के विनिर्माण भागीदार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन जैसी कंपनियों ने आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से श्रमिकों को प्रशिक्षित करते हुए उत्पादन और निर्यात में तेजी लाई। ऐपल की आपूर्ति श्रृंखला में 40 से अधिक घरेलू कंपनियों के साथ-साथ जापान की टीडीके कॉर्पोरेशन और कई ताइवानी संयुक्त उद्यम भी शामिल हैं, जिसमें चीनी कंपनियों को लगातार बाहर रखा गया है। यह भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.03 पर पहुंचा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 95.20 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसारन ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 122 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत का आयात खर्च बढ़ने की आशंका है। वहीं पश्चिम एशिया में संभावित व्यापक संघर्ष की चिंताओं ने निवेशकों की बेचैनी बढ़ा दी है जिससे डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर पर और दबाव पड़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.01 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में फिसलकर 95.20 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को 20 पैसे कमजोर होकर 94.88 प्रति डॉलर

के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 98.96 पर रहा।

प्राकृतिक आपदा में कर्जदारों को राहत, आरबीआई के नए नियम लागू

नई दिल्ली।

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित कर्जदारों को राहत देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नए नियम जारी किए हैं। इन नियमों के तहत बाढ़, भूकंप या अन्य आपदाओं से नुकसान झेलने वाले ग्राहकों को बैंक मोरटोरियम की सुविधा देंगे, जिससे उन्हें कुछ समय तक किस्त चुकाने से राहत मिलेगी। इसके अलावा जरूरतमंदों को अतिरिक्त कर्ज भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपने व्यवसाय या आजीविका को फिर से शुरू कर सकें। आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रभावित क्षेत्रों में लचीला रवैया अपनाएं और ग्राहकों को शीघ्र सहायता प्रदान करें।

1 मई को शेयर बाजार बंद रहेंगे बीएसई-एनएसई में नहीं होगा कारोबार

महाराष्ट्र दिवस पर नहीं होगी शेयरों की खरीद-बिक्री

मुंबई ।

1 मई शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर देश के प्रमुख शेयर बाजार एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) और बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) बंद रहेंगे। निवेशकों को अब 30 अप्रैल के बाद सीधे 4 मई को ही ट्रेडिंग का मौका मिलेगा। दोनों प्रमुख एक्सचेंजों का मुख्यालय मुंबई में होने के कारण हर साल 1 मई को महाराष्ट्र राज्य के गठन की याद में मनाए जाने वाले महाराष्ट्र दिवस पर बाजार में अवकाश रहता है। यह परंपरा 1960 में राज्य के गठन के बाद से चली आ रही है। मौजूदा वर्ष में कुल 16 ट्रेडिंग हॉलिडे निर्धारित हैं, जिनमें से 7 पहले ही बीत चुके हैं। 1 मई की छुट्टी के बाद, बाजार में 8 और दिनों का अवकाश रहेगा। इनमें शामिल हैं- 28 मई बकरीद, 26 जून मुहर्रम, 14 सितंबर गणेश चतुर्थी, 2 अक्टूबर गांधी जयंती, 20 अक्टूबर दशहरा, 10 नवंबर दिवाली, 24 नवंबर गुरु नानक जयंती और 25 दिसंबर क्रिसमस। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज 1 मई को सुबह के सत्र के लिए बंद रहेगा, लेकिन शाम 5 बजे से रात तक इसमें कारोबार जारी रहेगा।

इक्रा की चेतावनी- तेल, उर्वरक, गैस क्षेत्रों पर 80,000 करोड़ के घाटे का संकट

भू-राजनीतिक तनाव और लागत वृद्धि से वित्त वर्ष 27 में लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने आगाह किया कि भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण वित्त वर्ष 2026-27 तक भारत के प्रमुख डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों को गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। एजेंसी के अनुसार यदि वर्तमान घाटे का स्तर बना रहा, तो सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को अकेले एलपीजी बिक्री पर लगभग 80,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हो सकता है। इक्रा ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान ने अंतरराष्ट्रीय एलपीजी, कच्चे तेल और अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों में तेज वृद्धि की है। इन दबावों के चलते, ओएमसी को

120-125 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल पर पेट्रोल पर 14 रुपये और डीजल पर 18 रुपये प्रति लीटर का भी नुकसान होने का अनुमान है, जिससे उनकी लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित होगी। उर्वरक क्षेत्र को भी सल्फर और अमोनिया की बढ़ती कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे वित्त वर्ष 2027 में सब्सिडी की आवश्यकता 2.05 ट्रिलियन रुपये से 2.25 ट्रिलियन रुपये तक जा सकती है, जो मौजूदा बजटीय आवंटन से कहीं अधिक है।

इक्रा का मानना है कि सरकार को इस क्षेत्र की स्थिरता बनाए रखने के लिए सब्सिडी बढ़ानी होगी। सिटी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र में भी मुद्रा में गिरावट और गैस की ऊंची कीमतों से सीएनजी सेगमेंट के मार्जिन पर दबाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि लागत पूरी तरह उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाई जा सकेगी।

इन सभी कारकों से डाउनस्ट्रीम उद्योगों की लाभप्रदता प्रभावित होगी।

एआई को बढ़ावा देने हजारों कर्मियों की छंटनी करेगी कॉग्निजेंट

नई दिल्ली ।

आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कॉग्निजेंट ने एक बड़े पुनर्गठन कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें हजारों कर्मचारियों की छंटनी की आशंका है। कंपनी इस पर 20 से 32 करोड़ डॉलर खर्च करेगी। यह कदम अनिश्चित आर्थिक माहौल के बीच उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने तथा कौशल की बदलती मांगों को पूरा करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नैस्डैक पर सूचीबद्ध कॉग्निजेंट ने अपने प्रोजेक्ट लीप कार्यक्रम के तहत यह ऐलान किया है। इसके तहत अप्रैल से दिसंबर के बीच कंपनी कर्मचारियों को बर्खास्त करने पर 20 से 27 करोड़ डॉलर का मुआवजा और 3 से 5 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कार्मिक व्यय वहन करेगी। यह परियोजना बुधवार को पहली तिमाही के नतीजों के साथ घोषित की गई। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमताओं में अधिक निवेश करना, कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाना और उन्हें बाजार की मांगों के अनुरूप ढालना है। इससे कंपनी के परिचालन मॉडल में सुधार होगा और उत्पादकता बढ़ेगी। कंपनी को

उम्मीद है कि इस साल उसे 20 से 30 करोड़ डॉलर की बचत होगी, जिससे मार्जिन में 20 से 40 आधार अंकों की वृद्धि होगी।

वारी एनर्जीज का चौथी तिमाही में मुनाफा 75 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। चौथी तिमाही में इसका एकीकृत शुद्ध लाभ करीब 75 प्रतिशत बढ़कर 1,126 करोड़ रुपये पर पहुँच गया, जबकि पूरे वित्तीय वर्ष में शुद्ध लाभ 3,884.15 करोड़ रुपये रहा। तिमाही के दौरान कुल आय दोगुनी से अधिक होकर 8,659.98 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। बोर्ड ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रति शेयर पर 2 रुपये (20 प्रतिशत) का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। इसके अतिरिक्त कंपनी 10,000 करोड़ रुपये तक की राशि पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) या अन्य माध्यमों से जुटाने की योजना बना रही है।

1 मई से सिगरेट 17 फीसदी तक हुई महंगी!

मुंबई ।

धूम्रपान करने वालों को सिगरेट की तलब अब उनके जेब पर और भारी पड़ने वाली है। प्रमुख तंबाकू कंपनियां आईटीसी और गाडफे ` फि लिप्स 1 मई से सिगरेट के दाम में 17 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। यह इस साल फरवरी में सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क बढ़ाने के बाद दूसरी बड़ी कीमत वृद्धि होगी। दरअसल, 1 फरवरी को सरकार ने सिगरेट पर उत्पाद शुल्क में 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि की थी। शुरुआत में कंपनियों ने इस बढ़े हुए टैक्स का कुछ हिस्सा खुद वहन किया। लेकिन बिक्री में गिरावट और मुनाफे पर दबाव के चलते अब उन्होंने यह बोझ पूरी तरह ग्राहकों पर डालने का फैसला किया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर मशहूर ब्रांड्स पर दिखेगा। गोल्ड फ्लैक प्री मियम का एक पैक जो अभी लगभग 115 में मिलता है, वह बढ़कर करीब 135 रुपए तक पहुंच जाएगा।

इसी तरह, किंग साइज सिगरेट की प्रति स्टिक कीमत 20 से बढ़कर 25 से 28 रुपए के बीच हो सकती है। कीमतों में वृद्धि का असर बाजार में पहले ही दिख रहा है; अप्रैल में सिगरेट की बिक्री में करीब 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, खासकर महंगे किंग साइज सेगमेंट में, क्योंकि लोग अब सस्ते विकल्प तलाश रहे हैं।

जनवरी-मार्च तिमाही में सोने की मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन हुई डब्ल्यूजीसी

ऊंची कीमतों के बीच निवेश मांग में 54 फीसदी की वृद्धि, आभूषण खरीदारी 19 फीसदी घटी

नई दिल्ली ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में सोने की कुल मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन हो गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से निवेश मांग में मजबूत उछाल के कारण हुई है, जिसने आभूषणों की घटती खरीद की काफी हद तक भरपाई कर दी है।

रिपोर्ट दर्शाती है कि भारतीय स्वर्ण बाजार में अब आभूषणों के बजाय निवेश की ओर झुकाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक तिमाही के दौरान सोने की छड़ों, सिक्कों और गोल्ड ईटीएफ के जरिए निवेश मांग में 54 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो बढ़कर 82 टन हो गई। इसकी मुख्य वजह सोने की रिकॉर्ड ऊंची कीमतें रहीं, जिसने उपभोक्ताओं को निवेश के रूप में सोने की ओर आकर्षित किया।

हालांकि, ऊंची कीमतों का असर आभूषण मांग पर नकारात्मक रहा, जिसमें सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 66 टन रह गई।

कीमत के प्रति संवेदनशील उपभोक्ता वर्ग पर विशेष रूप से इस गिरावट का प्रभाव देखा गया। डब्ल्यूजीसी ने पूरे वर्ष के लिए सोने की मांग 650-750 टन के बीच रहने का अनुमान जताया है, जबकि पिछले साल यह 712 टन थी।

मूल्य के लिहाज से इस तिमाही में सोने की मांग लगभग दोगुनी होकर 99,900 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 99 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

डब्ल्यूजीसी के एक मुख्य अे धिकारी ने कहा` कि भारत का सोना बाजार मात्रा के रुझान और मूल्य वृद्धि के बीच अंतर को दर्शाता है, जो रिकॉर्ड ऊंची कीमतों और बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं से प्रभावित है। घरेलू सोने की कीमत इस तिमाही में सालाना आधार पर 81 प्रतिशत बढ़कर औसतन 1,51,108 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 83,375 रुपये थी।

सोने की छड़ों और सिक्कों की मांग 34 प्रतिशत बढ़कर 62 टन हो गई, जो 2013 के बाद पहली तिमाही का सबसे ऊंचा स्तर है। यह पारंपरिक रूप से आभूषण-प्रधान बाजार से एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है।

एचयूएल का मुनाफा 20.96 प्रतिशत बढ़कर 2,994 करोड़ पहुंचा

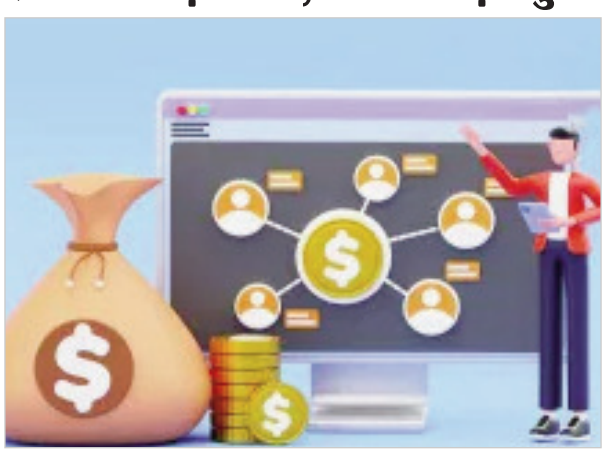

नई दिल्ली ।

दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 20.96 प्रतिशत बढ़कर 2,994 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का मुनाफा एक साल पहले की समान अवधि में 2,475 करोड़ रुपये रहा था। एचयूएल ने आय का विवरण देते हुए बयान में कहा` कि समीक्षाधीन तिमाही में उत्पादों की बिक्री से राजस्व 2025-26 में 8.13 प्रतिशत बढ़कर 16,172 करोड़ रुपये रहा।

कुल खर्च 7.2 प्रतिशत बढ़कर 16,615 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, अन्य आय सहित कुल आय 5.01 प्रतिशत बढ़कर 16,580 करोड़ रुपये रही। यह 12 तिमाहियों में उसकी सबसे तेज वृद्धि है।समूचे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मुनाफा 15,059 करोड़ रुपये रहा जिसमें 'न्यूट्रिशनलैब' के विनिवेश से सहायता मिली।

इस दौरान कुल आय 4.6 प्रतिशत बढ़कर 65,219 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2025-26 में अनुकूल व्यापक आर्थिक नीतियों के कारण मांग का माहौल बेहतर रहा।

कंपनी ने वृद्धि को तेज करने के लिए खंड को मजबूत करने, निवेश बढ़ाने, मांग सृजन क्षमताओं को सुदृढ़ करने और संगठन को सरल बनाने जैसे कदम उठाए। उन्होंने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण जिंसों और मुद्रा में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

रोब्लॉक्स ने भारत विस्तार के लिए सुनील राव को एमडी नियुक्त किया

साझेदारियों और क्रिएटर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे

नई दिल्ली।

अग्रणी गेमिंग प्लेटफॉर्म रोब्लॉक्स ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से सुनील राव को अपनी भारतीय इकाई का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है।

कंपनी ने गुरुवार को इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की घोषणा की, जिसके तहत राव मई से कार्यभार संभालेंगे। राव देश में रोब्लॉक्स के वरिष्ठ प्रतिनिधि और बाजार प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में भारत में कंपनी की रणनीति का दैनिक क्रियान्वयन, स्थानीय उपस्थिति को मजबूत करना, साझेदारियों को बढ़ावा देना और 'क्रिएटर इकोसिस्टम' को समर्थन देना शामिल होगा।

रोब्लॉक्स के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष झेन फांग ने भारत को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण बाजार बताया और राव की विभिन्न बाजारों में काम करने की विशेषज्ञता को कंपनी की अगली विकास यात्रा के लिए उपयुक्त करार दिया।

इस नियुक्ति से पहले राव अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) में नेतृत्व दल का हिस्सा थे, जहां उन्होंने एशिया-प्रशांत और जापान क्षेत्र में रणनीति और कॉरपोरेट बिजनेस डेवलपमेंट कार्यों का नेतृत्व किया। अपनी नई भूमिका पर राव ने देशभर के डेवलपर और क्रिएटर को सशक्त बनाने वाले एक जीवंत और समावेशी परिवेश बनाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उन्होंने बच्चों की सुरक्षा और

भारत के नियामकीय ढांचे के अनुरूप काम करने को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल बताया, ताकि एक भरोसेमंद मंच के माध्यम से जिम्मेदारी से आगे बढ़ा जा सके।

गौतम बुद्ध के उपदेश और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है।

हर वर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के नौवें अवतार महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल की रात 09 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक प्रभावी रहेगी। उदया तिथि के अनुसार यह पर्व 1 मई को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण-तीनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर देश-विदेश में श्रद्धालु ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा के संदेश का पालन करते हैं। विशेषकर बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर जैसे पवित्र स्थलों पर बड़े आयोजन होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें करुणा, शांति और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देता है, जिससे मानव जीवन में नैतिकता और सद्भाव का विकास होता है।पाठकों को बताता चलूं कि वैशाख पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा', 'पीपल पूर्णिमा' और 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि यह दिन भगवान विष्णु को भी समर्पित माना जाता है, क्योंकि पुराणों के अनुसार महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। स्कन्द पुराण में वैशाख मास को समस्त मासों में श्रेष्ठ बताया गया है, इसलिए यह मास विष्णु भगवान को अत्यंत प्रिय है। इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है। पद्म पुराण और मत्स्य पुराण में वैशाख मास में स्नान और दान को श्रेष्ठ बताया गया है-वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः। इस मास में पवित्र तीर्थों पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है। शक्कर, तिल, पंखे, जूते-चप्पल, घड़ा, दूध-खीर, अन्न-वस्त्र आदि का दान अत्यंत पुण्यकारी

माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव को अर्घ्य देना शुभ फलदायी होता है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। उन्हें बताशा, खीर, मिठाई, नारियल और कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस दिन भगवान राम और हनुमान जी की पूजा भी की जाती है तथा हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। पितरों के निमित्त पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और परिवार में शांति एवं समृद्धि आती है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भगवान गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश' कहा जाता है। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के कपिलवस्तु स्थित लुम्बिनी वन में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यवंश के राजा थे और माता महामाया थीं। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और उनका पालन-पोषण राजकुमार के रूप में हुआ। बाद में उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर सत्य की खोज की।

आज के संदर्भ में देखा जाए तो उनका जन्म नेपाल में हुआ, लेकिन उनकी कर्मभूमि भारत रही। यहीं उन्हें बोधि प्राप्त हुई और यहीं से उन्होंने संपूर्ण विश्व को ज्ञान का संदेश दिया। आज जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, तिब्बत, भूटान, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, थाईलैंड, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका जैसे अनेक देश बौद्ध संस्कृति से प्रभावित हैं। पाठक जानते हैं कि महात्मा बुद्ध ने जीवन में अहिंसा, करुणा, शांति, मैत्री और बंधुत्व का संदेश दिया। उनके अनुसार मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। शुद्ध विचारों से किया गया कर्म सुख देता है और अशुद्ध विचार दुख का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि तीन चीजें कभी छुपाई नहीं जा सकतीं-सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उनका यह भी संदेश था कि एक दीपक हजारों दीपक जला सकता है, फिर भी उसकी रोशनी कम नहीं होती, इसी प्रकार सद्गुण बांटने से कम नहीं होते। बुद्ध के अनुसार व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए, क्योंकि भूतकाल और भविष्य में खोकर दुख ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बुराई से बुराई को नहीं जीता जा सकता, प्रेम से ही संसार जीता जा सकता है। जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तविक विजेता है। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और क्रोध से स्वयं को ही नुकसान होता है। उनका यह भी कहना था कि केवल ज्ञान पढ़ना या सुनना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसे जीवन में न अपनाया जाए उसका कोई लाभ नहीं। बुद्ध ने यह स्पष्ट किया कि उनके उपदेशों को बिना जांचे स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी बुद्धि और अनुभव से सत्य को परखे। उनका धर्म तर्कसंगत, वैज्ञानिक सोच पर आधारित और अंधविश्वास विरोधी था। वे मानते थे कि संसार में अंतिम और अपरिवर्तनीय कुछ भी नहीं है, केवल परिवर्तन ही सत्य है।

बहरहाल, आज विश्व में कई क्षेत्रों में युद्ध और तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, भारत-चीन सीमा विवाद, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया तनाव और ईरान-इजराइल तनाव वैश्विक शांति के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं, क्योंकि उन्होंने युद्ध का पूर्ण विरोध किया और कहा कि हर युद्ध में केवल विनाश और पीड़ा होती है।

उन्होंने 'आष्टांगिक मार्ग' बताया-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक्, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। यही मार्ग मनुष्य को राग, द्वेष, मोह, लोभ, घृणा और भय से मुक्त करता है। इन्हीं विकारों से हिंसा, शोषण, अन्याय, आतंकवाद और युद्ध उत्पन्न होते हैं। आज की दुनिया में तनाव, अवसाद, आर्थिक असमानता और नैतिक गिरावट बढ़ रही है, ऐसे में बुद्ध का मार्ग समाधान प्रस्तुत करता है। इतना ही नहीं, उन्होंने पंचशील सिद्धांत भी दिए।मसलन -चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना, नशा न करना आदि। साथ ही उन्होंने सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और नैतिक जीवन पर बल दिया।बुद्ध ने यह भी कहा कि घृणा को घृणा से नहीं जीता जा सकता, उसे केवल प्रेम से जीता जा सकता है। वास्तव में, क्रोध में हजारों शब्दों को गलत बोलने से अच्छा मौन वह एक शब्द है जो शांति लाता है। उनका यह संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पहले था।

अंततः बुद्ध पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि शांति, करुणा, अहिंसा और मानवता का संदेश देने वाला पावन दिन है। यह हमें गौतम बुद्ध के जीवन से प्रेरणा लेकर संयम, सत्य, सद्भाव और विश्व शांति के मार्ग पर चलने की सीख देता है। आज के तनावपूर्ण वैश्विक समय में यह पर्व मानवता को एकता, प्रेम और सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

संपादकीय

राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खचीर्ली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिदेर्शों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिदेर्शों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा-निदेर्शों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो-करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे-अधूरे ढंग से किया जाता रहा है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

संतोष कुमार पाठक

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है।

जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे।

बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरूआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा।

कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरूआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी।

यह तय मान कर चलिए कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में मई के महीने में ही बदलाव होना तय है। हालांकि कांग्रेस में बदलाव की यह रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है।

मेहनत की नींव पर टिकी दुनिया: मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

कांतिलाल मांडोत

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें–हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी निश्चित समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।

भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं।

आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं।

ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है।

सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी।

वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है।

महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।

अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका के चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के जाफना के पास स्थित चेम्मनी क्षेत्र में एक सामूहिक कब्र की खुदाई का काम फिर से शुरू करने का आदेश दिया गया है। यह वही स्थान है जो 1990 के दशक में लिट्टे संघर्ष के दौरान बड़े पैमाने पर दफनाने की घटनाओं के कारण सुर्खियों में आया था।स्थानीय अदालत ने सात महीने के अंतराल के बाद इस खुदाई कार्य को दोबारा शुरू करने की अनुमति दी है। यह कार्य पिछले साल सितंबर में रोक दिया गया था, जब न्याय मंत्रालय की ओर से फंड की नई व्यवस्था लंबित थी। जाफना मजिस्ट्रेट कोर्ट को मंगलवार को बताया गया कि खुदाई कार्य के लिए लगभग 2.1 मिलियन श्रीलंकाई रुपये की राशि जारी कर दी गई है, जिसके बाद काम दोबारा शुरू किया जाएगा। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने यूरोपीय संघ सहित फ्रांस, जर्मनी, इटली और रोमानिया के राजनयिकों को खुदाई स्थल पर निरीक्षण के लिए मौजूद रहने की अनुमति दी है। खुदाई के दूसरे चरण को पहले 45 दिनों बाद रोका गया था, जिसमें अब तक 240 मानव कंकाल बरामद किए जा चुके हैं। इसके अलावा 14 हड्डियों के ढेर और कई वस्तुएं भी मिली हैं, जिनमें शिशु बोतलें, गुड़िया, खिलौने, बच्चों के बैग और जूते शामिल हैं। 13 फरवरी 2025 को चेम्मनी में विकास कार्य के दौरान फिर से मानव अवशेष मिलने के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया था। इसके बाद अदालत ने इनके न्यायिक परीक्षण का आदेश दिया था। 14 अगस्त को जाफना के न्यायिक चिकित्सा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर खुदाई कार्य को और आठ सप्ताह तक जारी रखने की सिफारिश की गई थी। चेम्मनी क्षेत्र पहली बार 1998 में चर्चा में आया था, जब रुश्लश्च और सरकारी सेना के बीच संघर्ष के दौरान यहां सामूहिक कब्र का दावा किया गया था। उस समय लगभग 15 कंकाल बरामद हुए थे, जिससे यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गया था।

एफबीआई के पूर्व प्रमुख के खिलाफ चलेगा मुकदमा, राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा चलेगा। कोमी पर आरोप है कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी दी। अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांच ने मंगलवार को बताया कि संघीय ग्रांड ज्यूरी ने जेम्स कोमी पर दो मामलों में मुकदमा चलाने का फैसला किया है, जो अमेरिका के राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी देने से जुड़े हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग इस मामले में कोई नरमी नहीं बरतेगा। आरोप है कि जेम्स कोमी ने 15 मई, 2025 को कथित तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने और उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। इस मामले में उत्तरी कैरोलिना के पूर्वी जिले में मुकदमा दायर हुआ है। दूसरे मामले में कोमी ने टेलीफोन संचार या डिजिटल माध्यम से राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी वाला संदेश भेजा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग कभी भी राष्ट्रपति को धमकी देने की बात को बर्दाश्त नहीं करेगा। इन दोनों मुकदमों में अगर जेम्स कोमी को दोषी पाया जाता है तो उन्हें 10-10 साल की सजा हो सकती है। जेम्स कोमी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा या वे खुद आत्मसमर्पण करेंगे। वहीं जेम्स कोमी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है।

पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को चार साल की कैद, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराई गई दोषी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम किओन ही को भ्रष्टाचार के एक और मामले में चार साल की सजा सुनाई है। दो महीने पहले उनके पति को देश में जबरन मार्शल लॉ लगाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जनवरी में एक जिला अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम को 20 महीने की सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने राजनीतिक लाभ देने के वादे के बदले यूनिफिकेशन चर्च से उपहार लिए थे। इन उपहारों में एक ग्राफ कंपनी का हीरे का हार और एक चैनल बैग शामिल था। हालांकि, उसी समय उन्हें एक शेयर कीमत में हेरफेर के मामले में बरी कर दिया गया था, जो मामला उनके प्रथम महिला बनने से पहले का था। बाद में दोनों पक्षों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। मंगलवार को सियोल हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर चार साल कर दी। अदालत ने उन्हें यूनिफिकेशन चर्च से एक और चैनल बैग (कीमती हैंडबैग) लेने और शेयरों की कीमत में हेरफेर के मामले में भी दोषी पाया। दंपती की स्थिति उस समय बदली, जब दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाया, जिसके कारण उनके खिलाफ महाभियोग शुरू हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन पर कई आपराधिक मामले चले। जांचकर्ताओं का कहना है कि किम का मार्शल लॉ लागू करने से कोई संबंध नहीं था।

ईरान का नया शांति प्रस्ताव, ट्रंप पर 1 मई के बाद युद्ध जारी रखने को लेकर बढ़ा सियासी संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा स्थिति को वह सामान्य नहीं मानता और उसके लिए हालात अब भी युद्ध जैसे ही बने हुए हैं। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि देश की सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी और सर्विलांस में जुटी हैं, ताकि हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके और किसी भी संभावित खतरे का तुरंत जवाब दिया जा सके। ईरान ने अपने विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कोई नई कार्रवाई की जाती है, तो उसका जवाब नए हथियारों, नई रणनीतियों और अलग-अलग मोर्चों पर दिया जाएगा। अमेरिका में 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन 1973' नाम का एक कानून लागू है, जिसके अनुसार अगर राष्ट्रपति बिना कांग्रेस की मंजूरी के सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो उन्हें 60 दिनों के भीतर संसद से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य कार्रवाई की थी, लेकिन इसकी आधिकारिक जानकारी संसद को 2 मार्च को दी गई। इस स्थिति में ट्रंप प्रशासन के पास 1 मई तक कांग्रेस की मंजूरी लेने का समय है। यदि ऐसा नहीं होता, तो कानून के अनुसार सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ सकती है। कांग्रेस की मंजूरी के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में साधारण बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन अभी तक यह समर्थन नहीं मिल सका है। बताया जा रहा है कि कम से कम 10 रिपब्लिकन सांसद भी इस कार्रवाई के विरोध में हैं। हालांकि नियम यह कहता है कि मंजूरी न मिलने पर सैन्य कार्रवाई समाप्त होनी चाहिए, लेकिन व्यवहार में ऐसा हमेशा नहीं होता। अतीत में कई अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून की व्याख्या अपने तरीके से करते रहे हैं और इसे लेकर कानूनी बहस भी होती रही है।

ईरान की नई शांति पहल : ईरान आने वाले कुछ दिनों में पाकिस्तान में मौजूद मध्यस्थों के जरिए युद्ध समाप्त करने के लिए एक नया प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि पूर्व में दिया गया प्रस्ताव डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार नहीं किया था।

अमेरिकी सेना ने समुद्र में संदिग्ध जहाज को रोका : अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी के दौरान एक और व्यापारिक जहाज ब्लू स्टार III की तलाशी ली। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि मरीन सैनिकों ने हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे जहाज पर उतरकर जांच की। जब यह पुष्टि हो गई कि जहाज ईरान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जा रहा है, तो उसे आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई। ट्रंप प्रशासन ने दो हफ्ते पहले ईरान की समुद्री नाकेबंदी शुरू की थी। तब से अब तक अमेरिकी सेना ने कम से कम चार व्यापारिक जहाजों की तलाशी ली है। यह पहला मौका है जब किसी जहाज को हिरासत में लेने के बजाय छोड़ दिया गया। अमेरिका ने यह नाकेबंदी ईरान पर दबाव बनाने के लिए की है।

ईरानी अधिकारी ने ईरान के खिलाफ ट्रंप की धमकियों की निंदा की : भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के उप प्रतिनिधि डॉ मोहम्मद हुसैन जियाईनिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कड़ा विरोध किया है। ट्रंप ने शांति समझौता न होने पर ईरान के बुनियादी ढांचे को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। जियाईनिया ने कहा कि ट्रंप खुलेआम अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठन इस पर चुप हैं। दक्षिणी लेबनान पर इस्राइली हवाई हमले में दो की मौत, 13 घायल दक्षिण लेबनान के जेबचित शहर पर इस्राइल ने हवाई हमला किया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक नेशनल न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी कि नबातियेह जिले में हुए इस हमले में 13 अन्य लोग घायल हुए हैं। मंगलवार को लेबनान में हुए अलग-अलग इस्राइली हमलों में कुल मिलाकर कम से कम 11 लोग मारे गए और 30 घायल हुए। इन पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

श्रीलंका चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू, एबीसी लाइसेंस पर एफसीसी का फैसला- समीक्षा का आदेश जारी

कंपाला, एजेंसी। युगांडा के अधिकारियों ने अवैध प्रवासन और मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीयों सहित 231 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान सोमवार से शुरू हुआ। इसमें उत्तरी युगांडा में रह रहे नाइजीरियाई नागरिकों और राजधानी कंपाला के एक बंद परिसर में रह रहे विदेशियों को निशाना बनाया गया। कंपाला के जिस परिसर में छापेमारी हुई, वहां 169 लोग मिले, जिनमें 36 महिलाएं थीं। इस समूह में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, घाना, म्यांमार, इथियोपिया, श्रीलंका, कंबोडिया और मलेशिया के नागरिक शामिल हैं। यह परिसर पूरी तरह से प्रतिबंधित था और इसमें अपनी खुद की रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं थीं, ताकि लोगों की आवाजाही को सीमित रखा जा सके। जांच में पता चला कि कई लोगों के पास पासपोर्ट नहीं थे। कुछ ने दावा किया कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर युगांडा लाया गया था, जबकि कुछ लोग साइबर ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए। मंत्रालय के प्रवक्ता साइमन पीटर मुंडेयी ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। जिनमें- तस्करी के शिकार लोग, तस्करी करने वाले मुख्य आरोपी और वे लोग जो बिना वीजा के रह रहे थे। कानून तोड़ने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। तस्करी के शिकार और वीजा अवधि खत्म होने वाले लोगों को टिकट खरीदकर देश छोड़ने में मदद की जाएगी। वहीं, तस्करी के सरगनाओं को सजा और निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने अमेरिकी ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) के स्थानीय टीवी स्टेशनों के ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समय से पहले समीक्षा करने का आदेश जारी किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने कॉमेडियन जिमी किमेल को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। एफसीसी का यह निर्णय असामान्य और सख्त माना जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समीक्षा तय समय पर ही की जाती है। आदेश के अनुसार एबीसी और उसके सभी लाइसेंस प्राप्त टीवी स्टेशनों को 28 मई 2026 तक अपने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा। यह समीक्षा नेटवर्क के आठ चैनलों से जुड़ी है और एक चल रही जांच का हिस्सा बताई जा रही है, जिसमें एबीसी की विविधता से जुड़ी नीतियों की भी जांच हो रही है। हालांकि, यह कदम उस विवाद के ठीक बाद आया है, जिसमें जिमी किमेल के एक बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

होर्मुज में समुद्री रास्ता खुलवाना चाहता है भारत; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जताई चिंता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच, भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन को जल्द से जल्द बहाल करने का आग्रह किया है। भारत ने अपने नाविकों की सुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग को बंद करने के कथित प्रयासों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधे परिणाम होते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' पर एक खुली बहस को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी राजदूत, योजना पटेल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समुद्री सुरक्षा और जलमार्गों के संरक्षण को वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक मानता है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक वाणिज्य का पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए और जल्द से जल्द सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन बहाल किया जाना चाहिए। बता दें कि, भारत दुनिया के शीर्ष तीन नाविक-आपूर्ति करने वाले देशों में से एक है, जो वैश्विक समुद्री कार्यबल का लगभग 13 प्रतिशत योगदान देता है। इसलिए, भारत अपने नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को लेकर गहराई से चिंतित है। राजदूत पटेल ने कहा, 'किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग में व्यवधान, बाधा या कथित बंद होने के वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर सीधे परिणाम होते हैं।' पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच, विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि क्षेत्र में 'कई घटनाओं' में आठ भारतीय नागरिकों की जान चली गई है, जबकि एक अभी भी लापता है। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि तत्काल हल की जाने वाली मुख्य चिंताएं नौवहन की सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता (विशेष रूप से मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर के साथ), समुद्री जागरूकता में वृद्धि और नाविकों के लिए संचार की सुविधा प्रदान करना है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि विश्व के जलमार्गों की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की परीक्षा बन गई है।

ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदम: मेटा-गूगल और टिकटॉक पर टैक्स का लगाने का प्रस्ताव, पत्रकारों को मिलेगा भुगतान

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।

ऑस्ट्रेलिया का ऐसा दूसरा प्रयास : यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा प्रयास है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को समाचार सामग्री टेक्स्ट और इमेज के लिए भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले 2021 में लागू किए गए समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता के जरिए भी कंपनियों पर दबाव बनाया गया था। उस समय प्लेटफॉर्म्स ने मध्यस्थता से बचने के लिए समाचार संस्थानों के साथ व्यावसायिक समझौते किए थे, ताकि कोई जज उनकी कीमत तय न करे। लेकिन बाद में इन कंपनियों ने उन समझौतों को नवीनीकृत करने से बचने के लिए अपने प्लेटफॉर्म्स से समाचार सामग्री हटाना शुरू कर दिया।

क्या है समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन : अब सरकार 'समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन' नाम से नया प्रावधान ला रही है। इसके तहत जो बड़ी डिजिटल कंपनियां समाचार संस्थानों के साथ समझौता नहीं करेंगी, उन पर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली उनकी कुल कमाई का 2.25% टैक्स लगाया जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कंपनियां पत्रकारिता के लिए भुगतान करने पर सहमत होती हैं, तो उन्हें टैक्स में छूट दी जाएगी, जिससे उनका कुल आर्थिक बोझ कम हो जाएगा। सरकार का अनुमान है कि इस योजना के जरिए हर साल 200 से 250 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 144 से 179 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की राशि जुटाई जा सकती है। यह वही स्तर है, जितना भुगतान प्लेटफॉर्म्स ने उस समय किया था जब समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता अपने चरम पर था। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने बताया कि इस राशि को समाचार संगठनों के बीच उनके यहां काम करने वाले पत्रकारों की संख्या के आधार पर वितरित किया जाएगा। यह टैक्स मेटा प्लेटफॉर्म, गूगल और टिकटॉक पर लागू होगा। इस प्रस्ताव का इन कंपनियों ने कड़ा विरोध किया है। मेटा ने कहा कि समाचार संस्थान अपनी इच्छा से उनके प्लेटफॉर्म पर सामग्री साझा करते हैं क्योंकि उन्हें इससे फायदा होता है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह कहना गलत है कि हम उनकी खबरें ले लेते हैं। यह प्रस्ताव वास्तव में एक डिजिटल सर्विस टैक्स है, जो बदलते विज्ञापन उद्योग को सही तरह नहीं समझता और टिकाऊ समाचार क्षेत्र बनाने में विफल रहेगा।

बिश्केक में रक्षा मंत्री ने की चीनी समकक्ष से मुलाकात, एलएसी पर शांति-पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ पश्चिम एशिया के संकट जैसे क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को खुशी जताई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद भारत और चीन के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था, जिसे अब सुधारने की कोशिश की जा रही है। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य बातचीत के बाद पूर्वी लद्दाख में कई विवादित जगहों से अपनी सेनाएं पीछे हटाई हैं। अक्टूबर 2024 में डेपसांग और डेमचोक जैसे आखिरी दो विवादित बिंदुओं पर भी सैनिकों को हटाने का समझौता हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कजान में मुलाकात कर रिश्तों को बेहतर बनाने के फैसले लिए थे। पिछले साल अगस्त में पीएम मोदी ने तियानजिन में भी शी जिनपिंग से बात की थी और आपसी विश्वास व सम्मान पर जोर दिया था।

राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री के साथ भी की मुलाकात : इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से भी मुलाकात की। दोनों के बीच स-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की सप्लाई सहित कई रक्षा परियोजनाओं पर बात हुई। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। इसमें से तीन मिसाइल सिस्टम भारत को मिल चुके हैं। चौथी यूनिट अगले कुछ दिनों में और पांचवीं नवंबर तक मिलने की उम्मीद है। पिछले महीने ही भारत ने रूस से पांच और स-400 सिस्टम खरीदने को मंजूरी दी है, जिससे इनकी कुल संख्या 10 हो जाएगी। इसके अलावा, राजनाथ सिंह ने बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर खेनिन से भी मुलाकात की। उन्होंने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के रक्षा मंत्रियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं। किर्गिस्तान के रक्षा मंत्री मेजर जनरल मुकाम्बेटोव रुस्लान मुस्तफेविच के साथ बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया गया। राजनाथ सिंह सोमवार को बिश्केक पहुंचे थे।

'हम न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होते': ट्रंप के बड़बोलेपन पर किंग चार्ल्स का मजेदार तंज, इतिहास की दिला दी याद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका दौरे पर पहुंचे ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-III ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ऐसा मजेदार तंज कसा कि माहौल हल्का-फुल्का हो गया, लेकिन संदेश गहरा था। बात इतिहास और भाषा से जुड़ी थी और निशाने पर थे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। पूरी बात को ऐसे समझिए कि दरअसल, ट्रंप ने उनके साथ बातचीत के दौरान कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश आज जर्मन भाषा बोल रहे होते। ट्रंप का इशारा यूरोप और जर्मनी के उस युद्ध की ओर था, जहां संभवतः जर्मनी का यूरोप के देशों पर कब्जा होता और ये देश खासकर ब्रिटेन भी हिटलर की बोली बोलने लगता। देखा जाए तो ये कोई नई बात नहीं है कि ट्रंप ने अपने घर में बुलाकर किसी दूसरे देश के मेहमान के साथ अपना बड़बोलापन दिखाया हो। लेकिन इस बार उनकी ये चाल शायद उनपर भारी पड़ गई, क्योंकि ट्रंप के अंदाज में ही किंग चार्ल्स ने ऐसा जवाब दिया, जो खूब चर्चा में रहा और लोगों ने इसपर जमकर ठहाके भी लगाए।

आप फ्रेंच बोल रहे होते- किंग चार्ल्स : शुरुआत कुछ ऐसे हुई जब ट्रंप ने ये तंज कसा तो इसी बयान को पकड़ते हुए किंग चार्ल्स ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मिस्टर प्रेसिडेंट, आपने कहा कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप जर्मन बोल रहा होता। मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर हम (ब्रिटेन) न होते, तो आप फ्रेंच बोल रहे होते। किंग चार्ल्स का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। यह टिप्पणी इतिहास की उस पृष्ठभूमि की ओर इशारा करती है, जब यूरोप में

अलग-अलग ताकतों का प्रभाव था और भाषाओं पर भी उसका असर पड़ता था।

अब समझिए क्या कहता है इतिहास: गौरतलब है कि अमेरिका और यूरोप की ताकत को लेकर दिए गए बयानों के बीच असली इतिहास क्या कहता है, इसे समझना जरूरी है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश जर्मन भाषा बोल रहे होते, जिसका इशारा दूसरे विश्व युद्ध की तरफ माना जा रहा है। वहीं ब्रिटेन के किंग किंग चार्ल्स III ने जवाब में इतिहास का दूसरा पहलू सामने रखा। किंग चार्ल्स का इशारा उस दौर की ओर था जब 1776 में अमेरिका ने ब्रिटेन से आजादी की घोषणा की थी, लेकिन यह जीत अकेले संभव नहीं थी। उस समय फ्रांस ने अमेरिका को अहम सैन्य मदद दी थी, जिसके बिना अमेरिका की आजादी मुश्किल मानी जाती है। इतना ही नहीं, अमेरिका बनने से पहले वहां के कई हिस्सों पर फ्रांस का कब्जा था और उसे न्यू फ्रांस कहा जाता था। हालांकि इसके बाद भी ब्रिटेन और अमेरिका के बीच तनाव खत्म नहीं हुआ और 1812 में दोनों के बीच युद्ध हुआ, जिसे वॉर ऑफ 1812 कहा जाता है। इसी युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने वॉशिंगटन डीसी पर कब्जा कर लिया और 1814 में व्हाइट हाउस को आग के हवाले कर दिया था।

गृह विभाग की फंडिंग खत्म होने की कगार पर, टीएसए कर्मचारियों के वेतन पर भी खतरा; हवाई सुरक्षा पर असर की आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी फंडिंग को लेकर बड़ा संकट खड़ा होता नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी और उससे जुड़े अहम विभागों के पास कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए फंड जल्द ही खत्म हो सकता है। इससे देश की हवाई सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रबंधन और बजट कार्यालय ने सांसदों को एक मेमो भेजकर बताया है कि परिवहन सुरक्षा प्रशासन और अन्य कर्मचारियों की सैलरी के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यकारी आदेश से दिया गया पैसा मई तक खत्म हो जाएगा। इससे एयरपोर्ट संचालन और राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सरकार का कहना है कि अगर जल्द ही बजट पारित नहीं किया गया तो सुरक्षा कर्मियों के वेतन और संचालन दोनों पर संकट गहरा जाएगा। मेमो में कहा गया है कि प्रतिनिधि सभा को सीनेट द्वारा पिछले हफ्ते पास किए गए बजट प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देनी चाहिए, ताकि विभाग को पूरा फंड मिल सके। मेमो के अनुसार होमलैंड सिक्योरिटी विभाग जल्द ही जरूरी फंड से खत्म हो जाएगा, जिससे जरूरी कर्मचारियों और कामकाज पर खतरा पैदा हो सकता है।

बजट पर राजनीतिक गतिरोध जारी : अमेरिकी संसद में बजट को लेकर राजनीतिक खींचतान लगातार जारी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच सहमति न बनने के कारण कई महत्वपूर्ण विभागों की फंडिंग अटक गई है। इस बीच, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी आंतरिक विवाद के चलते बजट प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, जिससे पूरा सिस्टम लगभग ठप जैसा हो गया है।

स्पीकर माइक जॉनसन पर बढ़ा दबाव : ट्रंप प्रशासन का यह दबाव हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के लिए मददगार साबित हो सकता है। उनकी रिपब्लिकन

पार्टी के पास बहुत कम बहुमत है और पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर मतभेद चल रहे हैं, जिनमें होमलैंड सिक्योरिटी की फंडिंग भी शामिल है। इसी वजह से सदन का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है। अब उम्मीद है कि प्रतिनिधि सभा बुधवार को सीनेट द्वारा पास किए गए बजट प्रस्ताव पर वोट करेगी। यह प्रस्ताव एक ऐसी प्रक्रिया शुरू करेगा जिससे विभाग को पूरी फंडिंग मिल सकेगी। प्रशासन ने रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी है कि अगर वे इस प्रस्ताव में बदलाव करते हैं तो बिल पास होने में देरी हो सकती है। मेमो में यह भी कहा गया है कि ष्ठ॥स्के लिए फंडिंग बहाल करना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। इसका कारण हाल की एक घटना है, जब बंदूक और चाकू लेकर एक व्यक्ति व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था, जहां राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

होमलैंड सिक्योरिटी शटडाउन: अब तक का सबसे लंबा : होमलैंड सिक्योरिटी दो महीने से अधिक समय से नियमित धन के बिना काम कर रहा है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब डेमोक्रेट्स ने ट्रंप की निर्वासन एजेंडे के विरोध में मारे गए अमेरिकियों की मौतों के बाद इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट और बॉर्डर पेट्रोल को धन देने से इनकार कर दिया। हालांकि आप्रवासन प्रवर्तन कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर नए धन के माध्यम से भुगतान किया गया है - कुछ 170 बिलियन अमरीकी डालर - जिसे कांग्रेस ने पिछले साल ट्रंप के कर कटौती विधेयक के हिस्से के रूप में अनुमोदित किया था, अन्य, जिसमें ञ्जस्न भी शामिल है, को अपने वेतन सुनिश्चित करने के लिए ट्रंप के हस्तक्षेप पर निर्भर रहना पड़ा है। लेकिन हर दो सप्ताह में 1.6 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के वेतन के साथ, डीएचएस सचिव मार्कवेन मल्लिन ने हाल ही में कहा है कि ये धन सूख रहे हैं।

नींद और थकावट आने पर ध्यान दें

- गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट दूर हो जाएगी
- जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान जरूर दें

पर्याप्त नींद लेना सेहत के लिए जरूरी है। पर्याप्त न सो पाने या रात भर पार्टी में व्यस्त रहने पर शायद आपको थकावट और नींद आने पर कुछ उपायों की आवश्यकता पड़े। जब आपके शरीर को आराम करने की सख्त जरूरत हो तो अपने आप को जगाए रखना गलत बात है। लेकिन कई बार हमें बहुत आवश्यक कार्य करने होते हैं तो हमें जागना ही पड़ता है चाहे जो भी हो। नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए सुझाए गए इन उपाय करने पर नींद से उभरा जा सकता है।

पानी ज्यादा पीएं : अगर आपके शरीर में पानी की कमी होगी तो आप ज्यादा थकान महसूस करेंगे। वैसे भी हर दिन पर्याप्त पानी पीना चाहिए लेकिन नींद आने और थकान लगने पर जागते रहने के लिए थोड़ा ज्यादा पानी पीना चाहिए। गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट में ज्यादा चौकन्ने रहेंगे।

सूर्य का प्रकाश : सूर्य का प्रकाश तुरंत और प्रभावशाली रूप से मूड को ठीक करता है। यह विटामिन-डी के उत्पादन को प्रेरित करता है और मौसम के कारण होने वाले मूड में बदलाव से बचाता है। जब आपको नींद आ रही हो तो सूर्यप्रकाश जागते रहने में सहायक है। अपने पदरे को खोलें और सूर्य के प्रकाश को अंदर आने दें।

गहरी-गहरी सांसें लें : सांस लेने की यह विधा जागते रहने में सहायक है। अपनी नाक से सांसों को अंदर-बाहर छोड़ें तथा अपने पेट को डायफ्राम की तरफ खींचें। बेहतर परिणाम के लिए इसे शीघ्रता से करने का प्रयास करें। इसे आप भोजनावकाश में भी कर सकते हैं।

हर 30 मिनट में क्रियाशील हो जाएं : पूरा दिन कंप्यूटर या टीवी के सामने रहने से आप और भी थकान और नींद महसूस करेंगे। जागते रहने के लिए आपके शरीर को क्रियाशील रहने की आवश्यकता होती है। दिन भर कहीं ज्यादा तरोताजा रहने के लिए हर तीस मिनट पर उठकर अपने पैरों को खींचें।

थोड़ी झपकी ले लें : नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए झपकी लेना सबके लिए नहीं है, लेकिन यह कारगर है। चाहे यह केवल 10 से 15 मिनट की ही हो लेकिन यह चमत्कारी होता है। हलांकि कुछ लोगों को झपकी के बाद और नींद आती है। झपकी के बाद नींद का अहसास दूर होने में 35 मिनट तक का समय लग सकता है।

ताजी हवा : जब आपको नींद आ रही हो तो जागते रहने के लिए ताजी हवा की गहरी सांस की शायद कहीं ज्यादा फायदेमंद होगी। अगर आप काम पर हैं तो खिड़कियों को खोलें या फिर ब्रेक में या भोजनावकाश में बाहर निकलें। अगर आप कार में हैं तो खिड़कियों को खोल कर अंदर की हवा को तरोताजा करें।

थोड़ा टहलें : बैठे रहने से नींद नहीं जाती है। जब आपको नींद आए तो आपके चाहे कितने ही काम पड़े हों थोड़ा टहल कर आएं। यह नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने में बहुत कारगर है। अगर आप काम पर हैं और बहुत दूर जाना मुमकिन न हो तो कुछ पेय बनाएं या फिर अपने सहकर्मी के पास तक जाएं।

सही भोजन चुनें : जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। नाश्ते को न छोड़े और दोपहर के भोजन में वसा युक्त भोजन न लें। दिन भर प्रोटीन से भरपूर कुछ हल्का-फुल्का अवश्य लेते रहें और कॉफी तथा अन्य पेय पदार्थो से परहेज करें।

कुछ एंटीबायटिक बार बार लेने से मधुमेह!

कुछ एंटीबायटिक बार बार लेने से मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है। यूरोपियन जर्नल ऑफ इंडोक्रनालजी के अनुसार कुछ एंटीबायटिक बार-बार लेने से 'टाइप टू डायबिटीज' का खतरा बढ़ जाता है। लिहाजा विशेषज्ञों ने एंटीबायटिक के बेजा इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के गैस्टोएन्टरालजी एंड मेडिकल ऑनकोलॉजी के शोधकर्ता डा. बेन बोरसी के अनुसार एंटीबायटिक के कारण हमारे पाचनतंत्र पर खराब असर पड़ता है। इससे 'गट बैक्टीरिया' (आंतों के बैक्टीरिया) के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है। इससे शरीर के मैकेनिज्म पर खराब असर पड़ता है और मोटापा बढ़ने की आशंका बढ़ जाती है। मोटापा बढ़ना इंसुलिन की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है।

- एंटीबायटिक के कारण हमारे पाचनतंत्र पर खराब असर पड़ता है
- इससे 'गट बैक्टीरिया' (आंतों के बैक्टीरिया) के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है
- लिहाजा मोटापा बढ़ता है और इंसुलिन की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है

वरिष्ठ शोधकर्ता डा. यू झी यांग के अनुसार हमारे शोध ने एंटीबायोटिक और मधुमेह के बीच संबंध होने के खतरे को उजागर किया है। ब्रिटेन में टाइप टू डायबिटीज मरीज से पीड़ित लोगों की मेडिकल हिस्ट्री पर नजर डाली गई। इसमें यह निष्कर्ष सामने आया कि टाइप टू डायबिटीज से पीड़ित मरीजों को पहले 'पेनसिलीन्स', 'सेपहेलोस्पोरिन्स', 'क्वींनोलोन्स' और 'मैक्रोलाइड्स' आदि का कम से कम दो बार कोर्स किया था। इसमें से 'क्वींनोलोन्स' सांस के रोगियों और 'यूरीनरी ट्रेक इंफेक्शन' के मरीजों आदि को दी जाती है। ब्रिटेन में 30 लाख लोग टाइप टू डायबिटीज से पीड़ित हैं। भारत सहित कई देशों में मधुमेह पीड़ित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आने वाले समय में भारत में मधुमेह मरीजों की संख्या अत्यधिक बढ़ने की आशंका है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

हंसी के फव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.....एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा. उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है, मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला-'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

काकुरो पहेली - 4040

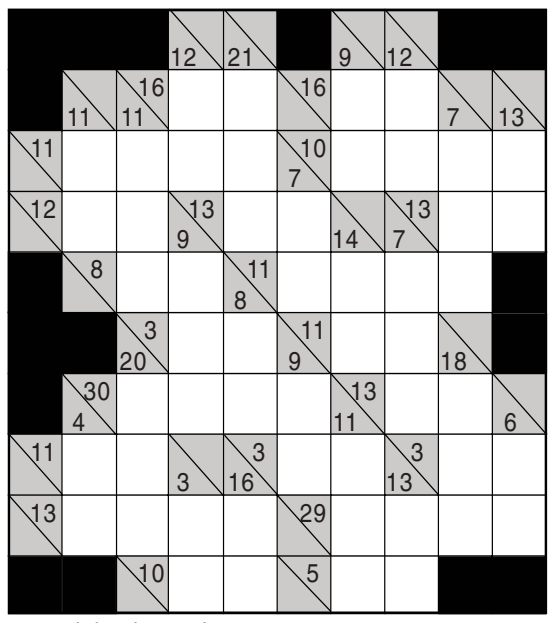

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

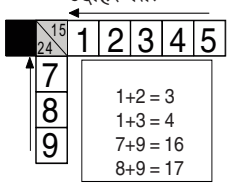

काकुरो -4040 का हल

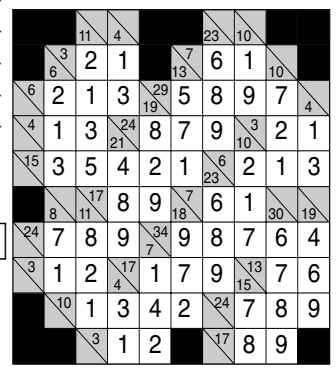

फिल्म वर्ग पहेली - 4040

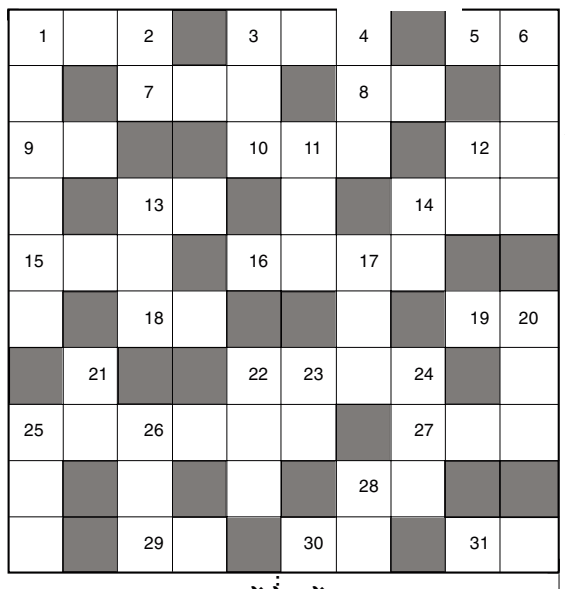

ऊपर से नीचेः-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी ?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं ?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4040

आ	शि	क		दी	वा	र		प्रे	म
शि		न्है		वी		फू	ल		न
की		या	र	ना		च		र	का
	शा		जा		ट	क	र		मी
जा	न	की	बा	जी		र		अं	त
गृ			बू		ही		दा	दा	
ति	रं	गा		को	र	का	ग	ज	
	ग		आ	ह		श			सं
दे		र	जा	र	नी		र	जा	जी
व	क्त		द		ना	र	ज		व

सूडोकु -4040

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4040 हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -4040

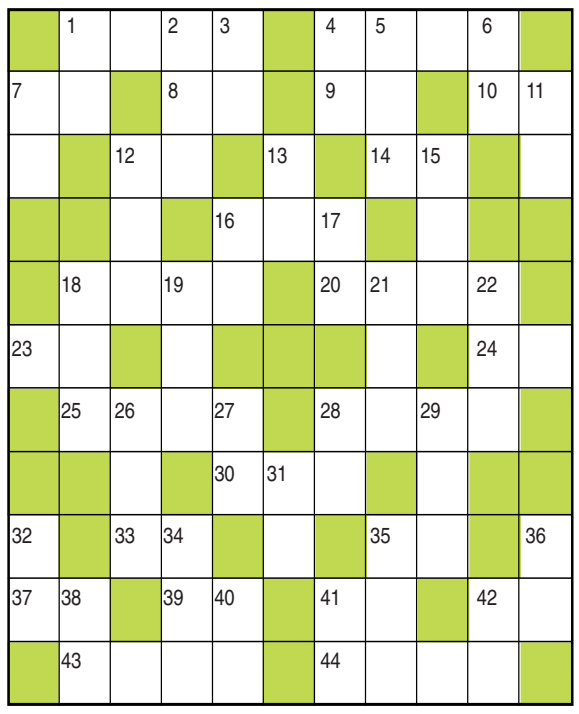

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित-4
4. माहुर,आलता-4
7. कार्य,काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही,कालिख-2
10. भूमि,धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर,होठ-2
16. विशाल,श्रेष्ठ-3
18. आदेश,आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा,हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद,मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर,खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई,छाया-2
43. शिव,रुद्र,शंकर-4
44. सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1. समान,एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना,प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश,वर्षा-3
16. जी,चित-2
17. मर्द,आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन,प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा,कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत,दुनिया-2
32. प्राण,जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर,तन-2
38. संध्या,सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग,संगत-2

शब्द पहेली 4040 का हल

	अ	नु	भ	व		शा	का	हा	र	
अ		क्ता		ल		मि		नि		अ
ह	म		का	या	प	ल	ट		का	का
म		रा		का		हो		श		र
क	हा	नी	का	र		ना	म	क	र	ण
	द							सो		
अ	सा	म	यि	क		आ	ज	मा	ई	श
चा		स्त		म		रा		न		रा
न	ल		नी	ल	क	म	ल		खौ	फ
क		भ		ना		दे		क		त
	को	ला	ह	ल		ह	र	जा	ई	

नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांडः दोषी शरद कलस्कर को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली जमानत

एजेंसी

मुंबई। अंधविश्वास के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले सामाजिक कार्यकर्ता और अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में दोषी शरद कलस्कर को बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। पुणे की विशेष न्यायालय ने साल 2024 में शरद कलस्कर को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले को कलस्कर ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अपील पर अंतिम फैसला आने तक जमानत देने की मांग कलस्कर की ओर से की गई थी। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति रणजीतसिंह भोसले की पीठ ने इस मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कलस्कर की जमानत याचिका स्वीकार कर ली। जांच एजेंसी ने इस फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने 50 हजार रुपए के मुचलके पर शरद की जमानत मंजूर कर ली। 20 अगस्त, 2013 को डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की पुणे के महर्षि विट्ठल रामजी ब्रिज पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पांच लोगों को आरोपी बनाया गया था। पुणे की सत्र अदालत ने 2024 में अंदुरे और कलस्कर को दोषी ठहराते हुए डॉ. वीरेंद्र तावड़े, विक्रम भावे और वकील संजीव पुनालेकर को बरी कर दिया था। डॉ नरेंद्र दाभोलकर की बेटी मुक्ता दाभोलकर ने इन तीनों की रिहाई को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है।

अभिषेक बनर्जी का केंद्रीय बलों पर हमला, बंगाल चुनाव में हिंसा और दहशत फैलाने के आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की भूमिका को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अधीन केंद्रीय बल 'भाजपा की निजी सेना' की तरह काम कर रहे हैं। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इन बलों को 'लाइसेंसशुदा गुंडों का गिरोह' बनाकर बंगाल की जनता पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान आम नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है और मतदाताओं के बीच भय का माहौल पैदा किया जा रहा है। उन्होंने एक कथित घटना का जिक्र करते हुए बताया कि हावड़ा जिले के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग व्यक्ति अपने बेटे के साथ मतदान करने पहुंचे थे। बुजुर्ग की शारीरिक स्थिति कमजोर थी और वे बिना सहारे चल नहीं सकते थे। ऐसे में उनका बेटा उन्हें बूथ तक ले जाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन केंद्रीय बलों ने दोनों के साथ धक्का-मुक्की की। बनर्जी के अनुसार, इस दौरान बुजुर्ग जमीन पर गिर पड़े और उन्हें तुरंत आमता अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बंगाल में एसआईआर कराना भाजपा को ही भारी पड़ेगा : फिरहाद हकीम

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण के तहत 142 सीटों पर मतदान हुआ। टीएमसी के वरिष्ठ नेता और उम्मीदवार फिरहाद हकीम ने अपने परिवार के साथ मतदान किया। मतदान करने के बाद टीएमसी के वरिष्ठ नेता और कोलकाता पोर्ट सीट से उम्मीदवार फिरहाद हकीम की बेटी प्रियदर्शिनी हकीम ने आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने पूरे परिवार के साथ मतदान किया है। हमारे परिवार में यही सिखाया गया है कि लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेना जरूरी है। केंद्रीय सुरक्षा बलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात करने के बावजूद अगर चुनाव आयोग भाजपा के प्रत्याशियों को सुरक्षा नहीं दे पा रहा है और यह कह रहा है कि तृणमूल के लोग मारपीट कर रहे हैं, तो यह भाजपा की गुंडागर्दी है। इस साल लगता है कि कहीं न कहीं समझौता हो गया है। आम आदमी को वोट देने से रोका जाता है तो ज्यादा तादाद में लोग वोट देने के लिए उतरते हैं। उन्होंने कहा कि घर पर भारी पुलिस फोर्स रात 12.45 बजे आई थी। चुनाव आयोग हो या फिर केंद्रीय सुरक्षा बल भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार की जीत बंगाल की होगी, भाजपा नहीं जीतेगी। वोटिंग सेंटर पर सुरक्षा अच्छी है किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई है।

अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा सख्त, एलजी मनोज सिन्हा ने की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमरनाथ यात्रा से पहले एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। पवित्र अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी। एलजी मनोज सिन्हा ने जम्मू के लोक भवन में बैठक की अध्यक्षता की। इसका उद्देश्य मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन करना और आगामी यात्रा के लिए तैयारियों की समीक्षा करना था। इस बैठक में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात सहित वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य फोकस कानून-व्यवस्था के प्रबंधन और समन्वित सुरक्षा व्यवस्थाओं पर था। बैठक में जम्मू-कश्मीर के समग्र सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की गई। इसमें वार्षिक यात्रा के सुरक्षित और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। यह एक प्रमुख तीर्थयात्रा है, जो हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। अधिकारियों ने बताया कि चर्चा का केंद्र निवारक उपायों को मजबूत करना और संवेदनशील क्षेत्रों में उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखना भी था। माना जा रहा है कि उपराज्यपाल ने सुरक्षा एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय और किसी भी उभरती स्थिति से निपटने के लिए समय पर प्रतिक्रिया तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया।

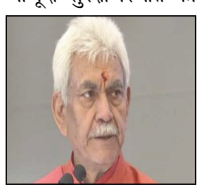

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारी माइक्रो मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करें : अविनाश गहलोत

एजेंसी

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ आखिरी छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचना सही मायने में सामाजिक न्याय है। उन्होंने अधिकारियों को ऐसा माइक्रो मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने की निर्देश दिए, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। गहलोत मुख्यालय अंबेडकर भवन के सभागार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, विशेष योग्यजन निदेशालय एवं अनुजा निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा अंत्योदय की भावना से समाज के हर वर्ग को योजनाओं का लाभ पहुंचाने की है। गहलोत ने बताया कि वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 की कुल 50 बजट घोषणाओं में से 26 पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 18 प्रक्रियाधीन हैं और शेष 6 का कार्य

प्रारंभ किया जा चुका है। उन्होंने बजट घोषणाओं की प्रगति पर संतोष जताया। इस दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं की समीक्षा, मुख्यमंत्री के निर्देशो की क्रियान्विति समीक्षा, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज लम्बित प्रकरणों, विधान सभा प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा तथा योजनाओं की सफल क्रियान्विति के लिए भविष्य की कार्ययोजनाओं पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। गहलोत ने छात्रवृत्ति, पेंशन, पालनहार, अंतरजातीय विवाह, नवजीवन, पालनहार, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग, दिव्यांग स्कूटी, सिलिकोसिस योजना सहित अन्य विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर निश्चित समयावधि में पात्र लाभार्थियों को लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आवासीय विद्यालयों में अध्यनरत छात्रों का बेहतरीन परिणाम रहा है, इसी तरह अन्य योजनाओं में भी सकारात्मक परिवर्तन आने अपेक्षित हैं। बैठक में पिछले दिनों चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित चिंतन शिविर में कई राज्यों से प्राप्त सुझावों पर भी अमल करने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने विभागीय योजनाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त निःशक्तजन इकबाल खान एवं निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव ललित कुमार ने पीपीटी के जरिए योजनाओं से जुड़ी प्रगति से अवगत कराया।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने मां विंध्यवासिनी धाम में किया दर्शन-पूजन

एजेंसी

मीरजापुर (उत्तर प्रदेश)। विंध्याचल स्थित प्रसिद्ध विंध्यवासिनी देवी मंदिर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहुंचे और विधि-विधान से मां का दर्शन-पूजन किया। उन्होंने मां के चरणों में माथा टेककर देश व प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की।

विंध्यवासिनी धाम के प्रधान अर्चक अगस्त्य कुमार द्विवेदी ने उन्हें विधिवत दर्शन-पूजन कराया। कार्यक्रम में नगर विधायक रत्नाकर मिश्र भी मौजूद रहे। सुबह उनके आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। प्रशासन व पुलिस के अधिकारी पहले से ही मुस्तैद रहे, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही भी सुचारू रूप से चलती रही। विंध्यवासिनी देवी के मंदिर पहुंचने पर भाजपा नेता नवीन का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दर्शन-पूजन के बाद लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

पंजाब कैबिनेट का फैसला, एक मई को बुलाया गया विधानसभा का विशेष सत्र

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में एक मई को मजदूर दिवस के मौके पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। सीएम भगवंत मान ने खुद इसकी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पंजाब कैबिनेट ने एक अहम फैसला लेते हुए एक मई को मजदूर दिवस के अवसर पर विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया है। यह एक दिवसीय सत्र उन मेहनतकश मजदूरों और कारीगरों को समर्पित होगा जो देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक पहल के तहत मजदूर संघों के प्रतिनिधियों को सदन में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा, और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों पर गंभीर चर्चा की जाएगी, जिसमें मनरेगा में किए गए बदलावों का श्रमिक वर्ग पर पड़ने वाला प्रभाव भी शामिल है। सीएम मान ने आगे कहा कि इसके साथ ही सत्र के दौरान विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति द्वारा निर्धारित

प्रक्रिया के अनुसार अन्य आवश्यक विधायी कार्यों को भी निपटाया जाएगा, ताकि राज्य के विकास और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक निर्णय लिए जा सकें। बता दें कि एक दिन पहले सीएम भगवंत मान ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि चंडीगढ़ में जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल, कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस और सांसद मालविंदर कांग ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक के दौरान आगामी मानसून के दौरान बाढ़ की रोकथाम के लिए पूरे राज्य में मास्टर प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करने और इसके लिए व्यापक योजनागत व्यवस्थाएं करने पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने आगे कहा कि संभावित नुकसान की रोकथाम के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी सुरक्षा उपायों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए। पंजाब सरकार लोगों के जान-माल की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार और प्रतिबद्ध है।

'आम आदमी पार्टी' के पतन की शुरूआत हो चुकी है : अश्विनी शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्विनी शर्मा ने दावा किया है कि आम आदमी पार्टी (आप) के पतन की शुरूआत हो चुकी है। उन्होंने राघव चड्ढा समेत छह सांसदों को आम आदमी पार्टी द्वारा 'गद्दार' कहे जाने की निंदा की है। चंडीगढ़ में बातचीत में अश्विनी शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी इतने बड़े झटके के बाद भी सोचने को तैयार नहीं है। जब कोई पार्टी सोचने को तैयार नहीं होती, तो केजरीवाल की तानाशाही के आगे सब अपना सिर झुका देते हैं। उन्होंने कहा कि राघव चड्ढा और उनके साथियों ने आम आदमी पार्टी पर 'कॉम्प्रोमाइज्ड' और भ्रष्ट होने का आरोप लगाया था, लेकिन इस मुद्दे पर पार्टी में कोई बोलने को तैयार नहीं है। अश्विनी शर्मा ने उन सांसदों का बचाव करते हुए कहा कि जिन लोगों को 'गद्दार' कहा जा रहा है, उन्होंने पंजाब को बनाने, रोजगार देने और राजस्व बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राजेंद्र गुप्ता बरनाला और बठिंडा में 10,000 से अधिक परिवारों की आजीविका चला रहे हैं। अशोक मित्तल ने यूनिवर्सिटी के माध्यम से शिक्षा को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया है और कौशल विकास में भी बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि वे सच्चे पंजाबी हैं। सभी ऐसे काम कर रहे हैं, जो सरकार को करने चाहिए। केजरीवाल की तानाशाही और पूरे सिर से पांव तक भ्रष्टाचार के कारण ये लोग पार्टी छोड़कर आए हैं। पिछले चार सालों से पंजाब में सरकार ठीक से नहीं चल रही है।

अश्विनी शर्मा ने आम आदमी पार्टी के मंत्रिमंडल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उनमें से अधिकांश मंत्री कांग्रेस या अन्य पार्टियों से आए हुए हैं। ऐसे में अगर उनकी पार्टी से लोग दूसरे दल में चले जाते हैं तो उन्हें गद्दार कहना गलत होगा। राजनीति में व्यक्ति सिद्धांत लेकर आता है। जब उसे लगता है कि उसके सिद्धांत टूट रहे हैं और पार्टी वैसी नहीं रही, तो वह अपना रास्ता खुद चुन लेता है। 'गद्दार' जैसे शब्द इस्तेमाल करना राजनीति का सबसे निचला स्तर है। मुझे लगता है कि यह आम आदमी पार्टी के पतन की शुरुआत है। यह सभी राज्यसभा सांसद आम आदमी पार्टी से दुखी होकर आए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की स्थिति काफी खराब है, कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। गुरदासपुर में ग्रेनेड की पिन निकालने में असफल रहे बदमाशों ने उसे कूड़ेदान में फेंक दिया। हर दिन यही हाल है। इससे साफ पता चलता है कि यह सरकार कानून का राज स्थापित करने में पूरी तरह नाकाम रही है।

युवाओं को सनातन की वैज्ञानिकता बताये : विधानसभा अध्यक्ष

एजेंसी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि युवाओं को सनातन की वैज्ञानिकता बताएं। रामायण और गीता के अध्ययन के लिए युवाओं को प्रेरित करें। सनातन पर गहन मंथन के साथ व्यावहारिक पहल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सनातन के माध्यम से सभी समाजों को जोड़ें। देवनानी ने सनातन संवाद को सामायिक विषय बताया और कहा कि सनातन शाश्वत है, इसलिए इस संवाद को अनन्त रखा जाये। सनातन को कोई खत्म नहीं कर सका है और न ही कोई कर सकेगा। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से सनातन बढेगा। देवनानी ने संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित सनातन संवाद का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। स्पीकर देवनानी ने कहा कि सनातन संस्कृति एवं सामाजिक व्यवस्था, समाज-परिवार व्यवस्था और वर्तमान समय में सनातन मूल्यों की प्रासंगिकता, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संरक्षण एवं जनजागरण जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की आवश्यकता है। समारोह के मुख्य अतिथि स्पीकर देवनानी

ने कहा कि सनातन संस्कृति हमारी पहचान और समाज की आधारशिला है। इसे सशक्त बनाए रखने के लिए संवाद, जागरूकता और समाज की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे संवाद समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि गृहस्थ परंपरा से संचालित मंदिर आज भी समाज में एक सशक्त, जीवंत और अनुकरणीय व्यवस्था के रूप में कार्य कर रहे हैं। परिवार आधारित सेवा परंपरा में श्रद्धा, उत्तरदायित्व, निरंतरता और पारदर्शिता का संतुलित समन्वय देखने को मिलता है, जो मंदिरों को समाज से सीधे जोड़ता है। सनातन संवाद के आयोजक और संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि समाज में संवाद और समन्वय की आवश्यकता है। राज्य में आज अनेक स्थानों पर गृहस्थ/परिवार आधारित सेवा परंपरा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। संवाद में उपस्थित विद्वानों एवं वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में समाज को जोड़ने और सकारात्मक दिशा देने के लिए ऐसे मंचों की अत्यंत आवश्यकता है। संवाद के माध्यम से ही हम परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक पंडित राजकुमार चतुर्वेदी ने बताया कि सनातन संवाद को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी इसी प्रकार के संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुँच बनाकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा, जिससे सनातन विचारधारा, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से संवर रहा प्रदेश के शहरों का बुनियादी ढांचा

एजेंसी

करनाल। अमृत 2.0 के तहत राजस्थान में चल रहे 11,560 करोड़ रुपए के काम 2026-27 में केन्द्र से योजना के बजट आवंटन में भारी बढ़ोतरी, मिलेंगे 2,341 करोड़ रुपए जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से राजस्थान में शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूती देने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत) 2.0 के अंतर्गत केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद 11 हजार 560 करोड़ रुपए की राशि से राज्य के 200 शहरों और कस्बों में 363 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। अमृत 2.0 के तहत चल रही इन परियोजनाओं में 5 हजार 950 करोड़ रुपए की सीवरेज एवं सेप्टेज प्रबंधन, 5 हजार 99 करोड़ रुपए लागत की जलापूर्ति परियोजनाएं और 505 करोड़ रुपए की जलाशय पुनरुद्धार परियोजनाएं शामिल हैं जयपुर ग्रेटर नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज नेटवर्क की मरम्मत और नए क्षेत्रों में सीवर लाइन बिछाने के 600 करोड़ रुपए के काम की डीपीआर तैयार की जा रही है जबकि 731 करोड़ रुपए की जलापूर्ति योजना की डीपीआर स्वीकृत हो चुकी है। इसी तरह, हेरिटेज निगम क्षेत्र में एसटीपी निर्माण और अपग्रेडेशन, सीवर लाइनों की मरम्मत, पुरानी सीवर लाइनें बदलने और नई सीवर लाइनें बिछाने के 1040 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों के अनुबन्ध जारी कर काम करवाया जा रहा है। जलापूर्ति वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और उन्नयन के 253 करोड़ रुपए की परियोजना की एनआईटी जारी की जा चुकी है। इस तरह, जयपुर शहर में केन्द्र प्रवर्तित इस योजना के अंतर्गत 2 हजार 624 करोड़ रुपए की स्वीकृत परियोजनाएं प्रगतिरत हैं। जोधपुर शहर में अमृत 2.0 के अंतर्गत लगभग 731 करोड़ रुपए के एसटीपी और सीवरेज लाइन मरम्मत एवं नई सीवर लाइनें बिछाने के कार्य पूरे हो चुके हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा की थाती अब तक 15 लाख से अधिक पांडुलिपियों का हुआ सर्वे : वी. श्रीनिवास

एजेंसी

जयपुर। भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'ज्ञान भारतम' मिशन के अंतर्गत राजस्थान ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ज्ञान भारतम मिशन की बैठक मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में आयोजित की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि जिस व्यक्ति को लिपि की समझ हो उसे ही नोडल अधिकारी बनाया जाए। संस्कृत भाषा के लिए संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्षों को नोडल अधिकारी बनाया जाए। पांडुलिपियों का सर्वेक्षण लक्ष्य - केंद्रित होकर किया जाए जिसमें प्रमुख पांडुलिपियां जिनका भारत के इतिहास में प्रभाव रहा हो उनका संकलन किया जाये। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अब तक कुल 15 लाख 21 हजार 34 पांडुलिपियों का सत्यापन किया जा चुका है, जो पूरे भारत में सर्वाधिक है। ज्ञानभारतम मिशन का मुख्य लक्ष्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रसार करना है। राज्य में जयपुर जिला 4,91,688 पांडुलिपियों के साथ शीर्ष पर है, इसके बाद बीकानेर (3,39,740) और जोधपुर (1,90,847) का स्थान है। राजस्थान में 'राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' को नोडल विभाग और 'राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर' के निदेशक को राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस मिशन में विभिन्न क्लस्टर सेन्टर और स्वतंत्र केंद्रों द्वारा सहयोग किया जा रहा है। इस मिशन के तहत जिला कलेक्टरों द्वारा नामित नोडल अधिकारी जिला स्तर पर सर्वेक्षण की निगरानी कर रहे हैं। सर्वेक्षण में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों, पुस्तकालयाध्यक्षों और विश्वविद्यालयों के छात्रों 'सर्वेक्षण प्रगणक' के रूप में शामिल किया गया है। यह टीम घर-घर जाकर और विभिन्न संस्थाओं (मंदिरों, मठों, निजी पुस्तकालयों, शोध संस्थानों) में जाकर पांडुलिपियों की भौतिक पुष्टि, स्थिति का आकलन और मैपिंग कर रही है।

सर्वेक्षण के दौरान पांडुलिपि स्वामियों के अधिकारों का पूरा सम्मान किया जा रहा है। पूरी प्रक्रिया में सांस्कृतिक संवेदनशीलता सुनिश्चित की जा रही है। मिशन का उद्देश्य इन अमूल्य दस्तावेजों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराना है ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी सभ्यता एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के ज्ञान से लाभान्वित हो सके।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति विभाग सुबीर कुमार, शासन सचिव कला साहित्य एवं संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग शुची त्यागी, सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त राकेश शर्मा, शासन उप सचिव कला एवं संस्कृति अनुराधा गोगीया, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर गोमती शर्मा, निदेशक पुरातत्व विभाग पंकज धीरेन्द्र, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. नितिन गोयल एवं वीसी के माध्यम से ज्ञान भारतम मिशन के सचिव इंद्रजीत सिंह एवं जिला कलेक्टर भी जुड़े।

उन्नाव सड़क हादसा : डंपर और बोलेरो की भिड़ंत में मृतकों संख्या हुई छह

उन्नाव। उत्तर प्रदेश में जनपद उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र स्थित बक्सर सुमेरपुर मार्ग पर हुए सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या छह हो गई हैं। मृतकों में देवरानी-जेठानी और ड्राइवर भी शामिल है। हादसे में पांच घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी पर जिलाधिकारी घनश्याम मीणा व पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया। जिलाधिकारी मीणा ने बताया कि ग्राम पठई अकोहरी निवासी नरेंद्र बहादुर के परिवार में तीन वर्षीय पुत्र शुभ का मुंडन कराने के लिए बक्सर स्थित चंद्रिका देवी मंदिर में गए थे। बुधवार को मुंडन कराकर वापस बोलेरे कार से लौट रहे थे। बक्सर सुमेरपुर मार्ग पर एचपी पेट्रोल पम्प ग्राम सुमेरपुर के पास ओवरटेक करते समय उनकी बोलेरो एक डंपर से टकरा हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में 11 लोग गम्भीर रुप से घायल लोगों को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया गया।

पुडुचेरी एग्जिट पोलः एनडीए को बढ़त का अनुमान, कांग्रेस रह गई पीछे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के लिए सभी 30 सीटों पर एक ही चरण में 9 अप्रैल को मतदान कराया गया। मतगणना 4 मई को होगी। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 17 सीटों की जरूरत होगी। इस बीच अब एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आ रहे हैं। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है। एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के अनुसार, एनडीए गठबंधन को 16 से 20 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन को 6 से 8 सीटें मिल सकती हैं। अन्य के खाते में 3 से 7 सीटें जा सकती हैं। जेवीसी के एग्जिट पोल में भी भाजपा गठबंधन को 15 से 17 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन को 11 से 13 सीटें मिल सकती हैं। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को 1 से 2 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

पीपुल्स पल्स के एग्जिट पोल

में भी भाजपा गठबंधन को बढ़त मिलती दिख रही है। इस सर्वे में गठबंधन को 15 से 18 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन को 6 से 8 सीटें मिल सकती हैं। अन्य को 1 से 12 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है।

बता दें कि पुडुचेरी की 30 निर्वाचित सीटों के अलावा विधानसभा में 3 सदस्य उपराज्यपाल द्वारा नामित किए जाते हैं। पुडुचेरी में इस बार कुल 9,50,311 मतदाता थे। इनमें 4,46,361 पुरुष, 5,03,810 महिलाएं और 140 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल थे। इस चुनाव में कुल 294 उम्मीदवार मैदान में उतरे। अगर मतदान प्रतिशत की बात करें तो पुडुचेरी में इस बार रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। चुनाव आयोग के अनुसार, इस बार कुल 89.83 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है।

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 में रिकॉर्ड मतदान ने यह साफ कर दिया कि इस बार मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर लोकतांत्रिक भागीदारी निभाई। अब 4 मई को मतगणना के बाद ही साफ होगा कि आखिर सरकार किसकी बनने वाली है। एग्जिट पोल के आंकड़े अंतिम परिणाम नहीं हैं। नतीजे 4 मई को मतगणना के बाद आएंगे, तब स्पष्ट हो पाएगा कि पुडुचेरी में किसकी सरकार बनने जा रही है।

एग्जिट पोलः केरल में यूडीएफ की जीत के संकेत, 140 में से 83 से ज्यादा सीटें जीतने की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल सामने आ गए हैं। शाइनिंग इंडिया के सर्वे में केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की धमाकेदार जीत नजर आ रही है। शाइनिंग इंडिया के सर्वे के अनुसार, केरल चुनाव में यूडीएफ को 140 सीटों में से लगभग 83 सीटें मिल सकती हैं, जबकि एलडीएफ को 54 और एनडीए को 3 सीटें मिलने की उम्मीद है। वहीं, 21 सीटों पर नजदीकी मुकाबले के आसार हैं। शाइनिंग इंडिया सर्वे के अनुसार, यूडीएफ को 43.6 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, जबकि एलडीएफ को 38.2 प्रतिशत और एनडीए को 13.5 प्रतिशत वोट मिलने की उम्मीद है। वहीं, 1.3 प्रतिशत वोट अन्य के खाते में जाने की उम्मीद है। इसके साथ ही 3.4 प्रतिशत वोटों को साइलेंट बताया गया है।

बता दें कि केरल की 140 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ था। मतदाताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था, जिसके चलते मतदान प्रतिशत 78.27 प्रतिशत दर्ज किया गया था। यह 1977 के बाद से अब तक का दूसरा बंपर मतदान माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, केरल के चुनावी इतिहास में 1977 में हुए विधानसभा चुनाव में 79.02 प्रतिशत

मतदान दर्ज किया गया था।

केरल में चुनावी यात्रा पर नजर डालें तो राज्य में आजादी के बाद 1957 में पहली बार विधानसभा चुनाव कराए गए थे, जिसमें 65 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। तब से लेकर अब तक राज्य में हर बार मतदान प्रतिशत में वृद्धि देखी जा रही है। 2021 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गौर करें तो एलडीएफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 99 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि यूडीएफ गठबंधन ने केवल 41 सीटों पर ही जीत हासिल की थी। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के लिए यह चुनाव काफी निराशाजनक साबित हुआ था, जिसके गठबंधन को एक भी सीट नहीं मिली थी। केरल विधानसभा चुनाव से जुड़े ये आंकड़े केवल सर्वेक्षण और अनुमान पर आधारित हैं और इनका चुनावी नतीजों से कोई सरोकार नहीं है। चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित होंगे, जिसके बाद ही तस्वीर साफ हो सकेगी।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को आईपीएल के 43 वें मैच में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो रॉयल्य जीत की प्रबल दावेदार है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं और 12 अंक लेकर वह तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और पक्की करना रहेगा। पिछले मैच में उसने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने जोरदार वापसी की है। कप्तान रियान पराग की राजस्थान के पास वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज, वहीं जोफ्रा आर्चर जैसे तेज गेंदबाज और स्पिनर के तौर पर रविन्द्र जडेजा हैं।

वहीं दूसरी और अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक केवल 3 मैच जीते हैं और उसके 6 अंक हैं इससे वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पिछले मैच में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ केवल 75 रन पर ही सिमट गयी थी। जिससे उसके बल्लेबाज इस मैच में भी दबाव में होंगे। उसकी ओर से अब तक केवल केएल राहुल ही बड़ी पारियों खेल पाये हैं। वहीं अन्य बल्लेबाजों डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

उसके लिए राहत की बात केवल इतनी सी है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क फिट हो गये हैं और वह वापसी के लिए तैयार हैं। स्टार्क अगर खेलते हैं तो दिल्ली की गेंदबाजी मजबूत होगी। इसके अलावा वह लुंगी एनगिडी एंटीगिटी के नहीं खेलने से होने वाली कमी भी भर देंगे। एंटीगिटी चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 29 मैच हुए हैं इसमें से राजस्थान ने 15 जबकि दिल्ली ने 14 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा, शुभम दुबे, ।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

अभिषेक ऑरेंज कैप और ईशान मलिंगा पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए आईपीएल मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव आया है। अब एक बार फिर सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में नंबर एक आ गये हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। अभिषेक ने मुम्बई के खिलाफ मैच में 24 गेंदों में 45 रन बनाये। इससे अब उनके कुल 425 रन हो गये हैं। वहीं सनराइजर्स के ही हेरनिक क्लासेन 414 रनों के साथ ही दूसरे और राजस्थान के वैभव 400 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। केएल राहुल चौथे और विराट कोहली पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं दूसरी और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाले पर्पल कैप के लिए सनराइर्स के ईशान मलिंगा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। ईशान ने अब तक 15 विकेट लिए हैं। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ ईशान ने एक विकेट लिया था। वहीं आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार, रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज तीनो ही 14-14 विकेट के साथ ही दसरे तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। हहैं। इसके बाद 13 विकेट के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव 13 विकेट के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं।

केविन पीटरसन की दक्षिण अफ्रीका को अपील, 2027 विश्व कप के लिए इस प्लेयर को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दक्षिण अफ्रीकी टीम मैनेजमेंट से अपील की है कि वे अपने घरेलू मैदान पर।ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का खिताब जीतने की कोशिश में हेनरिक क्लासेन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं। क्लासेन ने पिछले साल जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। वह मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तक वह इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 9 पारियों में 59.14 की औसत और 157.41 के स्ट्राइक रेट से 414 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं।

गुरुवार को X पर लिखते हुए पीटर्सन ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका ने कभी क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं जीता है! आज सुबह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड की तरफ से हेनरिक क्लासेन को एक फोन कॉल जाना चाहिए, जिसमें उनसे पूछा जाए कि क्या वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं और अपना पहला वर्ल्ड कप जीतने के अभियान में एक अहम भूमिका निभा सकते हैं, जो अगले साल दक्षिण अफ्रीका में ही होगा।'

क्लासेन का अंतरराष्ट्रीय रिटायरमेंट वापस लेना, हालांकि यह पूरी तरह से उन्हीं पर निर्भर करता है, लेकिन यह पूरी तरह से असंभव भी नहीं है; क्योंकि पिछले साल विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने भी इस साल के टी20 वर्ल्ड कप 2026 और 2027 के घरेलू वर्ल्ड कप में खेलने के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट से अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया था और तब से उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं।

क्लासेन ने 2018-25 तक फैले अपने सात साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में 122 मैचों में 32.45 की औसत और 117.40 के स्ट्राइक रेट से 3,245 रन बनाए, जिसमें चार शतक, 16 अर्धशतक और 174 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। हालांकि उनका टेस्ट करियर छोटा रहा जिसमें उन्होंने 4 मैचों में सिर्फ़ 104 रन बनाए लेकिन क्लासेन प्रोटियाज के लिए एक मूल्यवान व्हाइट-बॉल क्रिकेटर साबित हुए। उन्होंने 60 वनडे मैचों में 43.69 की औसत और 117 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 2141 रन बनाए। इसमें चार शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं और 56 पारियों में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 174 रन रहा। टी20आई में उन्होंने 58 मैचों की 53 पारियों में 23.25 की औसत और 141 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,000 रन बनाए। इसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 81 रन रहा।

मुम्बई को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे कम से कम पांच मैच

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस आईपीएल के 19 में सत्र में अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और उसे 8 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इससे मुम्बई के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं काफी कम हो गयी हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई है। प्लेऑफ के लिए अब मुम्बई को बचे हुए सभी 6 मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वह सफल रही तो उसे उसके 16 अंक हो जाएंगे और उसके लिए प्लेऑफ की राह खुली रहेगी। अभी टीम 4 अंक के साथ ही 9वें स्थान पर है। टीम को लीग स्तर पर अभी 6 मैच और खेलने है। उसका रेट में भी काफी कम है जिससे

भी उसे नुकसान हुआ है। उसे इस सत्र में प्लेऑफ के लिए अब कम से कम 14 अंकों की जरूरत है। इसके अलावा उसे अपने रनरेट में भी सुधार करना होगा।

ऐसे में टीम अगर शेष 6 मैचों में से 5 भी जीतती है तो भी उसे प्लेऑफ की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं अगर वह केवल 4 मैच जीतती है और दो में हारती है तो बाहर हो जाएगी। इस सत्र में अब तक जिस प्रकार से मुम्बई का प्रदर्शन रहा है उससे उसके लगातार मैच जीतने की संभावनाएं कम ही हैं। गत दिवस हुए मैच में उसे 243 रनों का बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार झेलनी पड़ी। टीम की हार का कारण बल्लेबाजों और गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। जिससे टीम नीचे आयी है।

बीसीसीआई ने रियान पराग पर ई-सिगरेट सेवन के लिए जुर्माना लगाया

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप्स) का सेवन करना भारी पड़ा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इससे आचारसंहित का उल्लंघन मानते हुए 'स्मोकिंग एक्ट के तहत ही पराग पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके अलावा उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इससे पहले बोर्ड ने उन्हें नोटिस भेजा था। उन पर खिलाड़ी आचार संहित के नियम 2.1 के तहत लेवल 1 का अपराध लगाया गया है। जो आचारसंहित का के पालन से जुड़ा है। पराग को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम के अंदर स्मोकिंग करते हुए देखा गया था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद से ही वह आलोचना का शिकार हो रहे थे। वहीं बोर्ड और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के सूत्रों के अनुसार पराग को गुरुवार सुबह नोटिस दिया गया था। पराग ने इस मामले में जुर्माना भरना स्वीकार कर लिया है। ऐसे में अब इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं होगी। ये दूसरी बार है जब रॉयल्स विवादों में आई है। इससे पहले टीम मैनेजर को भी डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते देखा गया था।

वैभव के पास दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ मुकाबले में पोलार्ड का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रायल्स की टीम अब एक मई शुक्रवार को दिल्ली कैपल्स से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरें राजस्थान के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव इस मैच में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक छक्के की जरुरत है। अगर वैभव इसमें सफल रहे तो वह किरोन पोलार्ड का सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ देंगे। पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में वैभव ने पांच छक्के लगाये थे। इन पांच छक्कों के साथ ही

उनके अब टी20 की 27 पारियों में कुल 99 छक्के हो गए हैं। टी20 में सबसे तेज 100 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड अभी पोलार्ड के नाम है। उन्होंने 843 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूर्यवंशी ने अब तक 511 गेंदें ही खेली हैं। ऐसे में उनका नंबर एक पर आना तय है।

वैभव ने आईपीएल सत्र की शुरुआत साल 2025 में की थी। तब वह केवल 14 साल की उम्र में खेलने उतरे थे। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमरार और पैट कमिंस जैसे गेंददाजों पर भी छक्के लगाये हैं। इसके अलावा जोश हेजलवुड, अर्शदीप सिंह सहित कई गेंदबाज भी वैभव से बच नहीं पाये हैं।

वैभव ने इस सत्र में साकिब हुसैन की गेंद पर छक्का लगाकर सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया था। ये लीग का तीसरा सबसे तेज शतक रहा है। उन्होंने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगा दिया था। वहीं क्रिस गेल के नाम आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने 30 गेंद में 100 रन बनाए थे। वैभव टी20 में सबसे कम उम्र में 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

38 के हुए रोहित को जन्मदिन पर मिली बधाई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहत शर्मा आज 38 साल के हो गये। जन्मदिन पर रोहित को साथी क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाई दी है। रोहित ने अपना 38वां जन्मदिन जयपुर के होटल में अपने परिवार और मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथियों के साथ मनाया। रोहित ने अपने करियर में कई सफलताएं हासिल की हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने चैम्पियसं ट्रॉफी और टी20 विश्कप जीत है। मैदान पर छाये रहने वाले रोहित ने अपने क्रिकेटिंग करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। खेल के साथ ही वह धन कमाने में भी पीछे नहीं रहे हैं। रोहित भारतीय क्रिकेट के सबसे धनी खिलाड़ियों में से एक हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल नेटवर्थ 233 करोड़ रुपये के करीब है। आजकल वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं पर उनकी लोकप्रियता में कमी नहीं आई है। उनकी आय का मुख्य स्रोत बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से मिलने वाली मोटी रकम और कई बड़े ब्रांड से जुड़े होना है। रोहित लंबे समय तक बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध में शीर्ष पर रहे हैं। उन्हें आईपीएल सीजन में उन्हें सालाना 16.30 करोड़ रुपये मिलते हैं। उन्होंने अब तक सिर्फ आईपीएल से ही 195 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके अलावा वह 25 से अधिक बड़े ब्रांड्स के लिए वे एंडोर्समेंट करते हैं। उनका मुंबई के पॉश वरली इलाके में एक घर है। उनके पास लग्जरी और स्पोर्ट्स कारें भी है। इसमें पसंदीदा लेम्बोर्गिनी उरुस के साथ ही मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, बीएमडब्ल्यू एम-5, रेंज रोवर, टोयोटा फॉर्च्यूनर और टेस्ला मॉडल वाई जैसी शानदार गाड़ियां शामिल हैं।

आईपीएल में बड़े स्कोर वाले मुकाबलों को मुरलीधरन ने खेल की जरुरत बताया, पिच पर भी उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में बल्लेबाजों का दबदबा जारी है, जहां लगातार बड़े स्कोर बन रहे हैं और असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी आसानी से हासिल किए जा रहे हैं उससे कई सवाल भी उठा रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 244 रनों का विशाल लक्ष्य जिस सहजता से पीछा किया, उसने एक बार फिर बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों पर बहस छेड़ दी है। इस मुकाबले में जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का भी महंगा साबित होना चिंता का विषय बन गया है, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या खेल में गेंदबाजों के लिए कुछ बचा है या नहीं।

वहीं इस मुद्दे पर सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि अगर संतुलित विकेट मुहैया कराए जाएंगे, तो दर्शकों के लिए मैच मजेदार नहीं

होंगे। मुरलीधरन के अनुसार, टी20 क्रिकेट की पहचान ही चौके-छक्के हैं और प्रशंसक यही देखना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीएल एक बहुत बड़ा बिजनेस है और यदि मैचों में बड़े स्कोर नहीं बनेंगे, तो स्वाभाविक रूप से दर्शकों और प्रायोजकों दोनों की इसमें रुचि कम होने लगेगी, जिसका सीधा असर लीग की लोकप्रियता और वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा।

मुरलीधरन ने बाउंड्री लाइन बढ़ाने जैसे सुझावों को भी खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। उनका मानना है कि जब बल्लेबाज बिना किसी डर के खुलकर आक्रामक तरीके से बल्लेबाजी करते हैं, तो गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना या रनों पर अंकुश लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है। पूर्व दिग्गज स्पिनर ने यह भी दावा किया कि आक्रामक बल्लेबाजी का यह ट्रेंड सनराइजर्स हैदराबाद ने ही सबसे पहले शुरू किया था, जिसे अब बाकी टीमें भी अपना रही हैं।

मुरलीधरन ने बताया कि खेल में आए इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण पावरप्ले में बनने वाले रनों में देखी जा सकती है। जहां पहले पावरप्ले में 40-50 रन को एक अच्छा स्कोर माना जाता था, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 70-80 रन तक पहुंच गया है। आज के बल्लेबाज विकेट खोने की चिंता किए बिना सिर्फ रन बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे गेंदबाजों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है।

चैंपियंस लीग फुटबॉल में एटलेटिको और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा

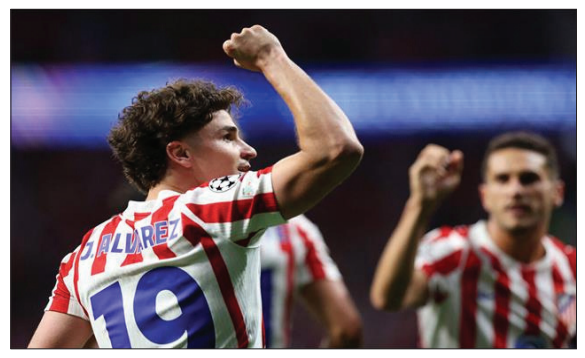

मैड्रिड । एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल 2026 में पहला लेग 1-1 से ड्रा रहा। स्पेन के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेला गया यह मैच पेनल्टी और वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) के फैसलों के कारण विवादों में रहा, जिसने अंतिम टिकट कटाने के लिए लंदन में होने वाले अगले सप्ताह के दूसरे लेग को और भी अम बना दिया है। आर्सेनल के लिए यह ड्रॉ थोड़ा निराशाजनक रहा, क्योंकि वीएआर के देर से आने के कारण उन्हें दूसरे पेनल्टी का अवसर नहीं मिला। इस मुकाबले में दोनो ही टीमें शुरुआत से ही सतर्क नजर आईं, किसी भी गलती से बचने के प्रयास करती रहीं। एटलेटिको ने अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत की। पहला हाफ समाप्त होने से ठीक पहले, आर्सेनल को बढ़त मिली। । बॉक्स के अंदर विक्टर ग्योकेरेस को डेविड हैंको द्वारा धक्का दिए जाने के बाद रेफरी ने उसे पेनल्टी दी जिसे ग्योकेरेस ने गोल में बदलकर आर्सेनल को 1-0 कीबढ़त दिला दी। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एटलेटिको मैड्रिड ने अच्छी वापसी की। 56वें मिनट में, बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद एटलेटिको को पेनल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में जूलियन अल्वारेज ने कोई गलती नहीं की और स्कोर 1-1 पर पहुंचा दिया। 78वें मिनट में फाउल के कारण आर्सेनल को एक और पेनल्टी मिलने की उम्मीद थी पर वीएकआरे ने रेफरी के शुरुआती फैसले को पलट दिया, जिससे आर्सेनल को निराशा हुई। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर वे गोल नहीं कर पायीं। दोनों टीमें अब अगले सप्ताह लंदन में होने वाले दूसरे लेग में उतरेंगी।

मार्टा ने नोस्कोवा को हराकर मैड्रिड ओपन सेमीफाइनल में जगह बनायी

मैड्रिड। यूक्रेन की महिला टेनिस खिलाड़ी मार्टा कोस्त्युक मैड्रिड ओपन में अच्छे प्रदर्शन के साथ ही अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में जगह बनायी है। मार्टा ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य की 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में 7-6(1), 6-0 से हराया। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए मार्टा की टक्कर अनास्तासिया पोटापोवा से होगी।पहले सेट में मार्टा और नोस्कोवा दोनों खिलाड़ियों को ही कड़ा संघर्ष करना पड़ा। मार्टा ने निर्णायक टाई-ब्रेक में 7-1 से जीत हासिल कर ली। वहीं दूसरे सेट में मार्टा हावी रहीं। उन्होंने यह सेट 6-0 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। वहीं अनास्तासिया पोटापोवा और मार्टा का डब्ल्यूटीए टूर पर रिकॉर्ड 2-2 का है पर उन्होंने अपने पिछले दो मुकाबले सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में हुआ मैच भी शामिल है। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट के बीच मुकाबला होगा। मार्टा के लिए यह सत्र विशेष रहा है। मैड्रिड में वह एक भी सेट नहीं हारी हैं। वहीं राउंड ऑफ 32 में उसे जेसिका पेगुला पर बड़ी जीत मिली। है। जीत के बाद मार्टा उत्साहित होते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय लगता है।

थॉमस कप फाइनल्स : क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगा भारत

होर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। भारत थॉमस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा। भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुवाई दुनिया के नंबर

छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं। उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं।

युगल में ताइपे के पास चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप की अपनी बेहतरीन लय को यहां भी बरकरार रखा है। उस चैंपियनशिप में वह उपविजेता रहे थे। यहां उन्होंने अपने तीनों मैच जीते हैं।

भारत के दो अनुभवी खिलाड़ियों एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत ने तीसरे एकल मुकाबले की जिम्मेदारी आपस में बांटी है। बुधवार को खेले गए मैच में श्रीकांत ने चीन के लू गुआंग झू के खिलाफपिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए शानदार जीत दर्ज की। प्रणय ने 2022 में भारत की खिताबी जीत के दौरान भी ऐसी ही भूमिका निभाई थी। ऑल इंग्लैंड के फाइनल में जगह बनाने वाले लक्ष्य सेन भले ही तीन गेम वाले दो रोमांचक मुकाबले हार गए हों लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है।

अब जब उनका मुकाबला नाराओका से होगा तो भारत की जीत काफी हद तक उन्हीं पर निर्भर करेगी। वह जापान के इस प्रतिद्वंद्वी से छह बार हार चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने अपने शुरुआती दो मैच जीते,लेकिन उसके बाद वे चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से करीबी मुकाबले में हार गए। सात्विक के कंधे की चोट से उबरने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट था और उम्मीद है कि यह करीबी मुकाबला उन्हें नॉकआउट चरण से पहले तैयारी में मदद करेगा। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की दूसरी युगल जोड़ी ने भी अब तक अपने तीन में से दो मैच जीते हैं और वे भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में मदद करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वर्ष 2022 में खिताब जीतने के अलावा भारत ने 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक भी जीते हैं।

आईपीएल में अभी किसी टीम को प्रबल दावेदार नहीं बता सकते : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है आईपीएल में सभी टीमें अच्छा खेल रही हैं और ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी टीम जीतेगी । पंजाब किंग्स अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए काफी अच्छा कर रही है। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी उसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। अन्य टीमों भी उलटफेर कर रही हैं। कुल मिलाकर टूर्नामेंट अभी संतुलित हाल में है और कोई भी टीम आगे जा सकती है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है ये टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। गांगुली के अनुसार अभी करीब आधे मुकाबल बचे हुए है और ऐसे में ये टूर्नामेंट किसी भी दिशा में जा सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो अभी कोई भी टीम ऊपर आ सकती है क्योंकि इस बार काफी अच्छी प्रतिस्पर्धा हो रही है। । अंक तालिका में भी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हो रहा है। पंजाब किंग्स अभी पहले स्थान पर चल रही है। वहीं दूसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है और तीसरे पर राजस्थान रॉयल्स वह चौथे पर सनराइजर्स हैदराबाद है। गुजरात टाइटन्स पांचवें स्थान पर है।

विजय वर्मा ने नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर बात की

विजय वर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। बातचीत में विजय ने इस प्रोजेक्ट को चुनने की वजह, शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों और निर्देशक नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने इस खेल की बारीकियों, उसे समझने में आई मुश्किलों और उससे जुड़ी अपनी निजी यादों का भी जिक्र किया।

'मटका किंग' को हां कहने की वजह पूछे जाने पर विजय ने सबसे पहले निर्देशक नागराज मंजुले का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरा सपना था पर जब मैंने अपने किरदार के बारे में सुना तो थोड़ा डर गया कि मैं यह कर पाऊंगा या नहीं। डर इसीलिए था क्योंकि नागराज की फिल्मों में हर बारीकी पर ध्यान दिया जाता है।

शूटिंग के दौरान सबसे बड़ी चुनौती क्या रही? इस पर विजय ने कहा, 'सबसे मुश्किल था मटके का खेल समझना। बाहर से देखने पर लगता है कि ये सिर्फ ताश का खेल है लेकिन जब आप उसे किरदार के साथ जीते हैं, तब पता चलता है कि उसके भीतर कितनी बारीकियां हैं। ताश खेलते हुए डायलॉग बोलना, बातचीत करना, एक्सप्रेशन बनाए रखना और साथ ही उस दुनिया में बने रहना... ये सब एक साथ करना अपने आप में बड़ा चैलेंज था।'

ट्रेन के सफर में खेलता था ताश

दिलचस्प बात यह है कि ताश से विजय का रिश्ता सिर्फ इस सीरीज तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि असल जिंदगी में भी वह ताश खेल चुके हैं। विजय बोले, 'मैंने रियल लाइफ में भी खूब ताश खेला है। हैदराबाद से किशनगढ़ के ट्रेन सफर के दौरान एक अलग ही माहौल हुआ करता था। लोग अपने सब जरूरी सामान के साथ ताश लेकर चलते थे, ताकि सफर आराम से कट जाए। मैं भी उन्हीं में शामिल था और मुझे भी सफर के दौरान ताश खेलना पसंद था।'

बातचीत के दौरान जब विजय से पूछा गया कि ऐसी कौन सी लत है, जो चाहकर भी छूट नहीं रही? तो विजय ने हंसते हुए कहा, 'मैं बहुत कोशिश करता हूं कि वक्त पर सो जाऊं लेकिन पता नहीं क्यों ऐसा हो नहीं पाता। रात के एक-दो बज ही जाते हैं। कोशिश तो करता हूं, लेकिन रोज बुरी तरह फेल हो जाता हूं। यही मेरी एक ऐसी आदत है, जिसे चाहकर भी बदल नहीं पा रहा हूं।'

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी, करिश्मा कपूर ने बताया अब क्यों करतीं हैं कम काम

अभिनेत्री करिश्मा कपूर लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, उनका कहना है कि वो अब समय को ज्यादा महत्व देती हैं और चुनिंदा प्रोजेक्ट्स पर ही काम करना चाहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने करियर और काम के प्रति अपने जुनून को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि अब वो किस तरह के प्रोजेक्ट्स करना चाहती हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने अपने समय के दौर को भी याद किया।

अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं

करिश्मा कपूर ने दशकों से इंडस्ट्री को करीब से देखने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज काम जुनून और उद्देश्य से जुड़ा है। मैं इंडस्ट्री में पली-बढ़ी हूं और मुझे कमर्शियल ब्लॉकबस्टर से लेकर एक्सपेरिमेंटल फिल्मों तक, हर तरह की भूमिकाएं निभाने का सौभाग्य मिला है। अब हर जगह मौजूद रहने के बजाय मैं उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरे दिल को छूते हैं। अभिनेत्री स्वीकार करती हैं कि अब समय उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले लगातार काम करने और एक सेट से दूसरे सेट पर जाने की वजह से काफी भागदौड़ रहती थी। अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं। मैं सोच-समझकर प्रोजेक्ट चुनती हूं क्योंकि मैं चाहती हूं कि हर प्रोजेक्ट के लिए समय निकालना सार्थक हो और साथ ही परिवार को भी पर्याप्त समय मिल सके। स्क्रिप्ट तो जरूरी है ही, लेकिन साथ ही लोग और कहानी के पीछे का मकसद भी मायने रखता है।

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी

अभिनेत्री ने आगे कहा कि बड़े पर्दे का अपना ही जादू है, यहीं से मैंने शुरुआत की थी और यह हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा। लेकिन मुझे यह भी पसंद है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ कहानी कहने का तरीका कैसे विकसित हुआ है। वेब मुश्किल कहानियों और अलग-अलग तरह के किरदारों के लिए मौका देता है। मेरे जैसी किसी के लिए जो आगे क्या करना है, इस बारे में सोच-समझकर फैसला लेती है यह एक बेहतरीन क्षेत्र है। हालांकि, मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी।

2024 में आखिरी बार मर्डर-मिस्ट्री में नजर आई थीं करिश्मा

वर्कफ्रंट की बात करें तो करिश्मा कपूर आखिरी बार साल 2024 में आई मर्डर-मिस्ट्री फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म थी, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म को खास प्रतिक्रियाएं नहीं मिली थीं। उनके आगामी प्रोजेक्ट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है।

खुद कंजूस रही हूं, पर पति कंजूस नहीं चलेगा

'दंगल', 'बधाई हो' और 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा पिछले दिनों अपनी भावनात्मक फिल्म 'मिसेज के जीते अवॉर्ड्स' को लेकर खबरों में थीं, वहीं अब वह चर्चा में हैं अपनी कॉमिडी फिल्म 'टोस्टर' को लेकर। सान्या का कहना है कि अपनी कई फिल्मों में इमोशनल भूमिकाएं करने के बाद असल में वह ऐसे 'फील गुड किरदार' की तलाश में थीं। बकौल सान्या, 'इस फिल्म में काम करना मेरे लिए बहुत मजेदार अनुभव रहा, क्योंकि बतौर ऐक्टर मैं एक ऐसे किरदार के तलाश में थी जिससे मुझे फील गुड वाला अहसास कराए। मैंने इतनी कॉमिडी की भी नहीं है। मैंने ड्रामा वाली फिल्में ज्यादा की हैं और उसमें भी कुछ बहुत इमोशनल वाली भी रही हैं, ऐसे में कॉमिडी करना अच्छा ब्रेक था।' सान्या आगे बताती हैं, 'मुझे ऐसी मजेदार फिल्में देखना भी बहुत पसंद है। उस पर अगर आपको एक ऐसी टीम के साथ काम करने को मिले जहां आपको पता है कि आप सेट पर खुशी-खुशी जाओगे और खुशी-खुशी वापस आओगे। इसके अलावा, फिल्म में जो मेरे को-ऐक्टर्स हैं, उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी कमाल है कि उन्हें ऐक्टिंग करते देखना भी बहुत मजेदार होता है। जैसे, जब आप राज (राजकुमार राव) और अभिषेक (बनर्जी) को कुछ इंप्रोवाइज करते हुए देखते हैं तो बड़ा मजा आता है।'

फिल्म में सान्या का पति महाकंजूस होता है, क्या असल जिंदगी में कंजूस पति चलेगा? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'भगवान न करे कि कंजूस पति मिले। पता चला लंच के लिए लंगर पर लेकर चला जाए (हंसती हैं)। हालांकि, मैं खुद कंजूस रह चुकी हूं। मैं काफी सोच-समझकर खर्च करने वाली रही हूं और हर चीज खरीदने से पहले काफी सोचती थी, मगर पति तो कंजूस बिल्कुल नहीं चलेगा।'

सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सपना सच होने जैसा...

2022 की फिल्म 'ऊंचाई' के लिए बेस्ट डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, सूरज बड़जात्या वापस आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम है 'ये प्रेम मोल लिया'। यह एक अच्छी पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है। इस फिल्म को लेकर शरवरी वाघ बेहद खुश हैं। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें राजश्री के प्यारे किरदार 'प्रेम' को 12 साल बाद बड़े पर्दे पर लाया जा रहा है। आयुष्मान खुराना पहली बार प्रेम का रोल निभा रहे हैं। उनके साथ मुख्य अभिनेत्री शरवरी वाघ हैं। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर बनाई है। शरवरी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ''ये प्रेम मोल लिया' मेरे लिए एक बहुत खास फिल्म है। सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सबसे बड़ा सपना सच होने जैसा लग रहा है। आयुष्मान के साथ यह सफर और भी खूबसूरत बन गया है।' शरवरी ने आगे लिखा, '27 नवंबर 2026 को सब लोग सिनेमाघर में फिल्म देखने जरूर आएं।'

फिल्म का संगीत होगा खास

इस फिल्म में 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया फिर साथ काम कर रहे हैं। पिछली बार 2014 में सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में दोनों ने साथ काम किया था। उस वक्त कई हिट गाने आए थे। अब भी दमदार संगीत आने की उम्मीद है।

आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की

आयुष्मान खुराना इस साल तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इन दिनों आयुष्मान 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की। साथ ही बताया कि वह हर फिल्म के साथ कुछ नया करने की कोशिश क्यों करते हैं?

आयुष्मान खुराना इस साल 2026 में तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं, ये सभी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पहली फिल्म कॉमेडी और रिश्तों पर है। जबकि दूसरी फिल्म अनोखी और विद्रोही है। तीसरी फिल्म परिवार और परंपरा पर आधारित है। पहली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो', जो 15 मई को रिलीज होगी। दूसरी फिल्म 'उड़ता तीर', जो 11 सितंबर को आएगी। तीसरी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया', जो 27 नवंबर को रिलीज होगी।

आयुष्मान ने कहा, 'मैं कभी भी जानबूझकर अलग तरह के रोल दिखाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए सिर्फ वो कहानियां महत्वपूर्ण हैं, जो मुझे दर्शक के रूप में अच्छी लगती हैं। तीन अलग-अलग फिल्में एक ही साल में करना रोमांचक है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी है। यह मुझे हर बार नया बनने के लिए प्रेरित करता है।'

मैं मनोरंजक फिल्में करना चाहता हूं

आयुष्मान ने कहा, 'आज के दर्शक कुछ नया देखना चाहते हैं। वे एक ही चीज बार-बार नहीं देखना चाहते। मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता हूं, जो मनोरंजक हों और कुछ संदेश भी दें। अगर लोग इसे अलग तरह की फिल्में कह रहे हैं, तो मैं आभारी हूं। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ जिज्ञासु बने रहना और ईमानदार रहना है।

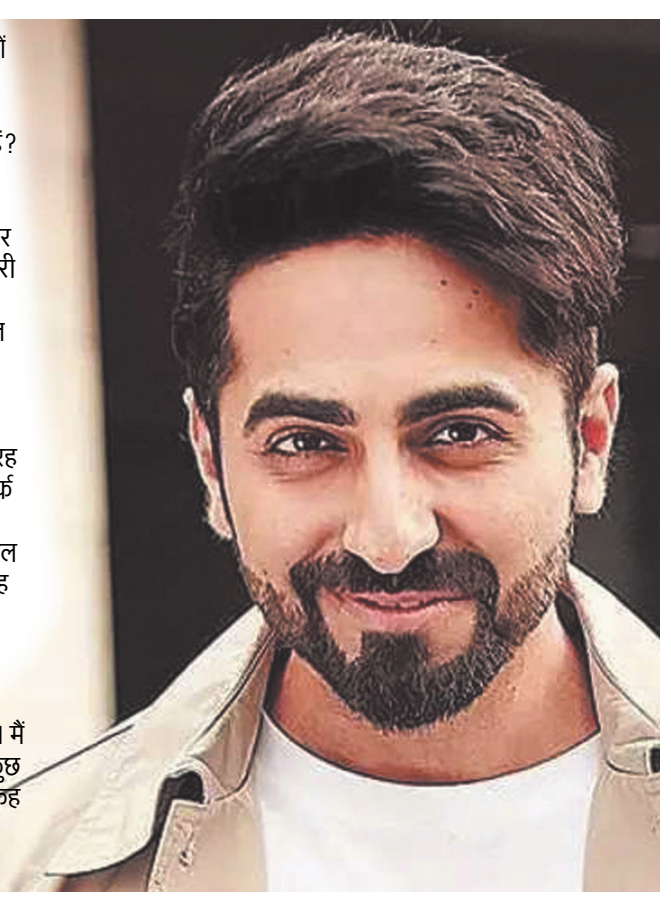

प्रियंका और सामंथा लाईं इंडस्ट्री में बदलाव

'जो मेहनत करता है, उसे फल मिलता है।' कहना है जानी-मानी एक्ट्रेस सई ताम्हणकर का। मराठी के साथ-साथ हिंदी फिल्म जगत में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरने वाली सई 'दुनियादारी', 'हंटर', 'मिमी', 'बेरोजगार', 'धुरला', 'दलदल' और 'डब्बा कार्टलट जैसे हिंदी-मराठी के प्रोजेक्ट्स से खुद को वर्सेटाइल एक्ट्रेस के रूप में साबित कर चुकी हैं। वह अपने सफर को बहुत ही ग्रेसफुल नजरों से देखती हैं और बहुत विनम्र महसूस करती हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज 'मटका किंग' से। उनसे एक बातचीत।

स्कूल में खेलती थी कबड्डी-कराटे

सई आज मराठी और हिंदी इंडस्ट्री में अपना अच्छा नाम बना चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक्ट्रेस बनेंगी। वह बताती हैं, 'मेरे पिता जहाज में काम करते थे और अक्सर समुद्री यात्राओं पर रहते थे। घर पर मैं और मम्मी ही होते थे, और उन्होंने मुझे हमेशा आत्मनिर्भर बनना सिखाया। मुझे मजबूत और दबंग बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। स्कूल में मैं 'कबड्डी गर्ल' के नाम से जानी जाती थी। मेरे घुटने हमेशा चोटिल रहते थे और मुझमें पारंपरिक 'लड़कियों वाली' बातें कम ही थीं। मैं टॉमबॉय थी। कॉलेज तक मेरा बॉयकट हेयरस्टाइल रहा। इसी दौरान मैंने कराटे सीखा और ऑरेंज बेल्ट हासिल की। मेरी मां और खेलों ने मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत किया। मेरे बेबाक और बिंदास स्वभाव की वजह से लोग मेरे सामने कुछ गलत करने से हिचकते हैं। मेरा मानना है कि हर लड़की को आत्मनिर्भर और दबंग होना चाहिए।'

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है

आमतौर पर साउथ या मराठी फिल्म जगत से आई हुई एक्ट्रेसेस को रीजनल एक्ट्रेस का टैग दे दिया जाता है। इस पर वह अफसोस जताते हुए कहती हैं, 'कभी -कभार दर्द होता है कि ऐसा क्यों है? हम तो दोनी ही इंडस्ट्री में उतनी ही लगन और मेहनत काम करते हैं। हालांकि वो जमाना चला गया है, जब भाषा के आधार पर विभाजन किया जाता था। इस मुद्दे पर मैं दर्शकों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वो हमें काम के आधार पर तौलें। जहां तक टैग देने की बात है, तो उन्हें तोड़ने में भी खूब मजा आता है। वो हमारे लिए ईंधन का काम करते हैं। मेरे जैसे और भी कई कलाकार हैं, जो इस बॉक्स को तोड़ने में लगे हुए हैं। हिंदी में 'मिमी' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने मुझे इस टैग से बाहर आने में मदद की। मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और भी कई दूसरे पुरस्कार मिले।'

'कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है'

सई मानती हैं कि लेबल लगाने के साथ-साथ कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है। वह कहती हैं कि ये सालों से अंडरकरंट देखा जाता है। वह कहती हैं, 'इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।' इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

प्रियंका और सामंथा लाईं बदलाव

पुरुष प्रधान इंडस्ट्री में हीरोइन की तुलना में हीरो को ज्यादा अहमियत जी जाती है? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'कुछ सालों में ये हालात बदले हैं। प्रियंका चोपड़ा और सामंथा रुथ प्रभु का इस बदलाव में बड़ा योगदान यही। इन्होने धीरे-धीरे वो ब्रैकेट्स तोड़ने शुरू किए। पहले की तुलना मैंने आज हालात बदले हैं, पहले तो बहुत ही बुरी स्थिति थी।' पे पैरिटी के मुद्दे पर सई ताम्हणकर कहती हैं, 'जब भी नेगेटिव चीजें होती हैं, उनके बारे में काफी हो-हल्ला होता है, पर सकारत्मक चीजों पर बात काम ही होती है।

वेब सीरीज के लिए छोड़ी प्राइज मनी

इंडस्ट्री में दो दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुकी सई अपनी फीस को लेकर कहती हैं, 'मैं अगर अपनी बात करूं, तो कई बार मैं अपने मनमुताबिक अपनी फीस ले पाती हूं और कई बार नहीं ले पाती, मगर जितनी बार ले पाई, उसने मुझे बहुत हौसला दिया है। एक एक्टर को पता होता है कि कब अपनी फीस छोड़नी है और कब अड़े रहना है, क्योंकि एक्टिंग के पेशे के बावजूद कई बार हम सृजनात्मक संतुष्टि के लिए काम करते हैं, तो कई बार ऐसा मौका भी आया कि मैंने अपनी प्राइज मनी छोड़ दी हो।' 'मैंने यूट्यूब के लिए एक वेब सीरीज की थी और उसके लिए मैंने अपना मेहनताना छोड़ दिया था, मगर उसका जो रिस्पॉन्स आया था, उसका मोल कुछ हो ही नहीं सकता। उस वेब सीरीज का नाम था 'बेरोजगार'।

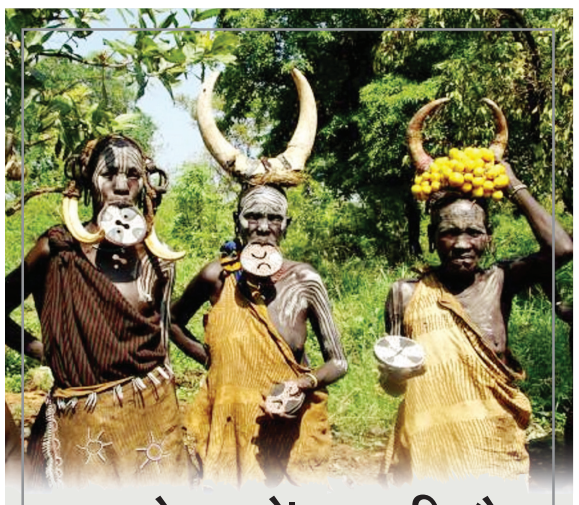

इस देश में रहती है दुनिया की सबसे खूंखार जनजाति, अजीबोगरीब हैं रस्मों रिवाज

दुनिया में आदिवासियों की कई जनजाति मौजूद है, कुछ जनजाति काफी खूंखार मानी जाती है। आज भी यह अपने पुरानी परंपराओं को पूरे सम्मान से निभाते चले आ रहे हैं। आम इंसान से हटकर यह जंगलों में रहना पसंद करते है, सरकार भी इनकी निजि जिंदगी में दखल देना सही नहीं समझती, इनके अधिकारों की पूरी रक्षा की जाती है। पूरी दुनिया में सबसे खतरनाक मुर्सी जनजाति मानी जाती है, यह इथियोपिया के जंगलों में रहते हैं।

क्यों है सबसे खतरनाक जनजाति?

दक्षिण इथियोपिया और सूडान बॉर्डर पर स्थित ओमान घाटी में रहने वाली यह जनजाति दुनियाभर की खतरनाक जनजातियों में गिनी जाती है, इस जनजाति के लोग किसी की भी हत्या करने से पहले नहीं सोचते, उनके लिए यह एक गौरव की बात होती है। यह जनजाति कई साल पुराने खास तरीके से बने हथियारों का इस्तेमाल करती है, इनसें किसी भी व्यक्ति को मिनटों में मारा जा सकता है। यह एक खास वजह है जो इस जनजाति को दुनिया में सबसे खतरनाक बनाता है।

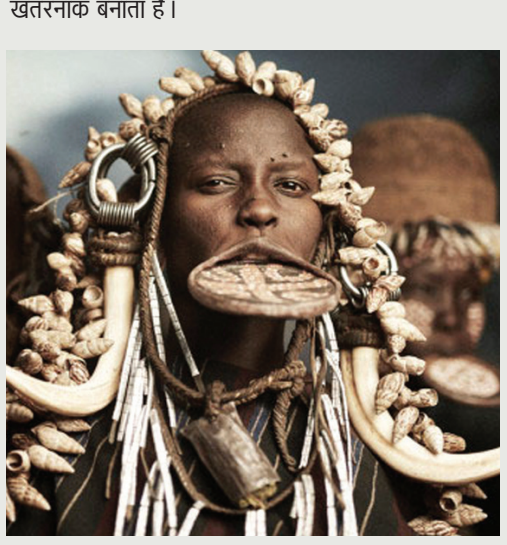

ऐसे अजीबोगरीब है इनके रस्मों रिवाज

मुर्सी जनजाति आज भी सलों से चली आ रही परंपरा को मानती है, इनके यहां दिलदहलाने देने वाली बॉडी मॉडिफिकेशन प्रक्रिया की जाती है औरतों के साथ, उनके निचले होंठ में एक गोल लकड़ी या मिट्टी से बनी डिस्क पहनाई जाती है। ऐसा करने की वजह चौंकाने वाली है कहा जाता इससे महिलाएं कम खूबसूरत दिखेंगी और उन्हें किसी की बुरी नजर नहीं लगेगी।

बिना इजाजत क्षेत्र में जाने से मिलती है मौत

लगभग 10 हजार आबादी वाले इस मुर्सी समुदाय के लोग काफी खतरनाक होते हैं, इनकी इजाज्त लिए बिना आप इनके इलाकें में कदम नहीं रख सकते हैं। यह मानते है कि दूसरों को मारे बिना जीवन चक्र नहीं चल सकता है, अगर वह ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उनके जीवित रहने का कोई मतलब नहीं है इससे बेहतर होगा की वह खुद को खत्म कर लें। अभी तक इस जनजाति ने 100 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है, अगर आप गलती से भी इनके इलाके में चले जाते हैं तो यह आपको मार डालेंगे।

सरकार ने लगाया है बैन?

मुर्सी जनजाति के खूंखार व्यवहार को देखते हुए सरकार ने लोगों को इन से संपर्क करने पर बैन लगाया दिया है। बाहर आए राष्ट्रप्रमुख सरकारी मेहमानों को एक खास आर्म्ड गार्ड के सुरक्षा घेरे इन्हें देखने के लिए भाजा जाता है। यह सुरक्षा घेरा लोगों को इस समुदाय के गेरों से बचाता है।

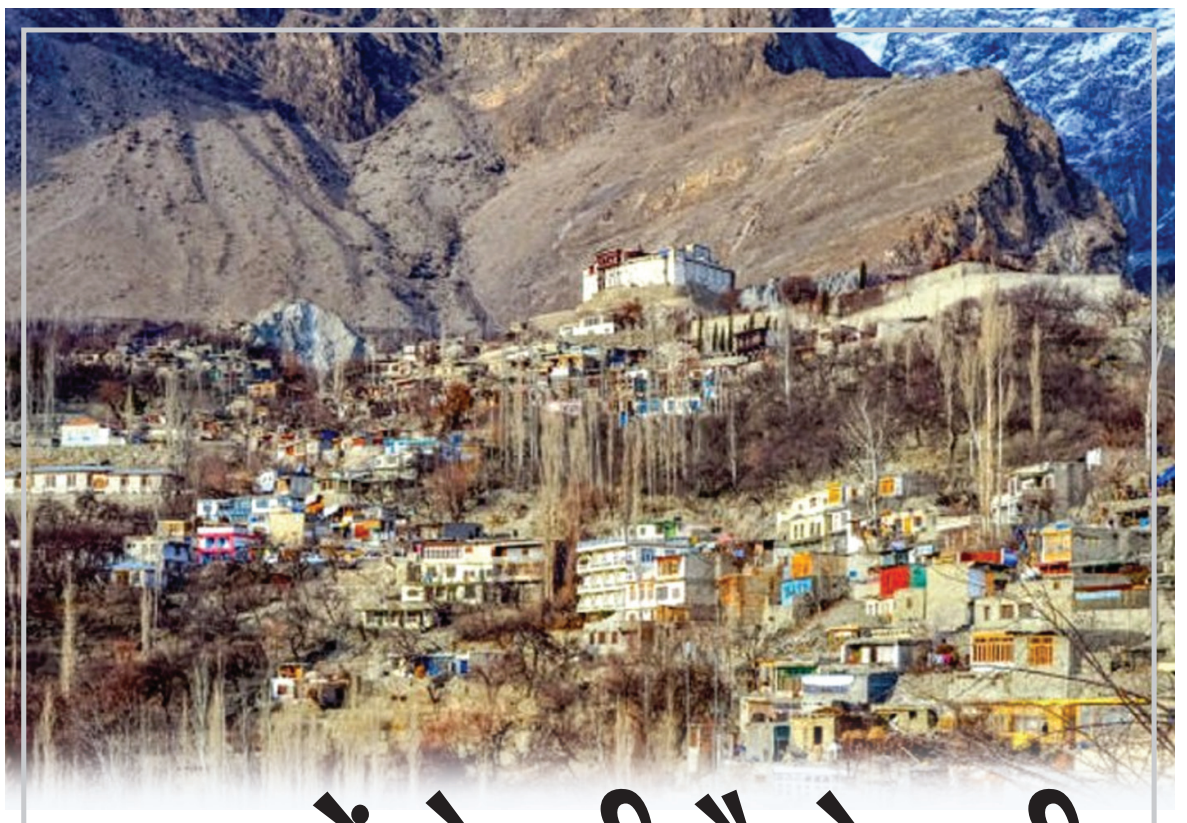

रहस्यों से भरी है ये घाटी

यहां रहने वाले लोग 150 साल तक रहते हैं जिंदा

दुनिया में कई रहस्य छिपे हुए हैं। वैज्ञानिक इन रहस्यों के बारे में लगातार जानने की कोशिश कर रहे हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान की एक घाटी भी रहस्यों से भरी हुई है। नॉर्थ पाकिस्तान की हुंजा वैली में लोग 120 साल से लेकर 150 साल तक जिंदा रह सकते हैं, तो वहीं पाकिस्तान में लोगों की औसत आयु सिर्फ 67 साल है। यहां पर हुंजा समुदाय के लोग रहते हैं।

हुंजा वैली में रहने वाले लोगों की सेहत का राज क्या है? यह अभी दुनिया के ज्यादातर हिस्सों तक नहीं पहुंच पाया है। हुंजा समुदाय के लोगों की आयु बहस का विषय भी रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यहां रहने वाले लोग दुनिया से दूर एक प्रकार के आइसोलेशन में रहते हैं और वह अपनी कुछ खास आदतों की वजह से अधिक सेहतमंद हैं। आखिर पाकिस्तान की इस घाटी के लोग इतने सालों तक कैसे जिंदा रहते हैं यह अभी रहस्य है।

माना जाता है कि इस घाटी में रहने वाले हुंजा समुदाय के लोग ज्यादा उम्र तक बच्चे पैदा कर सकते हैं जो कि असाधारण है। यहां पर न तो लोग कभी बीमार होते हैं और न ही उन्हें कैंसर जैसी घातक बीमारियां होती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुताबिक हुंजा समुदाय की महिलाएं 60 से 90 वर्ष की आयु तक गर्भधारण कर सकती हैं। इस दावे पर शायद किसी साधारण व्यक्ति को यकीन हो।

उत्तर पाकिस्तान के बिल्कुल सूनसान इलाके में हुंजा घाटी स्थित है। यहां रहन वाले लोग किसी भी प्रकार का प्रोसेस्ड फूड नहीं खाते हैं। वह सब्जियां, दूध, अनाज और फल खासतौर पर खूबानी को खाते हैं। ग्लेशियर का पानी पीने के साथ-साथ उनके नहाने के काम भी आता है।

लोगों की नहीं होती हैं जानलेवा बीमारियां

हुंजा समुदाय के लोग खूबानी फल को बहुत शौक से खाते हैं। माना जाता है कि इस फल के जूस को पीकर वहां के लोग कई महीनों तक जिंदा रह सकते हैं। खूबानी के बीज में एमीग्डालिन पाया जाता है जो विटामिन बी-17 का सोर्स होता है। इसकी वजह से लोगों को कैंसर जैसी घातक बीमारियां भी नहीं होती हैं। यह लोग अपने खाने-पीने में कच्चे फल और सब्जियों को प्रमुखता देते हैं। यह लोग मीट कम खाते हैं। यह स्थान बाकी दुनिया से कटा हुआ है और इस वजह से लोगों को साफ हवा भी आसानी से मिलती है। बताया जाता है कि हुंजा समुदाय के लोग हर दिन नियमित रूप से योगा करते हैं जिसमें सांस लेने की टेक्निक और ध्यान भी शामिल होता है। यहां के लोग एनर्जी मैनेजमेंट और रिलैक्सेशन पर भरोसा करते हैं। लगातार काम करने के बीच यहां के लोग आराम करने को प्राथमिकता देते हैं और इमोशनल स्ट्रेस को बढ़ाने वाली चीजों से दूर रहते हैं।

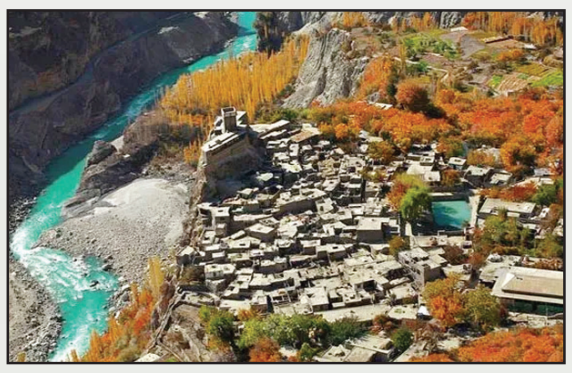

रहस्यों से भरा है समुदाय

यह समुदाय रहस्यों से भरा हुआ है। माना जाता है कि आज तक यहां पर परियां हैं। लोगों का मानना है कि हुंजा वैली के आसपास आज भी परियां रहती हैं और यह स्थानीय लोगों की बाहरी खतरों से रक्षा करती हैं। भेड़, बकरियां चराने वाले चरवाहों के मुताबिक, ऊंचाई वाली जगहों पर जाने पर परियों की आवाज उन्हें सुनाई देती है। यहां के एक व्यक्ति ने एक इंटरव्यू में बताया था कि परियां इंसानों जैसी ही दिखती हैं और सुनहरे बाल और हरे रंग के कपड़ों में रहती हैं।

हॉलीवुड फिल्म में हुआ है घाटी जिक्र

साल 1930 में हॉलीवुड फिल्म लॉस्ट होराइजन रिलजी हुई थी जिसमें हुंजा समुदाय का जिक्र था। फिल्म जेम्स हिल्टन के एक नॉवेल पर बनी थी और इसमें शांगरी-ला को पहली बार दिखाया गया था। फिल्म में अंग्रेजी सेना का काफिला चीन से आते समय हिमालय के क्षेत्र में आकर रुक जाता है। फिल्म में स्थानीय लोगों की मुलाकात उस क्रू से होती है और बर्फीले तूफान की वजह से उन्होंने हुंजा में शरण ली।

दादी का मोती

मोती एक शिकारी कुत्ता था। पतला-दुबला, लंबा, देखने में जरा भी खूबसूरत नहीं लगता था। पर उसकी आंखें बड़ी थीं। हमेशा प्यार से चमकती रहती थीं। दादी को वह बहुत प्यार करता था। दादी भी उसे बहुत चाहती थीं। दादी गांव में रहती थीं। परिवार बड़ा था। मकान भी बहुत बड़ा था और गांव में उन दिनों डाकू भी खूब आते थे। रात को अकसर कहीं न कहीं डाका पड़ ही जाता था। इसीलिए लोग कुत्ते पालते थे। शिकारी कुत्ता डाकुओं को देखते ही पहचान लेता था। फिर तो वह खतरनाक हो उठता था। उसके हमले से बचना कोई मामूली बात नहीं थी। इसीलिए मोती की बहुत पूछ होती थी। वह सबका प्यारा था। वह घर के किसी आदमी पर कभी हमला नहीं करता था। प्यार इतना करता कि लोग परेशान हो जाते। वह गांव, गंगा नदी से कुछ ही दूर था। कार्तिक के महीने में वहां बड़ा मेला लगता था। दादी हर साल उस मेले में हम सब बच्चों को भी लेकर जाती थीं। उनकी रखवाली के लिए मोती भी जाता था। बच्चों को वह खूब पहचानता था। उनका दोस्त जो बन गया था।

एक बार ऐसा हुआ कि मोती उस मेले में गायब हो गया। बहुत ढूंढा, लेकिन कहीं पता नहीं लगा। किसी ने कहा कि उस पार चला गया है, उसने उसे नदी में घुसते देखा था। मेला खत्म हो गया, लेकिन मोती नहीं आया। हमने समझ लिया कि कोई उसे पकड़कर ले गया है या वह नदी में डूब गया है। सभी बहुत दुखी थे, लेकिन दादी के दुख की मत पूछो। रोत-रोते उनकी आंखें लाल हो गईं। सब लोग लौट आए। रुकते भी कब तक! फिर बहुत दिन बीत गए। शायद तीन महीने बाद की बात है। जाड़े के दिन थे। अचानक आधी रात को दरवाजे पर खड़खड़ाहट शुरू हुई। हां, एक बात बताना तो मैं भूल ही गया था। मकान का दरवाजा बहुत बड़ा था और वह लकड़ी का नहीं था, टीन का था। इसलिए जरा सी भी आहट होती, तो बहुत शोर होता था। रात का सन्नाटा था। टीन के दरवाजे पर जो खड़खड़ाहट शुरू हुई, तो सब जाग उठे। समझ गए कि डाकू आ गए हैं। सब डर गए, लेकिन यह क्या? खड़खड़ाहट हुए जा रही है, हुए जा रही है, रुकती ही नहीं। कभी कम, कभी तेज। डाकू तो ऐसा नहीं कर सकते। वे तो एकदम दरवाजा तोड़ देते हैं। कौन है यह? आदमी है, तो आवाज क्यों नहीं देता? तभी दादी एकदम चिल्ला पड़ीं, मेरा मोती आया है। सबने दादी की ओर देखा। उनकी आंखों में आंसू थे, लेकिन भला मोती कहां से आता? वह दरवाजा कैसे खड़खड़ाएगा? लेकिन दादी ने तुरंत लालटेन उठाई और दरवाजा खोलने के लिए चल पड़ीं। उन्हें रोकना चाहा, लेकिन वह नहीं रुकीं। अब तो सबको ही पीछे-पीछे चलना पड़ा। भला, उन्हें अकेले कैसे जाने देते। अगर डाकू हुए तो!

बस आगे-आगे हाथ में लालटेन लिए दादी थीं और पीछे थे कोई पंद्रह-बीस औरतें और आदमी हाथों में लाठियां लिए हुए। एक-दो के पास छुरे भी थे। पर डर सब रहे थे। जैसे-जैसे दरवाजे के पास आ रहे थे, एक और आवाज उनके कानों में पड़ रही थी। वह मोती की आवाज थी। हां, हां, यह मोती ही है।

तभी किसी ने तेजी से आगे बढ़कर दरवाजा खोल दिया। सचमुच वह मोती था। दरवाजा खुलते ही वह तीर की तरह लपका और दादी से आ चिपटा। वह पागलों की तरह कभी इस कंधे पर झपटता, कभी उस कंधे पर चढ़ता, कभी मुंह चूमता और कभी अपना सिर उनकी गोद में रख देता। और दादी थीं कि रोए जा रही थीं। बोल रही थीं, मेरा मोती, मेरा बेटा मोती, तू कहां गया था रे? मैं तुझे रोज याद करती थी और जानती थी कि तू एक दिन आएगा।

मोती केवल दादी से ही नहीं मिला, वह घर के हर सदस्य के पास गया। उनके पास भी गया, जो अभी तक सोए पड़े थे। सबके साथ उसने वैसा ही प्यार दिखाया। वह रात कब बीती, कब सवेरा हुआ, किसी को पता नहीं चला। लेकिन यह बात सभी जानते हैं कि अगले दिन दादी ने देवी के मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के बाद सबको दो-दो पेड़े दिए थे। पूरे एक हफ्ते तक मोती की जो आवभगत हुई थी, उसकी चर्चा तो बच्चे बड़े हो जाने पर भी किया करते थे। लेकिन यही मोती एक दिन पागल हो गया। गांव में डाकू आते थे, तो गीदड़ भी आते थे। मोती अकसर उन गीदड़ों को मार भगाता था। कभी-कभी गीदड़ भी उसे काट लेते थे। एक दिन उन गीदड़ों में शायद कोई पागल गीदड़ भी आ गया था। उसी ने मोती को काट लिया और मोती पागल हो गया। उसके मुंह से बराबर राल टपकने लगी। उसकी आंखों का रंग बदलने लगा, लेकिन उसका प्यार अब भी कम नहीं हुआ था। अब लोग उससे डरते थे। दादी भी डरती थीं, रोती थीं। जिसे वह इतना प्यार करती थीं, उसे अब गोद में नहीं ले सकती थीं। मोती ने अभी तक किसी को काटा नहीं था, लेकिन काट तो सकता था। पागल कुत्ते चुपचाप काट लेते हैं। भौंकते तक नहीं। मोती ने किसी को काट लिया तो! पागल कुत्तों के काटने का उन दिनों कोई इलाज भी नहीं था। इसीलिए लोगों ने कहा, मोती को मार डालो। कैसी बुरी सलाह थी। दादी रोने लगीं। सब लोगों के दिल भर आए, लेकिन और कोई रास्ता भी तो नहीं था। मोती को मारना ही होगा।

फिर भी दो-तीन दिन बीत गए। इसी बीच में क्या हुआ कि घर का एक छोटा बच्चा अकेला सड़क पर निकल आया। वह धीरे-धीरे बाजार की ओर चल पड़ा। शाम का वक्त था। बैलगाड़ियां आ-जा रही थीं। अचानक एक गाड़ी के बैल भड़क उठे। वे तेजी से दौड़ने लगे। उनके ठीक सामने ही वह बच्चा चल रहा था। लोगों की निगाह उस पर पड़ी। वे चिल्लाए, बच्चे को बचाओ, बच्चे को बचाओ।

दौड़ते बैलों को रोकना आसान काम नहीं था। एकाएक कोई आदमी सामने नहीं आया। लेकिन मोती यह सब देख रहा था। वह तेजी से झपटा। पहले जब कभी ऐसा होता था, तो मुंह से कपड़ा पकड़कर खींच लेता था और बच्चे को सड़क से दूर ले जाता था, लेकिन अब तो वह पागल था। देखने वाले डर गए। कहीं उसके दांत बच्चे के बदन में गए तो। लेकिन हुआ क्या? मोती तेजी से झपटा और उसने अपनी पीठ से धक्का देकर, बच्चे को सड़क से बाहर धकेल दिया। उसे मुंह से नहीं पकड़ा।

लोगों ने यह सब देखा, तो अचरज से दांतों तले उंगली दबा ली। सब कहने लगे, इतना समझदार कुत्ता! बीमार है, फिर भी बच्चे को बचा लिया।'